24 वर्षों से देश के लिये समर्पित.....

हिन्दी दैनिक

यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

Youth India News Group

लखनऊ से प्रकाशित

गुरुवार| 12 नवम्बर 2026

मूल्य 5.00 रुपये

वर्षः 10 | अंकः 173| पृष्ठः 12

आरएनआई नं.: UPHIN/2016/68199

3 सख्त संदेश : कानून व्यवस्था.....

6 'चिड़ियों का लोकतंत्र': सत्ता, समाज.....

11 आवास विकास में पूर्व विधायक.....



तापमान मीटर

नई दिल्ली	17°	28°
कोलकाता	22°	30°
चेन्नई	26°	32°
मुंबई	25°	37°
लखनऊ	18°	30°

शेयर बाजार

सेंसेक्स 81879.40

निफ्टी 25255.05

सर्राफा बाजार

सोना 1,44,355.00 रुपए प्रति दस ग्राम

चांदी 2,00,000.00 रुपए प्रति किलो

एक नजर

स्वच्छता सर्वेक्षण में काशी की बड़ी उपलब्धि

वाराणसी। स्वच्छता और नदी तट के विकास के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। स्वच्छता सर्वेक्षण में काशी ने पिछले तीन वर्षों में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही वाराणसी को बेस्ट रिवर फ्रंट टाउन श्रेणी में तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

देर आए दुरुस्त आएः साक्षी महाराज

उन्नाव। भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों को लेकर बयान दिया है। दिवाली के दौरान पटाखों से होने वाले प्रदूषण पर दिए गए बयान को लेकर उन्होंने विपक्ष पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रविरोधी ताकतें बौखलाई हुई हैं।

ओवैसी और चंद्रशेखर का गठबंधन तय

लखनऊ। प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले प्रदेश की राजनीति में नए समीकरण बनने लगे हैं। भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच संभावित मुकाबले के बीच अब तीसरे मोर्चे की तैयारी तेज हो गई है।

राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा पर भाजपा का हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगले सप्ताह प्रस्तावित अमेरिका यात्रा को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने उन पर निशाना साधा है। भाजपा ने बुधवार को राहुल गांधी की विदेश यात्रा के उद्देश्य पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस को घेरने की कोशिश की।

दादा की संपत्ति पर पोता जन्म से नहीं जता सकता हकः सुप्रीम कोर्ट

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 से 15 नवंबर तक कर्नाटक और गुजरात के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह दोनों राज्यों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। इस दौरे को बुनियादी ढांचे और विकास कार्यों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कर्नाटक दौरे के दौरान प्रधानमंत्री बंगलूरू मेट्रो की पिंक लाइन से जुड़ी परियोजना का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा नवीकरणीय ऊर्जा, एलपीजी भंडारण और रेलवे से संबंधित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं भी कार्यक्रम का हिस्सा होंगी। इन परियोजनाओं से परिवहन सुविधाओं और ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में वंदे भारत एक्सप्रेस से जुड़ी परियोजनाएं भी शामिल हैं। केंद्र सरकार का उद्देश्य रेलवे कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के साथ यात्रियों को आधुनिक और सुविधाजनक परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराना है। इन परियोजनाओं से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।

गुजरात दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रसिद्ध अंबाजी मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे। इसके साथ ही वह प्रशांति कुटिरम के स्वर्ण जयंती समारोह में भी शामिल होंगे। इस दौरे के दौरान विकास परियोजनाओं के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी उनकी भागीदारी रहेगी।

उत्तराखंड की बेटी न आई होती तो सैफई में भैंस चरा रहे होतेः योगी

यूथ इंडिया, लखनऊ



प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर तीखा पलटवार किया है। उत्तराखंड के लोगों को घुसपैठिया बताने संबंधी टिप्पणी को लेकर योगी ने अखिलेश पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की बेटी अगर सैफई नहीं आई होती तो अखिलेश यादव आज वहां भैंस चरा रहे होते। मुख्यमंत्री का यह बयान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है।

सीएम योगी ने अपने संबोधन में उत्तराखंड की बेटी और अखिलेश यादव के पारिवारिक संदर्भ का उल्लेख करते हुए सपा प्रमुख पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की महिलाओं और वहां के लोगों का अपमान करना उचित नहीं है। योगी ने अखिलेश के बयान को उत्तराखंड की संस्कृति और सम्मान से जोड़ते हुए उनकी आलोचना की।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड की गौरवशाली संस्कृति, परंपराओं और देश के प्रति योगदान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के लोगों ने देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सेना में इस राज्य के जवानों का योगदान बेहद सराहनीय रहा है। उन्होंने उत्तराखंड की महान विभूतियों और देश के लिए उनके योगदान को भी याद किया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तराखंड की पहचान उसकी वीरता, संस्कृति और राष्ट्रसेवा से है। ऐसे राज्य के लोगों के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करना उनकी भावनाओं को आहत करने वाला है। इस बयान के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच जुबानी जंग और तेज होने के आसार हैं।

पीएम मोदी करेंगे 13 से 15 नवंबर तक कर्नाटक और गुजरात दौरा

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 से 15 नवंबर तक कर्नाटक और गुजरात के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह दोनों राज्यों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। इस दौरे को बुनियादी ढांचे और विकास कार्यों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कर्नाटक दौरे के दौरान प्रधानमंत्री बंगलूरू मेट्रो की पिंक लाइन से जुड़ी परियोजना का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा नवीकरणीय ऊर्जा, एलपीजी भंडारण और रेलवे से संबंधित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं भी कार्यक्रम का हिस्सा होंगी। इन परियोजनाओं से परिवहन सुविधाओं और ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में वंदे भारत एक्सप्रेस से जुड़ी परियोजनाएं भी शामिल हैं। केंद्र सरकार का उद्देश्य रेलवे कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के साथ यात्रियों को आधुनिक और सुविधाजनक परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराना है। इन परियोजनाओं से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।ह्य

अमूल, मदर एवं अन्य निजी डेयरी के दूध की कीमतों में वृद्धि

- उत्पादन लागत बढ़ने का हवाला देकर किसानों के हित में लिया फैसला। डेयरी बाजार अपडेट

यूथ इंडिया, नई दिल्ली

देश के प्रमुख डेयरी ब्रांड अमूल ने दूध उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और झटका दिया है। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन ने देशभर के प्रमुख बाजारों में ताजा पैक दूध की कीमतों में लगभग 4 से 5 प्रतिशत तक वृद्धि करने का निर्णय लिया है। नई कीमतें 12 नवंबर 2026 से प्रभावी होंगी। इस फैसले के बाद अब उपभोक्ताओं को अमूल के प्रमुख दूध उत्पादों के लिए पहले की तुलना में अधिक कीमत चुकानी होगी।

मार्केट अपडेट सूत्रों के रेट सर्कुलर चार्ट के हवाले से कंपनी की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, अमूल के सबसे अधिक बिकने वाले टोंड मिल्क अमूल ताजा (3 प्रतिशत फैट) की कीमत में 2 प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। वहीं, 6 प्रतिशत फैट वाले अमूल गोल्ड की कीमत 4 प्रति लीटर बढ़ाई गई है। प्रतिशत के आधार पर अमूल ताजा में 3.3 प्रतिशत और अमूल गोल्ड में 5.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

अमूल ने कीमतों में वृद्धि के पीछे दूध उत्पादन और प्रोसेसिंग की बढ़ती लागत को प्रमुख वजह बताया है। कंपनी के अनुसार, बीते एक वर्ष में हरे एवं सूखे चारे की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके साथ ही पशु आहार में इस्तेमाल होने वाली खली, मक्का और शीरे जैसे कच्चे माल की लागत भी बढ़ी है।

दूध की पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाली फिल्म, ईंधन तथा डेयरी संयंत्रों के संचालन से जुड़े खर्चों में वृद्धि ने भी कंपनियों की लागत पर दबाव बनाया है। इसके अलावा गुजरात सहित देश के कई हिस्सों में कम और अनियमित बारिश के कारण पशुपालन एवं चारा प्रबंधन की चुनौतियां बढ़ी हैं।

अमूल ने इस मूल्य वृद्धि को केवल व्यावसायिक निर्णय नहीं, बल्कि दुग्ध उत्पादकों को बेहतर भुगतान जारी रखने की आवश्यकता से भी जोड़ा है। तष्टरस्त्र के मुताबिक, उसकी सदस्य दुग्ध सहकारी यूनियनों ने पिछले एक वर्ष में किसानों से दूध खरीदने की कीमतों में लगभग 4 से 5 प्रतिशत तक वृद्धि की है।

सहकारी संस्था का कहना है कि उपभोक्ता मूल्य में संशोधन से किसानों को बेहतर खरीद मूल्य देने की व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी। कंपनी के अनुसार, अमूल के सहकारी ढांचे में उपभोक्ताओं से प्राप्त राजस्व का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा देश के करीब 36 लाख दुग्ध उत्पादकों को वापस पहुंचाया जाता है।

भाई दूज पर उठीं चार भाइयों की अर्थियां

आगरा। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में जान गंवाने वाले युवकों के शव जब घर पहुंचे तो परिवार में चीख-पुकार मच गई। भाई दूज के दिन जिस घर में खुशियां होनी चाहिए थीं, वहां मातम छा गया। हादसे में चार भाइयों की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। एक साथ चार अर्थियां उठीं तो अंतिम विदाई का यह मंजर देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। इस हादसे में परशुराम ने अपने तीन बेटों को खो दिया। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजन उन्हें संभालने की कोशिश करते रहे, लेकिन अपनों को खोने का दर्द हर किसी को विचलित कर रहा था। घर में महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल था और गांव के लोग भी परिवार को ढांढस बंधाने पहुंचे।

छठ महापर्व पर रेलवे का बड़ा इंतजाम, उत्तर रेलवे चलाएगा 94 स्पेशल ट्रेनें

- मुरादाबाद मंडल को मिली 14 ट्रेनें
- 80 विशेष ट्रेनें मुरादाबाद मंडल से होकर गुजरेंगी
- 50 से अधिक ट्रेनों में अतिरिक्त कोच और प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकट काउंटर की व्यवस्था

यूथ इंडिया, मुरादाबाद



लोक आस्था के महापर्व छठ पर घर जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने विशेष तैयारियां की हैं। यात्रियों को सुगम और सुरक्षित सफर उपलब्ध कराने के लिए उत्तर रेलवे की ओर से 94 विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इनमें से 14 ट्रेनें मुरादाबाद मंडल से संचालित होंगी, जबकि 80 विशेष ट्रेनें मुरादाबाद मंडल से होकर गुजरेंगी।

छठ पर्व पर बिहार और पूर्वोत्तर राज्यों की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने को देखते हुए रेलवे ने यह व्यवस्था की है। विशेष ट्रेनों के संचालन से यात्रियों को नियमित ट्रेनों में होने वाली भीड़ से राहत मिलने की उम्मीद है।

रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए 50 से अधिक ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाने की व्यवस्था की है। इसके अलावा मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकट स्टॉल भी खोले गए हैं, ताकि यात्रियों को टिकट लेने में परेशानी न हो।

त्योहार के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को लेकर भी विशेष सतर्कता बरती जा रही है। मुरादाबाद मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर जीआरपी और आरपीएफ के जवानों की चौबीस घंटे तैनाती की गई है। स्टेशन परिसर में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी निगरानी रखी जाएगी।

इस संबंध में मुरादाबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने बताया कि छठ पर्व पर यात्रियों की सुविधा, भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

रेलवे का प्रयास है कि छठ महापर्व पर घर जाने वाले यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराई जा सके।

अखिलेश यादव के प्रस्तावित दौरे से पहले संत समाज की बड़ी बैठक

- कारसेवकों के परिजनों से माफी मांगने की मांग
- 12 दिसंबर को अयोध्या आ सकते हैं सपा प्रमुख
- मणिरामदास छावनी में जुटे प्रमुख संत-महंत
- रामलला के दर्शन और सरयू स्नान का विरोध नहीं, लेकिन रखी शर्त

यूथ इंडिया, अयोध्या



समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के 12 दिसंबर को प्रस्तावित अयोध्या दौरे को लेकर रामनगरी में हलचल तेज हो गई है। उनके संभावित आगमन से पहले मणिरामदास छावनी में संत समाज की महत्वपूर्ण बैठक शुरू हो गई है। बैठक में अयोध्या के प्रमुख संत-महंत शामिल होकर उनके दौरे को लेकर अपना पक्ष रख रहे हैं।

बैठक में संतों ने स्पष्ट किया कि अखिलेश यादव के अयोध्या आने, रामलला के दर्शन करने और सरयू में स्नान करने पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, संत समाज ने उनके सामने एक शर्त रखी है। संतों की मांग है कि अखिलेश यादव अयोध्या आने से पहले रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान शहीद हुए कारसेवकों के परिजनों से माफी मांगें।

संतों का कहना है कि रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान हुई घटनाएं अयोध्या के इतिहास और धार्मिक भावनाओं से जुड़ी हैं। ऐसे में अखिलेश यादव को कारसेवकों के बलिदान और उनके परिवारों की भावनाओं का सम्मान करते हुए अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए।

अखिलेश यादव के प्रस्तावित अयोध्या दौरे को लेकर राजनीतिक और धार्मिक हलकों में चर्चाएं तेज हैं। संत समाज की बैठक में आगे क्या निर्णय लिया जाता है, इस पर सभी की नजर बनी हुई है।

कानपुर सेंट्रल पर चौरीचौरा एक्सप्रेस बेपटरी, तीन से चार डिब्बे पटरी से उतरे

यूथ इंडिया, कानपुर



कानपुर सेंट्रल के प्लेटफॉर्म नंबर 7 से रवाना हुई थी। स्टेशन से कुछ दूरी आगे बढ़ते ही उसके डिब्बे पटरी से उतर गए। एबीपी की रिपोर्ट में 4 डिब्बे जबकि टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में 3 डिब्बे बेपटरी होने की जानकारी दी गई।

घटना की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी और संबंधित सुरक्षा टीमें मौके पर पहुंच गईं। बेपटरी हुए डिब्बों को दोबारा पटरी पर लाने के प्रयास शुरू किए गए। हादसे के कारणों की जांच और रेल परिचालन पर इसके प्रभाव का आकलन किया जा रहा है।

कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर बुधवार शाम बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया। कानपुर अनवरगंज से गोरखपुर जा रही चौरीचौरा एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 15003) स्टेशन से निकलते ही बेपटरी हो गई। हादसे में ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। घटना के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रेन

16 नवंबर से शुरू होगी जनगणना की स्वगणना, घर बैठे मोबाइल से भर सकेंगे परिवार का पूरा ब्योरा

- 30 नवंबर तक मिलेगा मौका, 40 सवालों के देने होंगे जवाब
- जानकारी जमा करने पर मिलेगी 11 अंकों की विशेष पहचान संख्या

यूथ इंडिया, लखनऊ

जनगणना की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए इस बार नागरिकों को घर बैठे स्वगणना की सुविधा दी जाएगी। इसके तहत 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक लोग मोबाइल फोन या कंप्यूटर के माध्यम से अपने परिवार का विवरण खुद दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए नागरिकों को सरकारी पोर्टल https://se.census.gov.in पर जाना होगा।

स्वगणना की प्रक्रिया पूरी करने के लिए सबसे पहले पोर्टल पर उत्तर प्रदेश का चयन करना होगा। इसके बाद मोबाइल नंबर दर्ज कर ओटीपी के माध्यम से सत्यापन करना होगा। सत्यापन पूरा होने पर परिवार के सभी सदस्यों का विवरण भरना होगा। पोर्टल पर पूछे गए करीब 40 सवालों के जवाब भी दर्ज करने होंगे।

स्वगणना के दौरान नागरिकों को अपने निवास स्थान की लोकेशन मानचित्र पर चिह्नित करनी होगी, ताकि घर की सही स्थिति की पुष्टि हो सके। सभी जानकारियां भरने के बाद अंतिम रूप से सबमिट करना होगा। इसके बाद 11 अंकों की विशेष पहचान संख्या यानी एसई आईडी जारी की जाएगी।

स्वगणना पूरी करने के बाद जब जनगणना कर्मी घर पहुंचेंगे तो परिवार के सदस्यों को अपनी एसई आईडी दिखानी होगी। इसी पहचान संख्या के आधार पर पोर्टल पर पहले से दर्ज जानकारी का मिलान किया जाएगा।

नागरिकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है, क्योंकि एक बार जानकारी अंतिम रूप से जमा होने के बाद उसमें बदलाव नहीं किया जा सकेगा। इसलिए नाम, परिवार के सदस्यों का विवरण और अन्य जानकारियां अच्छी तरह जांचने के बाद ही अंतिम सबमिशन करना होगा। मोबाइल नंबर बदलने या वर्तमान निवास स्थान अलग होने की स्थिति में भी नागरिक नए विवरण के साथ स्वगणना की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे।

घर मे ही चाचा शिवपाल में शिव और रामगोपाल में राम के करते हैं दर्शनः अखिलेश

- बोले- हमारे घर में आशीर्वाद की कमी नहीं
- खजांची का जन्मदिन मनाने के कार्यक्रम में पहुंचे अखिलेश यादव ने भाजपा पर भी साधा निशाना
- गरीबों को सरसों का तेल और घी देने का किया वादा

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजनीति में रिश्ते केवल संबोधनों से नहीं, बल्कि भावनाओं और अपनत्व से भी पहचाने जाते हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को खजांची के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने चाचा शिवपाल यादव और चाचा रामगोपाल यादव को लेकर ऐसा बयान दिया, जिसमें पारिवारिक आत्मीयता के साथ उनका अपना राजनीतिक अंदाज भी नजर आया।

अखिलेश यादव ने कहा, चाचा शिवपाल जी और चाचा रामगोपाल जी, हमारे घर में शिव और राम पहले से ही हैं, आशीर्वाद हमें पहले से ही मिल रहा है।

उनके इस बयान ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का ध्यान खींचा। चाचा शिवपाल के नाम में शिव और चाचा रामगोपाल के नाम में राम का उल्लेख करते हुए अखिलेश ने परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के प्रति सम्मान और उनके आशीर्वाद को अपने अंदाज में व्यक्त किया। उन्होंने धार्मिक आस्था पर कहा कि भगवान सबके हैं। वह केदारेश्वर भी जाएंगे और मथुरा-वृंदावन भी जाएंगे। उन्होंने कहा, पीडीए, पहले दर्शन, फिर आशीर्वाद।

कार्यक्रम में खजांची के जन्मदिन का जिक्र करते हुए अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने आज तक खजांची का जन्मदिन नहीं मनाया, भाजपा को उसे गोद ले लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि खजांची की पढ़ाई-लिखाई और देखभाल की जिम्मेदारी आज भी समाजवादी लोग और समाजवादी परिवार निभा रहा है।

गरीब परिवारों की स्थिति का उल्लेख करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति बचा हुआ सरसों का तेल अपने परिवार के लिए ले जा रहा है तो उसे अपमानित किया जा रहा है। उन्होंने बुंदेलखंड पैकेज का उदाहरण देते हुए कहा कि समाजवादी सरकार ने गरीबों को सरसों का तेल और घी उपलब्ध कराया था। भविष्य में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर गरीब परिवारों को फिर से सरसों का तेल और घी उपलब्ध कराया जाएगा।

शिवपाल यादव 12 नवंबर को जाएंगे गाजियाबाद, जिला कारागार में आजम खां से करेंगे मुलाकात

यूथ इंडिया, लखनऊ

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव 12 नवंबर को गाजियाबाद के दौरे पर रहेंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार शिवपाल यादव सुबह 10:30 बजे गाजियाबाद जिला कारागार पहुंचेंगे। यहां वह जेल में बंद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां से मुलाकात करेंगे।

गौरतलब है कि आजम खां को 1 नवंबर 2026 को धनशोधन मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में गाजियाबाद की डासना जिला जेल भेजा गया था।

जेल में दोनों नेताओं की मुलाकात को समाजवादी पार्टी के राजनीतिक और संगठनात्मक घटनाक्रम के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुलाकात के बाद शिवपाल यादव दोपहर 1 बजे यूपी भवन पहुंचेंगे।

सोनिया का दावा: 'मोदी सरकार के पैरों तले खिसक चुकी है जमीन'

नई दिल्ली/एजेंसी

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी का कहना है कि मोदी सरकार के पैरों तले से जमीन खिसक चुकी है। उन्हें पूरा विश्वास है कि यह सत्ता ज्यादा दिन तक टिकने वाली नहीं है। उनका मानना है कि सरकार के कामकाज में उसकी असुरक्षा साफ झलकती है। गांधी ने अपनी किताब बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव में लिखा है कि उन्हें महसूस होता है कि नई पीढ़ी निष्पक्षता चाहती है और दमनकारी व्यवस्थाओं तथा अन्याय को खत्म करना चाहती है। मंगलवार को बाजार में आई इस किताब में वह लिखती हैं, 'इसमें समय लगेगा, लेकिन मुझे पता है कि हालात बदलेंगे और वे सफल होंगे। वे हमारे देश की आत्मा को वापस लाएंगे और इसके जख्मों को भरेंगे। देश के युवा ही हमारी मुश्किल से हासिल की गई आजादी और बड़ी मेहनत से बनाई गई सामाजिक सद्भावना की रक्षा करेंगे।'

सरकार के कदमों में झलकती है असुरक्षाः सोनिया गांधी

गांधी कहती हैं, 'इस किताब को लिखते समय भी सरकार यही दावा कर रही है कि उसकी ताकत और लोकप्रियता बरकरार है। लेकिन मेरा मानना है कि उसके पैरों तले से जमीन खिसक चुकी है।



वोट चोरी के आरोपों और मतदाता सूची में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया

मुख्यधारा का मीडिया पहले की तरह ही पक्षपाती बना हुआ है, लेकिन सरकार के कदम उसकी असुरक्षा को जाहिर करते हैं।'

वोट चोरी के आरोपों और मतदाता सूची में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया

विपक्ष के 'वोट चोरी' के आरोपों का जिक्र करते हुए वह कहती हैं कि हाल के महीनों में हुए राज्य विधानसभा चुनावों में मतदाता सूचियों (इलेक्टोरल रोल) में बड़े पैमाने पर छेड़छाड़ के स्पष्ट संकेत मिले हैं। वह कहती हैं, 'संसद में सत्ताधारी पार्टी बेहद अहम मुद्दों पर बात करने से बचती है। इनमें सीमा पर चीन का हमारे इलाकों पर

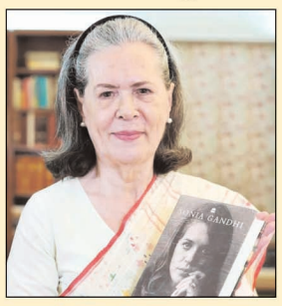

कब्जा, संघीय ढांचे को कमजोर करने वाले कानून, अल्पसंख्यकों के अधिकार, नागरिकों की निजता और ऐसे कई अन्य मुद्दे शामिल हैं, जो एक राष्ट्र के रूप में हमारी अखंडता के लिए बुनियादी हैं। लेकिन अब सरकार के झूठे दावों पर किसी को भरोसा नहीं रहा। लोग बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और चारों तरफ फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने से अब कम डरते हैं।

आरएसएस के एजेंडे और एकरूपता थोपने की कोशिश पर निशाना

गांधी का मानना है कि भले ही सत्ताधारी वर्ग लोगों को नियंत्रित करने और उनके बीच ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रहा हो, लेकिन उसका एकरूपता थोपने का एजेंडा भारत की स्वाभाविक विविधता के सामने जरूर विफल हो जाएगा।

2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी एकता से घबराई थी भाजपाः सोनिया गांधी

सोनिया गांधी कहती हैं, 'मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि आरएसएस की वर्चस्व कायम करने की दीर्घकालिक योजना यानी हमारी विविधता पर एक धर्म और एक भाषा थोपने की कोशिश का कड़ा विरोध किया जाएगा।'

2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी एकता से घबराई थी भाजपा

अपनी किताब में सोनिया गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनावों का भी जिक्र किया है। उनका कहना है कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को जमीनी स्तर पर मिल रहे समर्थन को देखकर भाजपा घबराने लगी थी। प्रधानमंत्री डगमगाने लगे। उन्होंने फिर से अपने पुराने, भद्दे नारों का सहारा लेना शुरू कर दिया, जिसमें वे लोगों को अल्पसंख्यकों से जुड़े कथित खतरों के बारे में डराते थे। उनके भाषण डराने वाले, बेतुके और कभी-कभी बिल्कुल अवास्तविक लगने लगे। एक इंटरव्यू, जो काफी वायरल हुआ था, उसमें उन्होंने दावा किया कि वे किसी दैवीय मूल से आए हैं, यानी 'नॉन-बायोलॉजिकल' (जैविक नहीं) हैं।' गांधी बताती हैं कि देशभर में कई लोग प्रधानमंत्री के दावों को समझने लगे थे।



यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा राजस्व विभाग के लिए नवचयनित 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरण एवं मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत 4,300 लाभार्थियों को 215 करोड़ की सहायता राशि का वितरण कार्यक्रम के उपरांत सेल्फी लेते हुए।

दिवाली पर कांग्रेस के बयान को लेकर भड़के सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्लीः भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस पर हिंदू विरोधी मानसिकता रखने का आरोप लगाया। साथ ही समाजवादी पार्टी और टीएमसी को भी घेरा। इसके साथ ही सोनिया गांधी के राजनीतिक कार्यकाल पर भी सवाल उठाए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'जब देश विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, तो राजनीति नए निचले स्तरों की ओर जाती दिख रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दिवाली को 'खुशियों की ईद' में बदल दिया। यह काफी हैरानी की बात है, क्योंकि कर्नाटक में - जहां से वे आते हैं - कन्नड़ भाषा में त्योहार के लिए 'उत्सव' या 'हब्बा' शब्द का इस्तेमाल होता है।

'प्रधानमंत्री पद छोड़ बनीं सुपर पीएम': सोनिया गांधी के संस्मरण पर भाजपा का तीखा हमला



नई दिल्ली/एजेंसी

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के नए संस्मरण को लेकर भाजपा ने उन पर तीखा हमला बोला है। भाजपा ने 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के उनके फैसले को त्याग बताने के दावे पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने तंज कसते हुए कहा कि सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री की कुर्सी छोड़कर 'सुपर पीएम' बनने का रास्ता चुना था। भाजपा का आरोप है कि उन्होंने प्रधानमंत्री पद नहीं संभाला, लेकिन तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार में राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की अध्यक्ष बनकर कैबिनेट मंत्री के बराबर दर्जा हासिल किया। पार्टी ने उनकी किताब में आपातकाल और राजीव गांधी से जुड़े दावों को भी चुनौती दी है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सोनिया गांधी के संस्मरण 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' पर प्रतिक्रिया दी। यह किताब मंगलवार को जारी हुई थी। इसमें सोनिया गांधी ने लिखा है कि 2004 में उन्हें प्रधानमंत्री बनने का प्रस्ताव दिया गया था। शुरूआत में उन्होंने इस विचार को पूरी तरह खारिज कर दिया था। बाद में गठबंधन के सहयोगियों के दबाव पर उन्होंने कमजोर मन से 'ठीक है' कहा, लेकिन आखिर में प्रधानमंत्री बनने से साफ इनकार कर दिया। इसी प्रसंग पर त्रिवेदी ने सवाल उठाते हुए उनके फैसले को 'सुपर त्याग' बताया।

भाजपा ने सोनिया गांधी को 'सुपर पीएम' क्यों कहा?

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री पद तो स्वीकार नहीं किया, लेकिन कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के दौरान राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की अध्यक्षता संभाली। इस पद को कैबिनेट मंत्री के बराबर दर्जा प्राप्त था। प्रधानमंत्री पद छोड़कर कैबिनेट रैंक वाला पद लेना किस तरह का त्याग था।

भाई दूज पर अजित पवार को याद कर भावुक हुई सुप्रिया, शेयर की वीडियो

मुंबई/एजेंसी

नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी- शरदचंद्र पवार (एनसीपी-एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने भाई दूज के मौके पर अपने चचेरे भाई और महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिगवंत अजित पवार को याद करते हुए भावुक पोस्ट किया है। उन्होंने कहा कि तुम (अजित पवार) हमारे दिलों में हो, और हमेशा रहोगे। सुप्रिया सुले ने बुधवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वे अपनी बहनों और भाई अजित पवार के साथ थीं। भाई दूज के अवसर पर उन्होंने पोस्ट में लिखा,



'भाई, यह तुम्हारे बिना पहली दिवाली और पहला भाऊ-बीज (भाई दूज) है। हर साल, हम बहनें इस दिन का कितनी बेसब्री से इंतजार करती थीं। लेकिन इस साल, जैसे ही भाऊ-बीज का दिन आया, मेरे मन में तुम्हारी अनगिनत यादें उमड़ आईं।'

पिता विरासत में मिली संपत्ति से बेटे को बाहर रख सकता है: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी

दादा की संपत्ति पर पोते का दावा कितना जायज है, इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में साफ कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने साफ- साफ कहा कि पिता खुद को विरासत में मिली संपत्ति से अपने बेटे को बाहर रख सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने ताजा फैसले में बताया कि कोई व्यक्ति अपने पिता की पैतृक या स्वयं अर्जित संपत्ति में अपने हिस्से का पूर्ण मालिक बन जाता है और वह उस पर पूरी तरह से अपना अधिकार जता सकता है। इसके बाद पोते से जुड़ी अपनी अहम टिप्पणी में कहा कि यहां तक कि वो (पिता) अपने बेटों को भी इससे बाहर रख सकता है।

क्यों नहीं मिला दावे का अधिकार



कोर्ट ने बताया कि 'हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम' के तहत पोते को 'क्लास-1' उत्तराधिकारी नहीं माना जाता है। इसलिए वह अपने दादा की संपत्ति में हिस्से का दावा नहीं कर सकता। धारा आठ का हवाला देते हुए बेंच ने कहा कि एक बेटा अपने पिता से विरासत में मिली संपत्ति का पूर्ण मालिक बन जाता है, जबकि उसके अपने बेटे का उस संपत्ति पर जन्म से कोई अधिकार नहीं होता।

पिता के जीवित रहते नहीं मिलता दूसरे को अधिकार

सर्वोच्च अदालत ने कहा कि 'क्लास के उत्तराधिकारी एक साथ संपत्ति के हकदार बनते हैं। हालांकि इनके रहते अन्य किसी को अधिकार नहीं मिलता। कोर्ट ने कहा कि अनुसूची के 'क्लास क' में पोते (बेटे के बेटे) का उत्तराधिकारी के रूप में कोई जिक्र नहीं है। इस वजह से उसे अपने दादा की संपत्ति में कोई अधिकार नहीं मिल सकता। कोर्ट ने बताया कि 1956 के कानून में, हिंदू पर्सनल लॉ के तहत पोते को अपने पिता के जीवित रहते हुए दादा की संपत्ति में हिस्सा मांगने का अधिकार नहीं दिया गया है। कोर्ट ने कहा कि धारा 8 को एक स्वतंत्र प्रावधान के रूप में पढ़ा जाना चाहिए, जो बिना वसीयत के मरने वाले हिंदू पुरुष की संपत्ति के हस्तांतरण को नियंत्रित करता है।

नोटबंदी के 10 साल बाद भी नकदी का दबदबा कायम

नई दिल्ली/एजेंसी

जेब में स्मार्टफोन है, दुकान पर क्यूआर कोड लगा है और चाय की दुकान से लेकर शोरूम तक यूपीआई से भुगतान हो रहा है। लगता है कि भारत कैशलेस अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। लेकिन आंकड़े अलग ही कहानी बयां करते हैं। यूपीआई ने भुगतान का तरीका तो बदल दिया, लेकिन भारतीयों का नकदी से मोह अब भी बरकरार है। नोटबंदी के 10 साल बाद भी कैश की मांग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सर्वेक्षण में पता चला कि लोग अभी भी नकदी के इस्तेमाल को काफी पसंद करते हैं। आरबीआई ने रिपोर्ट में सर्वेक्षण के नतीजों का विस्तृत विवरण तो नहीं दिया, लेकिन इसका निष्कर्ष है कि नकदी की मांग खत्म नहीं हुई है।



चलन में मौजूद नकदी आठ नवंबर 2016 को 17.77 लाख करोड़ रुपये थी, जो 23 अक्टूबर 2026 को 43.16 लाख करोड़ रुपये हो गई है - यानी इसमें लगभग 143 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। गौरतलब है कि नोटबंदी की घोषणा आठ नवंबर 2016 को हुई थी। आरबीआई की मई 2026 में जारी वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2026 के अंत तक चलन में मौजूद बैंक नोटों का कुल मूल्य करीब 41.24 लाख करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2025-26 में चलन में मौजूद बैंक नोटों के मूल्य में 11.9 प्रतिशत और संख्या में 10.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एक रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार 23 अक्टूबर 2026 को चलन में मौजूद मुद्रा 43.16 लाख करोड़ रुपये थी। डिजिटल भुगतान के मोर्चे पर भी भारत ने मिसाल पेश की है।

'सोनिया ने 15 साल बाद क्यों ली भारतीय नागरिकता?': कंगना ने संजय गांधी की मौत का किया जिक्र

मुंबई/एजेंसी

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के भारतीय नागरिकता लेने के समय पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने 1968 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ सोनिया गांधी की शादी और 1983 में उनके भारतीय नागरिक बनने के फैसले की ओर इशारा किया।

कंगना ने क्या सवाल उठाया?

इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में, कंगना ने इस घटनाक्रम को 1980 में संजय गांधी की मौत से जोड़ा और सवाल उठाया कि सोनिया गांधी - जिन्होंने हाल ही में 'बिलोंगिंगः अ जर्नी ऑफ लव' नाम से अपनी संस्मरण पुस्तक निकाली है - ने अपनी शादी के 15 साल बाद नागरिकता क्यों ली।

कंगना ने अपनी स्टोरी में लिखा,



'सोनिया गांधी की शादी 1968 में हुई थी। सोनिया गांधी प्रधानमंत्री आवास में रह रही थीं और बिना नागरिकता के वोट भी डाल रही थीं, लेकिन 15 वर्षों तक उन्हें भारतीय नागरिकता नहीं मिली। 1980 में संजय गांधी का निधन हो गया, और 15 साल बाद, 1983 में सोनिया गांधी ने भारतीय नागरिकता लेने का फैसला किया। उन्होंने इंदिरा गांधी के राजनीतिक उत्तराधिकारी की मौत के बाद ही नागरिकता क्यों ली?'

त्रिपुरा निकाय चुनाव में वोटिंग से पहले ही बीजेपी का जलवा, 77 सीटें निर्विरोध जीतीं

अगरतला/एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी ने 27 नवंबर को होने वाले चुनाव से पहले ही 77 सीटो पर जीत हासिल कर ली है। पार्टी ने ये शानदार उपलब्धि चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने और कागजातों की जांच के बाद 77 सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल की है। एक अधिकारी ने बुधवार को इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि त्रिपुरा के पांच नगर निकायों में भाजपा ने 77 सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल का है। राज्य के 21 नगर निकायों (जिसमें अगरतला नगर निगम भी शामिल है) की 345 सीटों के लिए नामांकन दाखिल करने की समय-सीमा सात नवंबर को समाप्त हो गई थी। नामांकन पत्रों की जांच मंगलवार को हुई।

268 सीटों पर होगा मतदान

अब 268 सीटों पर मतदान होगा। इस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले



एनडीए, सीपीआई(एम) और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होगा। राज्य चुनाव आयुक्त (एसउ) पी.के. चक्रवर्ती ने बताया कि नगर निकायों की 268 सीटों के लिए 810 उम्मीदवार मैदान में हैं। मतदान 27 नवंबर को होगा और वोटों की गिनती तीन दिसंबर को तय की।

बीजेपी के सबसे ज्यादा उम्मीदवार

उन्होंने बताया कि भाजपा के सबसे ज्यादा 342 उम्मीदवार हैं, जबकि सीपीआई(एम) के 218 और कांग्रेस के 201 उम्मीदवार मैदान में हैं। राज्य चुनाव आयोग के अनुसार, भाजपा ने पांच नगर निकायों की 77 सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल की। ये नगर निकाय मोहनपुर, कमलपुर, जिरानिया, रानीरबाजार और शांतिरबाजार हैं। नामांकन जबरन वापस कराए जाने के आरोपों के बाद हमने धलाई के जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट मांगी। जमीनी रिपोर्ट से पता चलता है कि अंबासा या धलाई जिले में कहीं भी ऐसी कोई घटना नहीं हुई।

ग्रैप फेल, सड़कें जाम, दिल्ली के प्रदूषण में पराली नहीं, 52% जिम्मेदार वाहन: सीएसई रिपोर्ट

इस लापरवाही के कारण राजधानी की हवा दीपावली से पहले ही अन्य वर्षों की तुलना में अधिक प्रदूषित रही

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रदूषण रोकथाम के लिए पूरे वर्ष प्रभावी कदम उठाने की जगह ग्रेप के अलग-अलग चरण लागू कर वाहनों की आवाजाही और निर्माण पर रोक लगाने सहित कई तरह के प्रतिबंध लागू कर दिए जाते हैं, लेकिन इससे दिल्ली की हवा साफ होने की जगह और जहरीली हो रही है। सेंटर फार साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) के नए विश्लेषण का भी यही निष्कर्ष है। इस लापरवाही के कारण राजधानी की हवा दीपावली से पहले ही अन्य वर्षों की तुलना में अधिक प्रदूषित रही।

हल्की गिरावट दर्ज की गई

सीएसई के अर्बन लैब की डिप्टी प्रोग्राम मैनेजर शरणजीत कौर का



कहना है कि इस वर्ष दिल्ली में सर्दियों से पहले का प्रदूषण वर्ष 2025 की तुलना में अधिक रहा है, सिर्फ सितंबर के अंत में वर्षा के कारण इसमें हल्की गिरावट दर्ज की गई थी। पंजाब सहित अन्य पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने को इसका कारण बताते हुए राजनीतिक पार्टियां आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कर रही हैं। लेकिन सीएसई की रिपोर्ट बताती है कि राजधानी में प्रदूषण वाहनों से होने वाले उत्सर्जन और अन्य आंतरिक कारण हैं। छह नवंबर को जब दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) सबसे अधिक 382 था, तब पराली के धुएं का योगदान मात्र 8 प्रतिशत के आसपास था।

हवा के कारण नाइट्रोजन डाइक्साइड

यहां सबसे अधिक प्रदूषण वाहनों के उत्सर्जन व अन्य आंतरिक स्त्रोतों से हो रहा है। सुबह और शाम के व्यस्त समय में सड़कों पर लगने वाले भारी जाम और रात की स्थिर हवा के कारण नाइट्रोजन डाइक्साइड (एनओ2) का स्तर आधी रात तक उच्च बना रहता है। प्रदूषण नियंत्रण के नाम पर ग्रेप प्रतिबंध जैसे कि बीएस-श्कसे नीचे के वाहनों पर रोक यातायात जाम की समस्या कम करने में विफल रहा है। ट्रैवल टाइम इंडेक्स (टीटीआइ) के अनुसार, प्रतिबंध लागू होने के बाद भी व्यस्त घंटों के दौरान लोगों को सामान्य से 13 से 31 % अधिक समय सड़कों पर बिताना पड़ा।

-दीपावली से पूर्व पीएम 2.5 का औसत स्तरः-

वर्ष -पीएम 2.5 (माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर)

2026 - 236

2025 -120

2024 -179

पिछले वर्ष की तुलना में 97% और वर्ष 2024 की तुलना में 32 प्रतिशत की वृद्धि

दिल्ली के पीएम 2.5 के स्त्रोत

पड़ोसी जिलों से आने वाले वाहनः 54.43%

स्थानीय स्त्रोतः 33.06 %

पराली जलानाः14.29 %

दिल्ली के स्थानीय प्रदूषण स्त्रोत

वाहनः 52 %

आवासीय गतिविधियांः 13 %।

'बाबर प्रेमियों को सजा मिलेगी', राम मंदिर पर टिप्पणी को लेकर बीजेपी ने कीर्ति आजाद पर साधा निशाना

नई दिल्ली/एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को भगवान राम और अयोध्या राम मंदिर पर की गई टिप्पणियों को लेकर तृणमूल कांग्रेस सांसद कीर्ति आजाद की आलोचना की। पार्टी ने विपक्ष पर चरम वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर पोस्ट में टीएमसी पर भगवान राम का अपमान करने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला 'इंडिया गठबंधन' सनातन विरोधी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष सनातन से नफरत करता है। टीएमसी के सांसद ने प्रभु श्रीराम का अपमान किया है।



राहुल गांधी, ममता बनर्जी और अखिलेश यादव अपने नेताओं से सनातन को बदनाम करवाकर चरम वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं।

बाबर प्रेमियों को जनता सजा देगी- बीजेपी

उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में विपक्षी दलों को उसी तरह सजा मिलेगी, जैसे पश्चिम बंगाल में टीएमसी को चुनावी हार का सामना करना पड़ा था भंडारी ने लिखा, बंगाल की तरह ही, उत्तर प्रदेश की जनता, बाबर प्रेमियों को सजा देगी।

सीएम योगी ने 1,146 कनिष्ठ सहायकों को सौंपे नियुक्ति पत्र, 4,300 किसान परिवारों को 215 करोड़ की सहायता

बोले-अब सरकारी नौकरियों में नहीं चलती सिफारिश, सिर्फ योग्यता के आधार पर मिल रहा युवाओं को मौका

यूथ इंडिया, लखनऊ



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को युवाओं और किसानों को बड़ी सौगात दी। गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा राजस्व विभाग के लिए चयनित 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत 4,300 लाभार्थी किसान परिवारों को 215 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और राजस्व राज्य मंत्री सुरेंद्र दिलेर भी मौजूद रहे।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में अब सरकारी भर्तियां पारदर्शी तरीके से हो रही हैं और युवाओं को उनकी योग्यता के आधार पर नौकरी मिल रही है। अब किसी की सिफारिश की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने वर्ष 2017 से पहले की भर्ती व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि उस समय नियुक्ति प्रक्रिया में अनियमितताएं होती थीं। मुन्ना भाई एमबीबीएस फिल्म का उदाहरण देते हुए उन्होंने तंज कसा कि पहले परीक्षा कोई देता था और नियुक्ति पत्र किसी दूसरे को मिल जाता था। उन्होंने कहा कि उस समय भर्ती बोर्ड के अधिकारी भी बंधक जैसी स्थिति में रहते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद जब उन्होंने पुलिस विभाग की समीक्षा की तो करीब डेढ़ लाख पद खाली मिले। पिछली सरकार ने पीएसी की 34 कंपनियां समाप्त कर दी थीं। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने युवाओं को बड़े पैमाने पर सरकारी नौकरियां दी हैं। राजस्व विभाग में एक लाख से अधिक नियुक्तियां किए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि लेखपाल भर्ती की प्रक्रिया भी जारी है। नियुक्ति पत्र वितरण की गति का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर चुटकी भी ली। उन्होंने कहा कि जैसे घड़ी की सेकंड वाली सुई तेजी से चलती है, उसी गति से उनकी सरकार में नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे हैं। गिनती को लेकर उन्होंने शिवपाल यादव पर भी व्यंग्य किया।

सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार में प्रत्येक पांचवें दिन नियुक्ति पत्र वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है और यह सिलसिला 26 जनवरी तक जारी रहेगा। उन्होंने नवचयनित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। सरकारी सेवा में आने के बाद जनता की समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के शासनकाल में उत्तर प्रदेश की पहचान को लेकर संकट पैदा हुआ था।

अखिलेश यादव का भाजपा पर बड़ा हमला, बोले- यूपी में अब 80-20 नहीं, 95-05 की लड़ाई, भाजपा का पता नहीं चलेगा

महिलाओं के अपराध, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और नोटबंदी को लेकर सरकार को घेरा

यूथ इंडिया, लखनऊ



समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को राजधानी स्थित सपा कार्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी के पक्ष में अपना मन बना चुकी है। प्रदेश में अब लड़ाई 80-20 की नहीं, बल्कि 95-05 की है। भाजपा का चुनाव में पता भी नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है और सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है।

अखिलेश यादव ने प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि हाथरस कांड के बाद भी महिलाओं के साथ होने वाली घटनाएं रुकी नहीं हैं, बल्कि एक से बढ़कर एक दर्दनाक घटनाएं सामने आ रही हैं। सबसे शर्मनाक पक्ष यह है कि प्रदेश की जनता का यूपी पुलिस से भरोसा उठ गया है। कई बार सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट भी पुलिस की कार्यप्रणाली पर टिप्पणी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने प्रदेश को सबसे बेहतर पुलिस रिस्पांस सिस्टम दिया था, लेकिन भाजपा सरकार ने उसे बर्बाद कर दिया। सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज कराए जा रहे हैं तथा विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। नोटबंदी के दस साल पूरे होने के मुद्दे पर अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार को घेरते हुए इसे अब तक का सबसे भ्रष्ट फैसला बताया। उन्होंने कहा कि नोटबंदी के समय सरकार ने कई बड़े-बड़े लक्ष्य गिनाए थे, लेकिन आज पीछे मुड़कर देखने पर उनमें से एक भी लक्ष्य पूरा होता दिखाई नहीं देता। उन्होंने आरोप लगाया कि नोटबंदी ने देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया और किसान, मजदूर, मध्यम वर्ग, पेशेवर लोग, नौकरीपेशा कर्मचारी तथा छोटे दुकानदार और व्यापारी सभी इसके शिकार हुए। उन्होंने कहा कि नोटबंदी का असर धीमे जहर की तरह रहा, जिससे छोटे कारोबारियों और आम लोगों को लंबे समय तक परेशानियां झेलनी पड़ीं। अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि नोटबंदी भाजपा की वोटबंदी का कारण बनी थी।

अखिलेश यादव ने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में करीब 26 हजार स्कूल बंद किए गए हैं और प्रत्येक स्कूल में लगभग तीन नौकरियां भी खत्म हुई हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार निवेश और रोजगार के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि कितने निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरे और कितने युवाओं को वास्तव में रोजगार मिला। प्रदेश के मंत्री विदेश यात्राएं करते रहे, लेकिन निवेश जमीन पर दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि आखिर निवेश के नाम पर किए गए वादों का लाभ प्रदेश के युवाओं को कब मिलेगा।

किसानों की समस्याओं का जिक्र करते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में किसानों को समय पर खाद तक नहीं मिल पा रही है। किसान अपनी फसलों और खेती की जरूरतों को लेकर परेशान हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं का समाधान करने में विफल है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए गोरखपुर में एमएलसी चुनाव को लेकर भी आरोप लगाए और कहा कि मुख्यमंत्री ने वहां बेईमानी से चुनाव जीता, लेकिन काशी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

एनएचएम संविदा कर्मचारियों को बड़ी राहत, हर तीसरे साल हो सकेगा जिले के बाहर तबादला

यूथ इंडिया, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत संविदा कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर है। लंबे समय से स्थानांतरण नीति लागू करने की मांग कर रहे कर्मचारियों को आखिरकार बड़ी राहत मिली है। प्रदेश में एनएचएम संविदा कर्मचारियों के लिए स्थानांतरण नीति लागू कर दी गई है। अब कर्मचारी एक जिले से दूसरे जिले में भी तबादला करा सकेंगे। नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक संविदा कर्मचारी को हर तीसरे साल स्थानांतरण का अवसर मिलेगा। इससे लंबे समय से एक ही जिले में तैनात कर्मचारियों को अपनी सुविधानुसार दूसरे जिले में जाने का मौका मिल सकेगा।

एनएचएम कर्मचारियों की ओर से स्थानांतरण नीति लागू करने की मांग काफी समय से उठाई जा रही थी। इसको लेकर कर्मचारियों ने कई बार धरना-प्रदर्शन भी किया था। कर्मचारियों का कहना था कि स्पष्ट स्थानांतरण नीति नहीं होने के कारण उन्हें एक जिले में लंबे समय तक काम करना पड़ता है और तबादलों को लेकर मनमानी की शिकायतें भी सामने आती हैं। कर्मचारियों की मांग को देखते हुए मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने नई स्थानांतरण नीति लागू कर दी है।

नई नीति लागू होने के बाद अब संविदा कर्मचारियों के तबादले निर्धारित नियमों और प्रक्रिया के तहत किए जा सकेंगे। संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ के महामंत्री योगेश कुमार उपाध्याय ने कहा कि नई व्यवस्था से तबादलों में मनमानी पर रोक लगेगी। कर्मचारियों को नीति के अनुसार आवेदन करना होगा और निर्धारित समय सीमा के भीतर स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इससे कर्मचारियों को अपनी पारिवारिक और व्यक्तिगत परिस्थितियों के अनुसार कार्यस्थल बदलने में सुविधा मिलेगी।

स्थानांतरण नीति के साथ ही एनएचएम संविदा कर्मचारियों के हित में कई अन्य महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी तैयार किए गए हैं। इनमें कर्मचारियों को ग्रेच्युटी का लाभ देने, कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) की सुविधा उपलब्ध कराने और पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा देने का प्रस्ताव शामिल है। इन प्रस्तावों को शासन के पास भेजा जाएगा। शासन की मंजूरी मिलने के बाद कर्मचारियों को इन सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

इसके अलावा नियमित सरकारी नियुक्तियों में एनएचएम संविदा कर्मचारियों को वरीयता देने का प्रस्ताव भी भेजा गया है। इसके तहत सरकारी भर्तियों में संविदा कर्मचारियों को अधिकतम 15 अंक तक भारांक देने और अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट देने की बात कही गई है।

टिकट के नाम पर रूपये मांगने के आरोपों से कांग्रेस में मची हलचल, 2027 चुनाव से पहले बढ़ीं मुश्किलें

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। समाजवादी पार्टी के साथ सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत और अधिक सीटें हासिल करने की रणनीति के बीच पार्टी के अंदर टिकट को लेकर विवाद सामने आ गया है। प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के करीबियों पर टिकट दिलाने के नाम पर रुपये मांगने के आरोप लगाए गए हैं। सोशल मीडिया पर एक पत्र वायरल होने के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। हालांकि प्रदेश प्रभारी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

दरअसल, कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन के तहत अधिक सीटें हासिल करने की तैयारी में जुटी है। इसी क्रम में पार्टी की ओर से करीब 200 विधानसभा सीटों की सूची सपा को सौंपे जाने की चर्चा है। कांग्रेस इन सीटों पर अपनी राजनीतिक स्थिति और संगठन की मजबूती के आधार पर दावेदारी पेश करने की रणनीति बना रही है। इसी बीच सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक पत्र ने पार्टी की अंदरूनी राजनीति को चर्चा में ला दिया। पत्र में प्रदेश प्रभारी के दो करीबी लोगों पर विधानसभा चुनाव का टिकट दिलाने के नाम पर रुपये मांगने के आरोप लगाए गए हैं।

मामले को लेकर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने सफाई देते हुए आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों पर टिकट के नाम पर पैसे मांगने का आरोप लगाया जा रहा है, उनके खिलाफ आरोप लगाने वाले लोग एफआईआर दर्ज कराएं, जिससे पुलिस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर सके और सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने दावा किया कि जिस यूपीआई नंबर के माध्यम से रुपये लेने की बात कही जा रही है, वह फर्जी है। ऐसे मामलों में बिना जांच के किसी पर आरोप लगाना उचित नहीं है।

छठ पूजा पर यूपी के एक्सप्रेसवे पर विशेष इंतजाम, अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां निरस्त



यूथ इंडिया, लखनऊ

छठ पूजा के अवसर पर उत्तर प्रदेश के एक्सप्रेसवे पर वाहनों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए योगी सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए विशेष तैयारियां की हैं। त्योहार के दौरान एक्सप्रेसवे पर यातायात का दबाव बढ़ने की संभावना को देखते हुए उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने अतिरिक्त संसाधनों के साथ सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए हैं।

यूपीडा की ओर से सभी संबंधित एक्सप्रेसवे पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी आपात स्थिति में यात्रियों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए। इसके लिए अतिरिक्त संसाधनों के साथ व्यवस्थाओं का संचालन किया जा रहा है, ताकि त्योहार के दौरान लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

छठ पूजा के दौरान सड़क सुरक्षा और यातायात प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश निरस्त कर दिए गए हैं। पूरा स्टाफ यात्रियों की सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए मुस्तैद रहेगा। यूपीडा की ओर से यातायात की स्थिति पर लगातार नजर रखने और जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। प्राधिकरण ने वाहन चालकों से अपील की है कि त्योहार के दौरान एक्सप्रेसवे पर वाहनों की संख्या बढ़ने से कुछ स्थानों पर प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है। ऐसे में जल्दबाजी करने से बचें और धैर्य बनाए रखें। वाहन चलाते समय निर्धारित गति सीमा का पालन करें तथा यातायात नियमों की अनदेखी न करें।

यात्रियों से व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की भी अपील की गई है। यूपीडा का कहना है कि त्योहार के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सभी संबंधित व्यवस्थाओं को पूरी क्षमता से संचालित किया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि छठ पूजा पर अपने घरों और परिवारों तक पहुंचने वाले लोगों का सफर सुरक्षित और सुविधाजनक रहे तथा त्योहार की खुशियां किसी दुर्घटना या अव्यवस्था के कारण प्रभावित न हों।

छठ महापर्व की तैयारियों पर मंत्री एके शर्मा सख्त, पिकनिक स्पॉट से लक्ष्मण मेला पार्क और कुड़ियाघाट तक परखी व्यवस्था

यूथ इंडिया, लखनऊ



छठ महापर्व को लेकर राजधानी में तैयारियां तेज हो गई हैं। श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सोमवार और मंगलवार को शहर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि छठ पर्व से पहले सभी तैयारियां हर हाल में पूरी कर ली जाएं। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता के इंतजामों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार भी मौजूद रहे।

मंत्री एके शर्मा ने सोमवार को सबसे पहले कल्याणपुर स्थित पिकनिक स्पॉट घाट पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने घाट परिसर में साफ-सफाई, आवागमन के रास्तों और श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं की स्थिति देखी। इसके बाद वह लक्ष्मण मेला पार्क स्थित छठ घाट पहुंचे और वहां की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल और नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।

मंत्री ने कुड़ियाघाट पहुंचकर छठ महापर्व की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने घाट पर उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व आस्था, विश्वास और भारतीय सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचकर सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी है कि सभी घाटों पर सुरक्षित और व्यवस्थित माहौल उपलब्ध कराया जाए।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि घाटों तक आने-जाने वाले रास्तों को सुगम बनाया जाए और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम समय रहते पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के साथ ही पर्याप्त रोशनी और पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही संबंधित विभागों को आपसी समन्वय बनाकर काम करने के निर्देश दिए, जिससे तैयारियों में किसी प्रकार की कमी न रह जाए।

एके शर्मा ने कहा कि छठ महापर्व श्रद्धा और आस्था का बड़ा पर्व है। इस दौरान व्रती महिलाएं और पुरुष कठिन नियमों का पालन करते हुए सूर्यदेव की उपासना करते हैं। इसलिए श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निरीक्षण के दौरान सामने आने वाली कमियों को तत्काल दूर किया जाए और पर्व से पहले सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली जाएं। निरीक्षण के दौरान महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने भी घाटों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

डग्गामार बसों को संरक्षण देने के आरोप में नौ पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजधानी में डग्गामार बसों के अवैध संचालन पर प्रभावी कार्रवाई न करने और उनके संचालकों को कथित रूप से संरक्षण देने के आरोप में नौ पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है। यह कार्रवाई एसीपी विभूतिखंड की जांच रिपोर्ट के आधार पर संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध अपर्णा कुमार ने मंगलवार को की। कार्रवाई की जद में पॉलीटेक्निक चौकी प्रभारी के साथ यातायात पुलिस के कर्मचारी भी आए हैं। जांच में पुलिसकर्मियों पर ड्यूटी में लापरवाही बरतने और अवैध बसों के संचालन को नजरअंदाज करने के आरोप सामने आए हैं।

पुलिस की जांच में सामने आया कि लाइन हाजिर किए गए सभी पुलिसकर्मियों को अपने-अपने क्षेत्र में डग्गामार बसों के संचालन की जानकारी थी। इसके बावजूद किसी ने भी इन वाहनों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की। जांच के दौरान पुलिसकर्मियों से उनके बयान भी दर्ज कराए गए, लेकिन वे डग्गामार वाहनों के संचालन को रोकने के संबंध में कोई ठोस जवाब नहीं दे सके। इसके बाद डीसीपी पूर्व के निर्देश पर एसीपी विभूतिखंड ने मामले की जांच पूरी कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी। रिपोर्ट के आधार पर नौ पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर करने का निर्णय लिया गया।

कार्रवाई के तहत पॉलीटेक्निक चौकी प्रभारी मनोज कुमार, टीएसआई धर्मवीर सिंह और धीरेंद्र बहादुर सिंह, कमता चौकी पर तैनात हेड कांस्टेबल गजेंद्र कुमार सिंह, टेढ़ी पुलिस चौकी के कांस्टेबल कुलदीप कुमार, पॉलीटेक्निक चौकी के कांस्टेबल ऋषभ सिंह तथा यातायात पुलिस के कांस्टेबल अनुज शुक्ला, रुद्र प्रताप सिंह और पुनीत सिंह को लाइन हाजिर किया गया है।

जांच में केवल पुलिसकर्मियों की लापरवाही ही नहीं, बल्कि परिवहन विभाग के कुछ कर्मचारियों की संलिप्तता के संकेत भी मिले हैं। माना जा रहा है कि जांच के आधार पर परिवहन विभाग अपने कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्रवाई कर सकता है। वहीं, एक होमगार्ड के खिलाफ कार्रवाई के लिए एसीपी ने संबंधित विभाग को पत्र भेजा है। बताया गया है कि संबंधित होमगार्ड यातायात निरीक्षक की गाड़ी चलाता है।

शहर में डग्गामार वाहनों का संचालन लंबे समय से यातायात व्यवस्था और सरकारी राजस्व के लिए चुनौती बना हुआ है। शहर के अलग-अलग इलाकों में इनका नेटवर्क फैला है। पॉलीटेक्निक चौराहा, कमता, तेलीबाग, अवध चौराहा, टेढ़ी पुलिया, सीतापुर रोड, अहिमामऊ चौराहा और हरदोई रोड समेत कई स्थानों से अवैध रूप से बसों और अन्य वाहनों का संचालन किया जा रहा था।

चोरी के आरोप और कथित पुलिस प्रताड़ना से परेशान निजी चालक की मौत, दो डांसर गिरफ्तार

यूथ इंडिया, लखनऊ

ठाकुरगंज के लालाबाग निवासी निजी चालक देशराज लोधी (38) की रविवार देर रात भूहर इलाके में ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना से पहले उन्होंने छह वीडियो बनाकर परिजनों को भेजे थे। इन वीडियो में उन्होंने दो डांसरों और कुछ पुलिसकर्मियों पर प्रताड़ित करने और धमकाने के आरोप लगाए थे। मामले में मृतक के भाई छेदीलाल की तहरीर पर ठाकुरगंज पुलिस ने पारा के हरदेईया निवासी डांसर नेहा और सपना के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और धमकी देने की एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

देशराज के भाई गुड्डू के मुताबिक, उनका भाई पिछले दो वर्षों से नेहा और सपना को गाड़ी से लाने और छोड़ने का काम करता था। आरोप है कि दो दिन पहले दोनों डांसरों ने देशराज पर 12 लाख रुपये चोरी करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की थी। इसके बाद पुलिसकर्मी उन्हें पहले भूहर चौकी और फिर पारा की शाहदरा चौकी ले गए थे।

परिजनों का आरोप है कि वहां पुलिसकर्मियों ने देशराज के साथ अभद्रता की और उन्हें एनकाउंटर करने की धमकी दी। इस घटना के बाद से वह काफी परेशान और भयभीत थे। परिजनों के अनुसार, देशराज रविवार दोपहर करीब एक बजे घर से निकले थे। शाम करीब पांच बजे उन्होंने अपनी पत्नी को तीन वीडियो भेजे। इन वीडियो में उन्होंने अपनी परेशानी बयां करते हुए कथित पुलिस प्रताड़ना का भी जिक्र किया था। उन्होंने यह भी बताया था कि उनका मोबाइल स्कूटी की डिक्की में रखा है। वीडियो में उन्होंने कहा था कि अब वह इस तरह की प्रताड़ना नहीं झेल सकते। इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चला।

वृद्धाश्रम पहुंचे महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार, बुजुर्गों के साथ बांटी खुशियां

यूथ इंडिया, लखनऊ



दीपावली के पावन पर्व पर सामाजिक सरोकार और मानवीय संवेदनाओं की मिसाल पेश करते हुए लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार रविवार को आदिल नगर स्थित वृद्धाश्रम पहुंचे। यहां उन्होंने बुजुर्गों के साथ दीपावली का त्योहार मनाया और उनके बीच खुशियां साझा कीं। महापौर और नगर आयुक्त ने वरिष्ठजनों को फल एवं मिठाइयां खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं तथा उनका हालचाल जाना।

इस दौरान वृद्धाश्रम में आत्मीयता और उत्साह का माहौल देखने को मिला। महापौर और नगर आयुक्त ने बुजुर्गों से बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। त्योहार के अवसर पर अधिकारियों को अपने बीच पाकर वरिष्ठजनों में प्रसन्नता दिखाई दी। उन्होंने बुजुर्गों के साथ समय बिताया और उनके अनुभवों एवं विचारों को सुना। इस अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि वरिष्ठजन हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव, स्नेह और आशीर्वाद से जीवन को नई दिशा मिलती है। बुजुर्गों का सम्मान करना और उनके सुख-दुख में सहभागी बनना प्रत्येक व्यक्ति की नैतिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दीपावली खुशियों, प्रेम और आपसी सद्भाव का त्योहार है। ऐसे पावन अवसर पर बुजुर्गों के बीच पहुंचकर उनके साथ खुशियां बांटना और उनका आशीर्वाद प्राप्त करना आत्मीय संतोष का विषय है। वरिष्ठजनों का स्नेह और आशीर्वाद जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। महापौर ने वृद्धाश्रम में रह रहे सभी बुजुर्गों के उत्तम स्वास्थ्य और सुखमय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि समाज को अपने वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए और उन्हें सम्मान, सहयोग तथा अपनापन देना चाहिए।

गुजरात से आने वाले कैश कैरियरों को निशाना बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश

यूथ इंडिया, लखनऊ

मास्टरमाइंड सहित छह गिरफ्तार

गुजरात से मसाला और कृषि उत्पादों का कारोबार करने वाले व्यापारियों के कैश कैरियरों को निशाना बनाकर लूटपाट करने वाले गिरोह का उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने पर्दाफाश किया है। एसटीएफ ने गिरोह के मास्टरमाइंड दिनेश चंद्र यादव उर्फ छोटू समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लूट के 48 लाख 45 हजार रुपये नकद, एक अवैध पिस्टल, दो कारतूस, वारदात में इस्तेमाल बलेनो कार और रेकी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली बाइक बरामद हुई है। गिरोह के सदस्य पहले कैश कैरियरों की गतिविधियों पर नजर रखते थे और फिर सुनसान रास्तों पर उन्हें निशाना बनाकर नकदी लूट लेते थे।

एसटीएफ के एएसपी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी गुजरात से लखनऊ आने वाले व्यापारियों के कैश कैरियरों को निशाना बनाते थे। गिरोह के सदस्य पहले से ही कैश कैरियरों की आवाजाही, उनके वाहनों और नकदी के बारे में जानकारी जुटा लेते थे। इसके बाद मौका देखकर वारदात को अंजाम देते थे। गिरोह की योजना के तहत कैश कैरियर को रास्ते में घेरकर नकदी से भरा बैग लूट लिया जाता था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी वारदात के दौरान बलेनो कार का इस्तेमाल करते थे। सुनसान स्थान पर कैश कैरियर की स्कूटी में कार से टक्कर मारकर उसे गिरा देते थे। इसके बाद लोहे की रॉड और डंडों से हमला कर नकदी से भरा बैग छीन लेते थे। गिरोह का सरगना दिनेश चंद्र यादव उर्फ छोटू पिस्टल से गोली मारने की धमकी देकर पीड़ितों को डराता था। इस तरह आरोपी पहले से तैयार योजना के तहत लूट की घटनाओं को अंजाम देते थे।

एसटीएफ को गिरोह की गतिविधियों की जानकारी मिलने के बाद उसकी तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में आठ नवंबर की रात गोमतीनगर क्षेत्र में सहारा पुल के नीचे से छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिनेश चंद्र यादव उर्फ छोटू, सौरभ यादव, अमन उर्फ रमन यादव, सौरभ दीक्षित, मोहित कनौजिया और ज्ञान सिंह के रूप में हुई है। एसटीएफ के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में ज्ञान सिंह बिहार के बेगूसराय का रहने वाला है, जबकि अन्य पांच आरोपी लखनऊ के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 48.45 लाख रुपये नकद के अलावा एक अवैध पिस्टल, दो कारतूस, वारदात में इस्तेमाल बलेनो कार और रेकी में इस्तेमाल होने वाली बाइक बरामद की है।

एनएसयूआई नेता छात्राओं को एनआरआई पुरुषों के पास भेजने के आरोपों में घिरा, अभाविप की एनआईए से जांच कराने की मांग

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज के एनएसयूआई उपाध्यक्ष अनस खान पर छात्राओं को पैसे और अन्य सुविधाओं का प्रलोभन देकर एनआरआई पुरुषों के साथ भेजने से संबंधित कथित संदेश सामने आने के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच कराने की मांग की है। अभाविप का आरोप है कि एनआरआई प्रायोजित कार्यक्रम के नाम पर छात्राओं से संपर्क स्थापित किया जा रहा था और उनकी शारीरिक बनावट के आधार पर चयन की बातें भी संदेशों में सामने आई हैं। इस मामले में कॉलेज प्रशासन अनस खान को निलंबित कर चुका है।

अभाविप ने कहा कि छात्राओं को आर्थिक प्रलोभन देकर इस तरह की गतिविधियों में शामिल करने का मामला संभावित मानव तस्करी और देह व्यापार जैसे संगठित अपराधों से जुड़े नेटवर्क की आशंका पैदा करता है। संगठन ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की व्यापक जांच कराई जाए, ताकि एनआरआई संपर्कों, आर्थिक लेन-देन और संभावित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की भूमिका का पता लगाया जा सके।

अभाविप ने यह भी दावा किया कि पिछले माह एनएसयूआई से जुड़े व्यक्तियों द्वारा एक कार्यक्रम के लिए लड़कों को ले जाने से संबंधित इसी तरह की चैट सामने आई थी। संगठन ने लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या एनएसयूआई के कार्यक्रमों के पीछे



आर्थिक प्रलोभन और संदिग्ध नेटवर्क काम कर रहे हैं। अभाविप ने वर्ष 2018 में एनएसयूआई के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष फिरोज खान पर संगठन की एक महिला पदाधिकारी की ओर से लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों का भी उल्लेख किया। अभाविप ने इन घटनाओं को कांग्रेस और उसके छात्र संगठन के महिला सुरक्षा संबंधी दावों से जोड़कर सवाल उठाए। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि महिला अधिकारों और समानता की बात करने वाली कांग्रेस को अपने छात्र संगठन में महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में एनएसयूआई की ओर से संबंधित पदाधिकारी को हटाए जाने के दावे के साथ पूर्व दिनांकित पत्र जारी किया गया है, जबकि संबंधित व्यक्ति के सोशल मीडिया स्टेटस में व्यक्तिगत कारणों से स्वयं इस्तीफा देने की बात कही गई है।

सोलंकी ने कहा कि पदाधिकारी को हटाए जाने और उसके स्वयं इस्तीफा देने के दावों में विरोधाभास है। उन्होंने कांग्रेस से इस मामले में जवाबदेही तय करने की मांग की। अभाविप ने कहा कि पूरे प्रकरण की एनआईए से जांच कराई जानी चाहिए, ताकि संभावित मानव तस्करी, देह व्यापार और एनआरआई नेटवर्क से जुड़े सभी पहलुओं की जांच हो सके तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

सार संक्षेप

दिल्ली के नांगली विहार में दर्दनाक हादसा, 4 साल का बच्चा खुले सीवर में गिरा

पश्चिमी दिल्ली। रणहौला थाना क्षेत्र में शाम एक चार साल का बच्चा खुले सीवर में गिर गया। हादसा खेड़ी बाबा पुल के पास गंदा नाला के किनारे सर्विस रोड पर हुआ। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, दमकल विभाग और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं। बच्चे को सीवर से बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि, अभी तक बच्चे का कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस के अनुसार, चार वर्षीय बच्चा अपनी मां के साथ मोहन गार्डन स्थित सोम बाजार वाली गली से दास गार्डन पार्क आया था। इसी दौरान बच्चा शौच के लिए नाले की तरफ जाने लगा। वहां सर्विस रोड के किनारे बने सीवर के मैनहोल में वह गिर गया। घटना की सूचना मंगलवार दोपहर करीब 3:21 बजे रणहौला थाने को मिली। पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 106(1) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। दमकल विभाग और एनडीआरएफ की टीमें सीवर में बच्चे की तलाश कर रही हैं। उसे सुरक्षित बाहर निकालने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

गुरुग्राम में पटाखे विवाद में नाबालिग ने पत्थर फेंका, युवक की मौत, आरोपी गिरफ्तार



गुरुग्राम। मनोहर नगर में 29 वर्षीय मिथुन कुमार की पत्थर लगने से हुई मौत के मामले में न्यू कॉलोनी थाना पुलिस ने नाबालिग आरोपी को पकड़ लिया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि पटाखे फोड़ने को लेकर मृतक और नाबालिग के बीच कहासुनी हुई थी। इसके बाद गुस्से में नाबालिग ने चौथी मंजिल से मिथुन पर पत्थर फेंक दिया, जो उसके सिर में लगा। गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, घटना आठ नवंबर की रात करीब 11 बजे मनोहर नगर की गली नंबर सात में हुई थी। अर्जुन नगर निवासी शिकायतकर्ता ने बताया कि उसका भाई मिथुन कुमार रात करीब 9:30 बजे एक परिचित से मिलने गया था। रात करीब 11 बजे सूचना मिली कि उसके सिर में पत्थर लगने से गंभीर चोट आई है। स्वजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्वजन ने घटनास्थल पर जानकारी जुटाई तो पता चला कि गली में स्थित चार मंजिला मकान की छत से किसी ने पत्थर फेंका था, जो मिथुन के सिर पर लगा था। इसके बाद न्यू कॉलोनी थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि वह मकान की चौथी मंजिल पर पटाखे फोड़ रहा था, जबकि मिथुन नीचे गली में पटाखे जला रहा था। इसी दौरान दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद उसने ऊपर से पत्थर फेंक दिया। पुलिस ने मंगलवार को मनोहर नगर से नाबालिग को पकड़ लिया। मामले में आगे की जांच जारी है।

दिल्ली : कालिंदी कुंज के पास यमुना नदी में 29 वर्षीय युवक ने लगाई छलांग, तलाश जारी



दक्षिणी दिल्ली। कालिंदी कुंज के पास यमुना नदी में 29 वर्षीय युवक के छलांग लगाने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने के बाद से ही बचाव दल युवक की तलाश में जुटे हैं। अभी फिलहाल तलाश युवक का पता नहीं चल सका है। दक्षिण-पूर्वी जिले के उप मंडलीय वार्डन राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि सूचना मिलते ही संबंधित एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया था। बचाव दल लगातार यमुना में युवक की तलाश कर रहे हैं। युवक की पहचान रंजीत के रूप में हुई है। उनके भाई से संपर्क किया गया है। युवक का पता चलने तक तलाश अभियान जारी रहेगा।

प्रदूषण शिकायतों के निस्तारण में नोएडा प्राधिकरण की बड़ी लापरवाही उजागर

नोएडा। एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच शहर को स्वच्छ व सांस लेने योग्य बनाने का दावा करने वाले स्थानीय प्रशासनिक तंत्र की बड़ी लापरवाही सामने आई है। इंटरनेट मीडिया और जनशिकायत माध्यमों पर दर्ज मामलों के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, प्रदूषण संबंधी शिकायतों का समय पर समाधान करने के मामले में नोएडा प्राधिकरण पूरे एनसीआर में सबसे निचले पायदान पर रहा है।

लंबित शिकायत के मामले में प्रथम स्थान पर नोएडा

शिकायतों को लंबित रखने के मामले में संख्या और प्रतिशत, दोनों के लिहाज से नोएडा प्राधिकरण एनसीआर में पहले स्थान पर है। सेंट्रल पाल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (40433000) की ओर से जारी आंकड़ों में यह स्थिति सामने आई



है। एक जनवरी 2025 से पांच अक्टूबर 2026 तक नोएडा शहर से संबंधित विभिन्न विभागों को प्रदूषण से जुड़ी सैकड़ों शिकायतें भेजी गईं। इनमें सबसे खराब स्थिति नोएडा प्राधिकरण की रही। प्राधिकरण को शहरवासियों की ओर से 1,014 शिकायतें मिलीं, जिनमें से विभाग महज 394 का ही निस्तारण कर सका। इसकी समाधान दर मात्र 39 प्रतिशत रही। शेष 620 शिकायतें अब भी प्राधिकरण के कार्यालयों में लंबित हैं। 61 प्रतिशत शिकायतें लंबित रहने के साथ नोएडा प्राधिकरण एनसीआर में सबसे अधिक शिकायतें लंबित रखने वाला विभाग बन गया है।

सवालों के घेरे में नोएडा की कार्यशैली

इसी क्रम में शहर में पर्यावरण नियमों की निगरानी करने वाले उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) के क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा की कार्यशैली भी सवालों के घेरे में है। क्षेत्रीय कार्यालय को मिली 41 शिकायतों में से केवल 20 का ही निस्तारण हुआ, जबकि 21 शिकायतें यानी 51 प्रतिशत मामले अब भी लंबित हैं। इसके अलावा, नोएडा ट्रैफिक पुलिस को वाहनों से निकलने वाले धुएं और जाम से जुड़े प्रदूषण को लेकर सात शिकायतें मिलीं। इनमें से विभाग ने पांच का निस्तारण किया, जबकि दो मामले यानी 29 प्रतिशत शिकायतें लंबित रहीं। वहीं, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 398 शिकायतों में से 354 का निस्तारण कर 89 प्रतिशत समाधान दर के साथ बेहतर प्रदर्शन किया।

शाहदरा डीसीपी ऑफिस का बदला पता, भोलानाथ नगर से थाने में हुआ शिफ्ट

पूर्वी दिल्ली। शाहदरा थाने में 24 अक्टूबर को वकील और पुलिसकर्मियों के बीच विवाद हुआ था। जिसके बाद गांधी नगर के एसीपी मनस्वी वशिष्ठ ने पुलिस मुख्यालय पर प्रदर्शन किया था। वकीलों ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। जिसके बाद एसीपी को नौकरी से निलंबित कर दिया था।

उसी थाने में दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार पहुंचे। वजह विवाद नहीं थी। शाहदरा थाने से ही अब शाहदरा डीसीपी कार्यालय चलेगा। पुलिस आयुक्त ने नए डीसीपी आफिस का उद्घाटन किया।

भोलेनाथ नगर में चलता था डीसीपी कार्यालय

शाहदरा का डीसीपी कार्यालय भोलानाथ नगर क्षेत्र में चलता था। दिल्ली पुलिस हाउसिंग कापोरेंशन लिमिटेड ने डीसीपी आफिस के भवन को जर्जर घोषित कर दिया था। जिसके बाद डीसीपी ऑफिस को भोलानाथ नगर से शाहदरा थाने की पहली मंजिल पर स्थानांतरित किया गया है। शाहदरा थाने की तीन मंजिला बिल्डिंग में डीसीपी, एसीपी कार्यालय और साइबर थाना चलेगा। फरियादियों को डीसीपी से मिलने के लिए दूसरी जगह चक्कर काटने नहीं पड़ेंगे।

पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने कहा कि नया भवन बनने तक शाहदरा थाने में डीसीपी कार्यालय चलेगा। उन्होंने पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। इस मौके पर स्पेशल सीपी जोन-एक देवेश चंद्र श्रीवास्तव, डीपीसी आरपी मीणा, राजीव रावल, राहुल अलवाल, अतिरिक्त उपायुक्त गीतांजलि खंडेलवाल समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

भाई दूज पर गाजियाबाद को जाम से बचाने के लिए तैनात रहेंगे अतिरिक्त पुलिसकर्मी

गाजियाबाद। भाई दूज पर बुधवार को बहनों के घर जाने और भाइयों के तिलक कराने के लिए बड़ी संख्या में लोगों के सड़कों पर निकलने की संभावना है। ऐसे में शहर और प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ने के साथ जाम की समस्या भी हो सकती है। इससे निपटने के लिए यातायात पुलिस ने विशेष व्यवस्था की है। जिले में 73 स्थानों पर यातायातकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इन स्थानों पर अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात रहकर यातायात व्यवस्था संभालेंगे।

एनएच-9 और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के प्रवेश पर नजर

यातायात पुलिस की ओर से एनएच-9 और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के प्रवेश व निकास प्वाइंट पर विशेष निगरानी रखी



जाएगी।

इसके अलावा मेरठ रोड, जीटी रोड और हापुड़ रोड पर भी अतिरिक्त यातायातकर्मियों की तैनाती की जाएगी। त्योहार के दौरान इन मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ने के आसार हैं। ऐसे में चौराहों और प्रमुख कट पर पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे, जिससे वाहनों का आवागमन सुचारु रखा जा सके। भाई दूज के चलते बाजारों और धार्मिक स्थलों के आसपास भी भीड़ बढ़ने की संभावना है।

डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन का कहना है कि यातायात पुलिस का प्रयास रहेगा कि मुख्य मार्गों पर वाहनों की कतार न लगे और लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। विशेष ड्यूटी बृहस्पतिवार के बाद समाप्त कर दी जाएगी।

नोएडा में हाफ एनकाउंटर: हत्यारोपी आफताब पुलिस मुठभेड़ में घायल, पहले से दर्ज हैं तीन केस



नोएडा : थाना फेस-1 पुलिस ने हत्या के एक वांछित अभियुक्त आफताब उर्फ तुस्सी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। बुधवार को स्थानीय सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने उसे सेक्टर-3 नोएडा के एक पार्क में घेर लिया। आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। पुलिस को जानकारी मिली थी कि आफताब पार्क में मौजूद है और वहां से भागने की कोशिश में था। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को पार्क के बाहर उसकी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल मिली। पार्क के अंदर तलाश के दौरान आफताब और उसके साथी पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने उन्हें घेरने का प्रयास किया तो आफताब ने जान से मारने की नियत से पुलिस टीम पर फायर किया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आफताब के पैर में गोली लगी। उसे तुरंत उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा .315 बोर, एक जिंदा कारतूस .315 बोर और एक खोखा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ पुलिस में पहले से मामले दर्ज हैं। एक विवाद में अमित नाम के व्यक्ति के सिर में गंभीर चोट लगी थी, जिससे उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। शिवम नाम का एक अन्य व्यक्ति भी घायल हुआ था, जिसका उपचार चल रहा है।

नोएडा में पुलिस और हत्यारोपी के बीच मुठभेड़ हुई। इस कार्रवाई के दौरान वांछित अभियुक्त आफताब गोली लगने से घायल हो गया।

अभियुक्त का आपराधिक रिकॉर्ड

आफताब उर्फ तुस्सी रियाजुद्दीन का पुत्र है और नया बांस, सेक्टर-15, थाना फेस-1, नोएडा का निवासी है। जानकारी के अनुसार, उसके विरुद्ध पूर्व से तीन अन्य मामले भी पंजीकृत हैं। पुलिस इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

जनपथ में एक्यूआई 451, प्रदूषण तो घटा था लेकिन एनसीआर में भी बुरा हाल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार देखा गया। वायु गुणवत्ता सूचकांक 344 से घटकर 299 पर पहुंच गया। हालांकि, प्रदूषण का स्तर अभी भी 'बहुत खराब' श्रेणी में बना हुआ है। बुधवार सुबह दिल्ली से एनसीआर तक के कई इलाकों में एक्यूआई 300 से 500 के करीब दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, बुधवार को दिल्ली में इंडिया गेट के आसपास वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 242 है, जो 'खराब' श्रेणी में है। वहीं, आनंद विहार में एक्यूआई 303 दर्ज किया गया है, जिसे 'बहुत खराब' श्रेणी में रखा गया है।

100 सबसे प्रदूषित शहरों में 91 भारत के, दिल्ली-एनसीआर की हवा में मामूली सुधार

भारत में प्रदूषण की स्थिति दिन पर दिन खराब होती जा रही है। हाल यह है कि दुनिया के 100 सबसे प्रदूषित शहरों में भारत के 91 शहर हैं। वास्तविक समय में हवा की गुणवत्ता और वायु प्रदूषण के स्तर की जानकारी देने वाली वेबसाइट एक्यूआई डॉट इन के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार शाम 7 बजे पंजाब का फरीदकोट दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 605 दर्ज किया गया। इस सूची में पाकिस्तान के तीन और चीन के 6

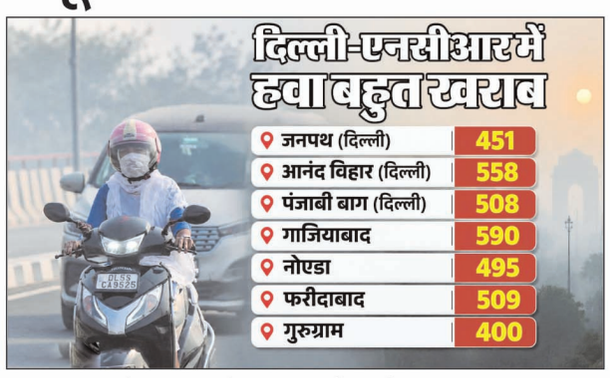

शहर शामिल थे। दिवाली के बाद दिल्ली-एनसीआर में ही हवा की सेहत में सुधार देखने को मिला है, हालांकि अभी भी यह खराब श्रेणी में ही बना हुआ है। दिवाली के दिन और उसके बाद दिल्ली का एक्यूआई 350 के पार दर्ज किया गया था। वहीं, मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी का औसत एक्यूआई 300 से नीचे दर्ज किया गया और 59 में से किसी भी निगरानी केंद्र में यह 400 के पार नहीं था, जबकि दिवाली पर 20 से ज्यादा जगह एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया था।

25 घंटे में दिल्ली की हवा से 61 फीसदी घटा पीएम 2.5

दिवाली के बाद दिल्ली की हवा में प्रदूषण का स्तर तेजी से घटा है। महज 25 घंटे के अंतराल में हवा में मौजूद बेहद महीन प्रदूषक कण पीएम 2.5 की सांद्रता में करीब 61 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, पीएम 10 का स्तर भी करीब 43 फीसदी नीचे आया। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के पोर्टल पर उपलब्ध प्रति घंटे के अवलोकन के मुताबिक, 9 नवंबर की रात 12 बजे पीएम 2.5 का स्तर 671.10 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर था, जो 10 नवंबर की रात एक बजे घटकर 261.81 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर रह गया।

इसी दौरान पीएम 10 का स्तर भी 659.31 से घटकर 378.58 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर पर पहुंच गया यानी 25 घंटे में पीएम 10 की सांद्रता में 280.73 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर की कमी आई। आंकड़े बताते हैं कि दोनों प्रमुख प्रदूषकों के स्तर में गिरावट आई है। हालांकि, कमी के बावजूद पीएम 2.5 और पीएम 10 की सांद्रता अभी भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई थी।

एक पैर रेलिंग पर और हाथ में सिगरेट... 6ठी मंजिल से गिरकर युवक की दर्दनाक मौत, 8 दिन पहले बना था पिता

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन में देर रात फ्लैट की बालकनी पर खड़ा युवक छठी मंजिल से नीचे आ गिरा। आसपास मौजूद लोगों ने युवक को अस्पताल में पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि युवक नशे की हालत में संतुलन बिगड़ने से नीचे गिरा है। मंगलवार को युवक के शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

अमरोहा का रहने वाला था युवक: पुलिस के मुताबिक राजनगर एक्सटेंशन स्थित ओरा काइमेरा सोसायटी निवासी 32 वर्षीय अंकित चौहान मूल रूप से अमरोहा के नौगांव सादात थानाक्षेत्र के गांव सादपुर निवासी थे। अंकित चौहान प्राइवेट बैंक में नौकरी करते थे। कुछ दिन पूर्व उनकी नौकरी छूट गई थी। उनके आंगन में आठ दिन पूर्व ही बेटे की किलकारी गूंजी थी।



देर रात करीब 11 बजे वह फ्लैट की बालकनी पर खड़े थे। एक पैर उन्होंने रेलिंग पर रखा हुआ था।

अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह नीचे आ गिरे। स्वजन और सोसायटी के लोग उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर गए जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद के मुताबिक शुरूआती जांच में सामने आया है कि घटना के समय अंकित नशे में थे। वह रेलिंग पर खड़े होकर सिगरेट पी रहे थे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह छठी मंजिल से नीचे आ गिरे। उन्हें संजय नगर स्थित यशोदा अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दिवाली पर दिल्लीवाले गटक गए 589 करोड़ की शराब, बिक्री में 13.5% का भारी उछाल; टूटा पुराना रिकॉर्ड



नई दिल्ली। दीपावली पर रोशनी से संबंधित आइटम, मिठाइयों की खरीदारी के साथ दिल्ली में शराब की बिक्री भी खूब बढ़ी। त्योहार से पहले शराब की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ रही। आबकारी विभाग के शुरूआती आंकड़ों के मुताबिक, दीपावली से पहले दो सप्ताह के दौरान दिल्ली में करीब 589.17 करोड़ रुपये की शराब का कारोबार हुआ। यह पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 70.20 करोड़ रुपये अधिक है। इस तरह शराब की बिक्री में 13.53 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराने के विवाद में खूनी संघर्ष, 10 लोगों पर मुकदमा

● दोनों पक्षों के छह लोग हुए थे घायल, पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर दर्ज की रिपोर्ट

यूथ इंडिया, सौरिख



थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव में पूर्व में दर्ज मारपीट की रिपोर्ट को लेकर मंगलवार को दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे, धारदार हथियार और ईंट-पत्थर चले। संघर्ष में दोनों पक्षों के छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इनमें एक की हालत नाजुक होने पर हायर सेंटर रेफर किया गया था। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर कुल 10 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

बहादुरपुर गांव निवासी अरुण प्रताप सिंह पुत्र राधाकृष्ण ने नौ नवंबर को गांव के कुछ लोगों के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसी मुकदमे को लेकर मंगलवार को दोनों पक्षों के दर्जनों लोग आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते दोनों ओर से लाठी-डंडे, धारदार हथियार और ईंट-पत्थर चलने लगे। अचानक हुए संघर्ष से गांव में भगदड़ मच गई और चारों ओर चीख-पुकार सुनाई देने लगी। मारपीट में दोनों पक्षों के छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

पुलिस ने अरुण प्रताप सिंह की तहरीर पर दिलीप और जितेंद्र पुत्रगण पप्पू, मनोज और सनोज पुत्रगण सुकनंदन, शिवकुमार पुत्र बलराम, विजय उर्फ मोहन पुत्र महेश तथा अजय पुत्र रामविलास के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। वहीं, दूसरे पक्ष के दिलीप कुमार पुत्र सुरेश चंद्र दिवाकर की तहरीर पर अरुण और अंकित पुत्रगण राधाकृष्ण तथा राहुल पुत्र दिनेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट दर्ज कर नामजद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

भैय्या दूज पर सड़कों पर उमड़ी भीड़, दिनभर लगा रहा जाम

● बस स्टैंड, सकरावा तिराहा और नादेमऊ चौराहे पर वाहनों की लंबी कतारें, यात्रियों को उठानी पड़ी परेशानी

यूथ इंडिया, सौरिख



भाई-बहन के पवित्र प्रेम और स्नेह के पर्व भैय्या दूज पर बुधवार को कस्बा सौरिख की सड़कों पर भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही बढ़ने से प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इसके चलते बस स्टैंड, सकरावा तिराहा और नादेमऊ चौराहे पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रही।

त्योहार पर बहनों के घर आने-जाने और भाइयों के आवागमन के चलते सड़कों पर यातायात का दबाव काफी बढ़ गया। यात्रियों की भीड़ के मुकाबले बसों की संख्या कम पड़ गई। ऐसे में लोगों को गंतव्य तक पहुंचने के लिए ई-रिक्शा और टेंपो का सहारा लेना पड़ा। वहीं, ई-रिक्शा और टेंपो चालकों की मनमानी से कई बार यातायात व्यवस्था और बिगड़ गई। प्रमुख चौराहों और सड़क किनारे वाहनों के बेतरतीब खड़े होने से जाम की स्थिति बनती रही।

दिनभर रुक-रुककर लगे जाम के कारण राहगीरों और यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। भैय्या दूज के त्योहार पर सड़कों पर उमड़ी भीड़ के चलते कस्बे की यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित नजर आई।

संक्षिप्त खबरें

भैय्या दूज पर बहनों ने भाइयों को तिलक कर मांगी लंबी उम्र की दुआ



सौरिख। कस्बा सहित क्षेत्र में बुधवार को भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक भैय्या दूज का पर्व धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में त्योहार की रौनक दिखाई देने लगी। बहनों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भाइयों के माथे पर तिलक लगाया और उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि एवं खुशहाल जीवन की कामना की। वहीं भाइयों ने बहनों को उपहार और मिठाइयां भेंट कर उनके प्रति अपना स्नेह जताया। त्योहार को लेकर बाजारों में भी चहल-पहल बनी रही। मिठाई और उपहारों की दुकानों पर लोगों की भीड़ नजर आई। दूरदराज रहने वाली बहनें भी भाइयों के घर पहुंचीं। वहीं कई भाई अपनी बहनों के घर पहुंचकर तिलक कराने पहुंचे। पूरे क्षेत्र में पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच पर्व मनाया गया। इस दौरान परिवारों में खुशियों और उत्साह का माहौल बना रहा।

डिलीवरी के दो दिन बाद बिगड़ी महिला की तबीयत, इलाज के दौरान मौत

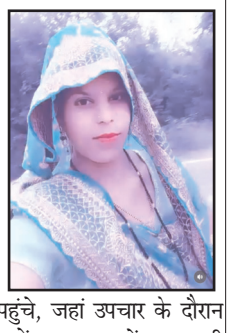

तालग्राम। थाना क्षेत्र के दलापुरवा गांव में एक नवविवाहिता की इलाज के दौरान मौत हो जाने से परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार गांव निवासी गगन पुत्र डम्मर सिंह की पत्नी सीता की 6 नवंबर को गुरसहायगंज स्थित सरकारी अस्पताल में सामान्य प्रसव (नॉर्मल डिलीवरी) हुआ था। सीता ने एक बच्ची को जन्म दिया था। बताया जा रहा है कि प्रसव के दो दिन बाद अचानक सीता की तबीयत बिगड़ गई। परिजन आनन-फानन में उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, ससुरालीजनों ने परिजनों पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। बताया गया कि सीता की शादी करीब डेढ़ वर्ष पहले फर्रुखाबाद जनपद के नौखड़ा गांव में हुई थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में अमोलर चौकी प्रभारी महेंद्र सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चौरी चौरा एक्सप्रेस के चार एसी कोच पटरी से उतरे

यूथ इंडिया, कानपुर

बुधवार शाम चौरी चौरा एक्सप्रेस के चार एसी कोच पटरी से उतर गए। यह हादसा कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर हुआ, जिससे रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर 7 से शाम 5:03 बजे रवाना हुई थी। स्टेशन से आगे बढ़ने के दौरान ट्रेन के चार एसी कोच पटरी से उतर गए।

पटरी से उतरने वाले कोचों में बी-4, बी-5, बी-6 और बी-7 शामिल हैं। घटना के बाद रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जाएगी। रेलवे प्रशासन द्वारा राहत और सुरक्षा से जुड़े कदम उठाए जा रहे हैं। हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी दिए गए विवरण में नहीं है।

महिला कांस्टेबल के बंद मकान में चोरी, 1.5 लाख कैश और जेवर पार

कानपुर। नौबस्ता थाना क्षेत्र में चोरों ने महिला कांस्टेबल के बंद मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपये का माल चोरी कर लिया। घटना चंदीपुरवा रोड स्थित विहंग विहार की है। वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, चोर छत पर लगे लोहे के जाल का ताला काटकर मकान में दाखिल हुए। इसके बाद उन्होंने कमरों के ताले तोड़कर घर की तलाशी ली और कीमती सामान समेट लिया।

दो बाइकों की भीषण टक्कर, एक युवक की मौत, तीन गंभीर घायल

यूथ इंडिया, कानपुर



बिठूर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह दो बाइकों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा ओवरटेक करते समय नारामऊ इलाके में हुआ। इस दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक युवती समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

यह हादसा सुबह करीब 8:30 बजे आईआईटी कानपुर से लगभग एक किलोमीटर दूर हुआ। टक्कर के बाद सभी घायल सड़क पर गिर पड़े। युवती अपने घायल साथी को उठाने की कोशिश करती रही। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।

पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी कल्याणपुर में भर्ती कराया। गंभीर हालत को देखते हुए घायलों को अल्का हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। मृतक युवक की पहचान 28 वर्षीय रंजीत के रूप में हुई है।

जानकारी के मुताबिक, रंजीत सीएचसी चौबेपुर में काम करता था। उसका बड़ा भाई अरविंद सोनकर उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल है और वर्तमान में लखनऊ के पक्षी विहार में तैनात है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

भाई दूज पर ड्यूटी के साथ इंसानियत की मिसाल बने पुलिसकर्मी

● बुजुर्ग दंपती को हाथ पकड़कर कराया सड़क पार

यूथ इंडिया, छिबरामऊ



भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का पर्व भाई दूज बुधवार को जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान जहां बहनें अपने भाइयों को तिलक लगाने और भाई दूज मनाने के लिए घरों की ओर रवाना हुईं, वहीं पुलिसकर्मी जनता की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था संभालने में जुटे रहे।त्योहार के मद्देनजर पुलिसकर्मियों की छुट्टियां निरस्त कर दी गई।

छिबरामऊ के प्रमुख चौराहों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई, ताकि भाई दूज मनाने जा रहे लोगों को रास्ते में किसी प्रकार की परेशानी न हो। पुलिसकर्मी यातायात को सुचारु रूप से संचालित कराने में जुटे रहे, जिससे वाहनों का आवागमन बाधित न हो और लोग सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

इसी बीच छिबरामऊ पूर्वी बाईपास पर खाकी वर्दी में इंसानियत की एक खूबसूरत तस्वीर सामने आई। जब भीड़भाड़ और तेज रफ्तार वाहनों के बीच एक बुजुर्ग महिला और बुजुर्ग व्यक्ति सड़क पार नहीं कर पा रहे थे, तभी सिकंदरपुर चौकी इंचार्ज गजेंद्र पाल सिंह ने आगे बढ़कर उनका हाथ थामा और सुरक्षित सड़क पार कराई।इस मानवीय पहल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लोग पुलिसकर्मी की जमकर सराहना कर रहे हैं।

लोगों का कहना है कि वर्दी में खाकी का फर्ज तो बहुत निभाते हैं, लेकिन इंसानियत निभाने वाले पुलिसकर्मी ही लोगों के दिलों में खास जगह बनाते हैं।एक ओर पुलिसकर्मी त्योहार पर यातायात और सुरक्षा व्यवस्था संभालते नजर आए, तो दूसरी ओर गजेंद्र पाल सिंह की इस पहल ने यह संदेश दिया कि पुलिस की जिम्मेदारी केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं, बल्कि जरूरतमंदों की मदद करना भी है।

हेल्पलाइन जारी कर जिम्मेदारी से नहीं बच सकता जिला अस्पताल प्रशासन, वसूली के आरोपों की जड़ तक जांच जरूरी

● मरीजों से रुपये मांगने के लिए कर्मचारियों पर दबाव बनाने के कथित आरोप
● विरोध करने वालों को नौकरी से हटाने और कठिन ड्यूटी लगाने की धमकी देने की भी चर्चा

यूथ इंडिया, कन्नौज

(प्रकाश शर्मा)

जिला अस्पताल में मरीजों से इलाज के नाम पर रुपये मांगने की शिकायतों के बीच अब अस्पताल की आंतरिक कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि मरीजों से कौन रुपये मांग रहा है, बल्कि यह भी है कि आखिर अस्पताल में ऐसी नौबत क्यों आ रही है? क्या निचले स्तर के कर्मचारी अपने स्तर से वसूली कर रहे हैं या फिर उन पर किसी तरह का दबाव भी बनाया जाता है? इन सवालों की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

अस्पताल में कर्मचारियों के बीच ऐसी शिकायतें भी सामने आने की बात कही जा रही है।

जिला अस्पताल के ही एक कर्मी ने नाम न छापने की शर्त पर संवाददाता को बताया कि मरीजों और तीमारदारों से रुपये लेने के लिए उन पर दबाव बनाया जाता है। कथित तौर पर ऐसा न करने पर नौकरी से हटाने की धमकी देने अथवा दूसरी जगह कठिन ड्यूटी लगाकर परेशान करने की बात भी कही जा रही है।

सवाल ये हैं कि केवल दो हेल्पलाइन नंबर जारी कर देना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। यदि कर्मचारी वास्तव में किसी दबाव में काम कर रहे हैं तो उनकी शिकायत सुनने और उन्हें संरक्षण देने की व्यवस्था भी होनी चाहिए। साथ ही यह भी जांच होनी चाहिए कि मरीजों से वसूली की शिकायतें किन परिस्थितियों में और किन स्तरों पर सामने आ रही हैं।

हाल ही में प्रसूता को एनेस्थीसिया देने के नाम पर पांच हजार रुपये मांगने का मामला सामने आया था। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने मरीजों की शिकायत के लिए दो मोबाइल नंबर जारी किए।

एक तीमारदार के अनुसार, इससे पहले भी डिलीवरी के समय ऑपरेशन की नौबत आने पर उनसे अनावश्यक पैसे की मांग की गई थी हालांकि तत्कालीन सीएमएस डा शक्ति बसु की सख्ती से कोई पैसे नहीं देने पड़े।

नाम न छापने की शर्त पर अपनी पत्नी की जांच व अल्ट्रासाउंड करवाने आए एक व्यक्ति ने बताया कि नर्सिंग स्टाफ की ओर से अक्सर जांच से संबंधित रजिस्ट्रेशन के नाम पर 50 रुपए की वसूली की जाती है। पैसे न देने पर मरीज के साथ स्टाफ दुर्व्यवहार करता है।

जिम्मेदारों की भूमिका भी जांच के दायरे में क्यों नहीं?

कन्नौज। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अस्पताल में यदि लगातार अवैध वसूली की शिकायतें सामने आ रही हैं तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है? क्या अस्पताल के जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं है या शिकायतों के बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं हो पा रहा है? प्रशासन को केवल शिकायत मिलने पर कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय पूरे तंत्र की जांच करनी चाहिए। कर्मचारियों पर कथित दबाव, ड्यूटी के नाम पर उत्पीड़न और शिकायत करने वालों को धमकाने जैसे आरोपों की भी पड़ताल होनी चाहिए।

मरीजों को मिलेगी राहत या हेल्पलाइन तक सिमट जाएगी कार्रवाई?

कन्नौज। जिला अस्पताल गरीब और जरूरतमंद मरीजों के उपचार का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में इलाज के नाम पर किसी भी तरह की अवैध वसूली व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। अब देखना यह है कि हेल्पलाइन नंबर जारी होने के बाद अस्पताल प्रशासन शिकायतों पर कितनी गंभीरता से कार्रवाई करता है और क्या जांच की आंच उन जिम्मेदार लोगों तक भी पहुंचती है जिनकी भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

जिला अस्पताल में इलाज के नाम पर वसूली की शिकायत के लिए जारी हुए हेल्पलाइन नंबर

● ऑपरेशन से लेकर जांच और प्रसव तक मांगे जा रहे रुपये तो सीधे करें शिकायत

यूथ इंडिया, कन्नौज

जिला अस्पताल में इलाज के नाम पर मरीजों और तीमारदारों से अवैध वसूली की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अस्पताल प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। अब उपचार, ऑपरेशन, प्रसव और विभिन्न जांचों के नाम पर रुपये मांगने वाले कर्मचारियों की शिकायत मरीज सीधे अस्पताल प्रशासन तक पहुंचा सकेंगे।

दरअसल विगत दिनों जिला अस्पताल में प्रसूता को एनेस्थीसिया देने के नाम पर पांच हजार रुपये मांगने का मामला सामने आने के बाद अस्पताल प्रशासन ने यह कदम उठाया है। इस मामले को लेकर समाज कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण ने भी अस्पताल में पारदर्शिता बनाए रखने और मरीजों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए थे।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गोपाल नारायण द्विवेदी ने दो मोबाइल नंबर जारी कर मरीजों और उनके परिजनों से शिकायत दर्ज कराने की अपील की है।

अस्पताल प्रशासन के मुताबिक, शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित कर्मचारी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

भाई दूज पर जेल में छलका भाई-बहन का प्रेम, बहनों ने भाइयों को लगाया तिलक

● जिला कारागार में 205 बंदियों से मिलने पहुंचीं 392 बहनें

यूथ इंडिया, कन्नौज



भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह के पर्व भाई दूज पर बुधवार को जिला कारागार कन्नौज में भावुक माहौल देखने को मिला। जेल में निरुद्ध बंदियों से मिलने पहुंचीं बहनों ने भाइयों से मुलाकात कर उन्हें पर्व की शुभकामनाएं दीं। लंबे समय से परिवार से दूर रह रहे बंदियों के चेहरों पर अपनों से मिलकर खुशी और भावुकता साफ नजर आई।

पर्व को देखते हुए जेल प्रशासन ने जिला प्रशासन एवं पुलिस के सहयोग से पहले ही मुलाकात की विशेष व्यवस्था की थी। सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, पेयजल, शौचालय, अग्निशमन और बैठने के लिए कुर्सियों सहित अन्य जरूरी इंतजाम किए गए थे, जिससे मुलाकात की प्रक्रिया शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

इस अवसर पर 205 पुरुष बंदियों से मिलने के लिए 392 बहनें कारागार पहुंचीं। वहीं, एक महिला बंदी से मिलने उसके दो भाई भी आए। बहनों ने भाइयों से मुलाकात कर भाई दूज की शुभकामनाएं दीं और उनके अच्छे स्वास्थ्य, सुखद भविष्य तथा जल्द परिवार के बीच वापस लौटने की कामना की। लंबे समय बाद अपनों से मिले बंदियों ने भी परिजनों के साथ भावनात्मक जुड़ाव महसूस किया।

जेल प्रशासन ने पारिवारिक रिश्तों की अहमियत और बंदियों की भावनात्मक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मुलाकात की प्रक्रिया को मानवीय दृष्टिकोण के साथ संपन्न कराया। पूरे कार्यक्रम के दौरान व्यवस्थाएं शांतिपूर्ण एवं संतोषजनक रहीं।

इस दौरान जेल अधीक्षक जय प्रकाश द्विवेदी, रविन्द्र नाथ करपाल, उप कारापाल अजय कुमार, उपकारापाल उर्मिला सिंह सहित अन्य प्रशासनिक कर्मचारी मौजूद रहे।

प्राचीन टीले पर रात में खुदाई, ग्रामीणों ने जेसीबी समेत पकड़ा अवैध खनन का मामला

● उमरन गांव में मशीन छोड़कर भागा चालक

यूथ इंडिया, कन्नौज

ठठिया थाना क्षेत्र के उमरन गांव में प्राचीन टीले पर रात के अंधेरे में मिट्टी की खुदाई किए जाने का मामला सामने आया है। इसकी जानकारी मिलने पर भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष महिपाल कनौजिया ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों को आता देख जेसीबी चालक मशीन छोड़कर भाग निकला। बाद में पहुंची पुलिस ने जेसीबी को कब्जे में ले लिया।

महिपाल कनौजिया ने आरोप लगाया कि गांव के कुछ लोग लंबे समय से प्राचीन टीले को निशाना बनाकर अवैध खनन करा रहे हैं। इससे टीले का काफी हिस्सा नष्ट हो चुका है। उन्होंने जामिल और कामिल नाम के दो सगे भाइयों पर भी खनन कराने का आरोप लगाया।

उनका कहना है कि इस संबंध में पहले भी कई बार शिकायतें की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं होने से अवैध गतिविधियां जारी रहीं।

भाजपा नेता के मुताबिक, करीब एक वर्ष पहले टीले पर मंदिर की जगह मजार बनाए जाने को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी और लंबे समय तक पुलिस व पीएसी की तैनाती रही।

उन्होंने बताया कि विवाद के दौरान समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण समेत जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया था। उस समय अवैध खनन की जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था।

औसर चौकी प्रभारी विनीत वर्मा के मुताबिक, रात में खनन की सूचना मिलने पर पुलिस उमरन गांव पहुंची थी। ग्रामीणों की मौजूदगी देखकर चालक जेसीबी छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मशीन को कब्जे में लेकर ठठिया थाने पहुंचा दिया है।

उन्होंने बताया कि खनन अधिकारी को भी पूरे मामले से अवगत करा दिया गया है। आगे की कार्रवाई खनन विभाग की ओर से की जाएगी।

17 वर्षीय किशोर पर चाकू से हमला, हालत गंभीर

यूथ इंडिया, कानपुर

फजलगंज थाना क्षेत्र स्थित बंबा रोड सब्जी मंडी में आपसी विवाद के चलते 17 वर्षीय किशोर पर चाकू से हमला कर दिया गया। बताया जा रहा है कि किशोर के साथी ने अपने कुछ दोस्तों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया।

जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने किशोर के सीने पर चाकू से कई वार किए और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद किशोर लहूलुहान हालत में सड़क पर पड़ा रहा।

किशोर को घायल अवस्था में देखकर मोहल्ले के लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। इसके बाद उसे इलाज के लिए हैलट अस्पताल पहुंचाया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई। आरोपियों की पहचान और घटना के पीछे की वजह का पता लगाया जा रहा है। घायल किशोर की स्थिति और पुलिस की आगे की कार्रवाई को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।ह्य

राजस्व विभाग में चयनित पांच युवाओं को डीएम ने सौंपे नियुक्ति पत्र

● कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तीन लाभार्थियों को 5-5 लाख की सहायता

यूथ इंडिया, कन्नौज



राजस्व विभाग में कनिष्ठ सहायक पद पर चयनित जनपद के पांच युवाओं को बुधवार को जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इसके अलावा मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत तीन लाभार्थियों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता के सांकेतिक चेक सौंपे गए।

कन्नौज में नियुक्ति पत्र पाने वालों में नवीन कुमार यादव, वारिस मिश्रा, अनुराग शर्मा, प्राची गुप्ता और आयुषी पाल शामिल हैं। डीएम ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सरकारी सेवा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का महत्वपूर्ण दायित्व है। सभी कर्मचारी पूरी ईमानदारी, निष्ठा और अनुशासन के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।

कार्यक्रम में डीएम ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत स्वलैह खान, ज्योति और सीमा शर्मा को पांच-पांच लाख रुपये के सांकेतिक डेमो चेक प्रदान किए।

डीएम ने कहा कि दुर्घटना से प्रभावित किसान परिवारों को आर्थिक संबल देने में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) देवेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

भाई दूज पर सड़कों पर उमड़ा वाहनों का रेला

● मकरंद नगर तिराहा, रेलवे स्टेशन रोड और बस स्टैंड पर रेंगते रहे वाहन, घंटों जूझते रहे राहगीर

यूथ इंडिया, कन्नौज



भाई दूज के पर्व पर बुधवार को शहर से लेकर मानीमऊ तक यातायात व्यवस्था चरमराई रही। सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ने से सरायमीरा से मानीमऊ तक जगह-जगह जाम की स्थिति बनी रही। मकरंद नगर तिराहा, रेलवे स्टेशन रोड और सरायमीरा बस स्टैंड पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं।

भाई दूज पर भाइयों को तिलक करने और उनसे मिलने के लिए बड़ी संख्या में बहनें घरों से निकलीं। बसों और निजी वाहनों से सफर करने वालों की भीड़ के चलते प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव अचानक बढ़ गया। सरायमीरा बस स्टैंड पर यात्रियों की भीड़ के साथ बसों के आवागमन से जाम की स्थिति बनी रही। वहीं रेलवे स्टेशन रोड और मकरंद नगर तिराहा पर भी वाहन रेंगते नजर आए। जाम के चलते दोपहिया, चारपहिया वाहनों के साथ राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर वाहन चालकों को निकलने के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। पर्व के चलते शहर की सड़कों पर दिनभर यातायात का दबाव बना रहा।

अतिक्रमण और डग्गामार वाहनों ने बढ़ाई मुसीबत

कन्नौज। शहर में जाम की समस्या के पीछे अतिक्रमण और अवैध रूप से संचालित प्राइवेट डग्गामार वाहन भी बड़ी वजह बने रहे। प्रमुख मार्गों और चौराहों पर ठेले वालों ने सड़क तक कब्जा जमा रखा था, वहीं दुकानदारों का सामान भी फुटपाथ से बाहर तक फैला रहा। इससे सड़कों की चौड़ाई कम हो गई और वाहनों के निकलने के लिए जगह नहीं बची।

दूसरी ओर, सवारियां भरने के चक्कर में सड़क किनारे और बीच रास्ते में खड़े होने वाले डग्गामार वाहनों ने भी मुश्किलें बढ़ाईं। भाई दूज पर उमड़ी भीड़ के बीच अतिक्रमण और बेतरतीब वाहन खड़े होने से जाम की समस्या और गंभीर हो गई। इसके बावजूद यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए ठोस इंतजाम नजर नहीं आए।

सम्पादकीय

संपत्ति के अधिकार पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

दादा की संपत्ति पर पोते का जन्मसिद्ध हक नहीं



शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

भारतीय समाज में पैतृक संपत्ति को लेकर पीढ़ियों से कई तरह की धारणाएं चली आ रही हैं। आमतौर पर यह माना जाता है कि दादा की संपत्ति में पोते का जन्म से ही अधिकार होता है और परिवार की संपत्ति में हर पीढ़ी का हिस्सा सुरक्षित रहता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले ने इस धारणा के कानूनी पक्ष को स्पष्ट करते हुए बताया है कि हर परिस्थिति में ऐसा नहीं होता। अदालत ने कहा है कि यदि दादा की संपत्ति हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 के तहत कानूनी वारिसों को मिल चुकी है और बंटवारे के बाद पिता का हिस्सा उनकी व्यक्तिगत संपत्ति बन गया है, तो पोता केवल जन्म के आधार पर उसमें अपना हिस्सा नहीं मांग सकता।

यह फैसला केवल एक परिवार के संपत्ति विवाद तक सीमित नहीं है, बल्कि उन हजारों परिवारों के लिए भी महत्वपूर्ण है जहां संपत्ति के बंटवारे को लेकर पीढ़ियों से विवाद चल रहे हैं। अक्सर परिवारों में संपत्ति के अधिकार को लेकर गलतफहमियां पैदा होती हैं। कई बार कानूनी जानकारी के अभाव में लोग यह मान लेते हैं कि दादा की हर संपत्ति स्वतः संयुक्त परिवार की संपत्ति होती है। जबकि कानून में पैतृक संपत्ति और उत्तराधिकार के माध्यम से प्राप्त व्यक्तिगत संपत्ति के बीच स्पष्ट अंतर है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी अंतर को रेखांकित करते हुए बताया कि धारा 8 के तहत बेटे को मिली संपत्ति उसके बच्चों के लिए स्वतः सहदायिक संपत्ति नहीं बन जाती।

इस फैसले का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि संपत्ति के मामलों में भावनाओं और कानूनी अधिकारों को अलग-अलग समझना जरूरी है। परिवार में किसी संपत्ति का पुराना इतिहास होना और उस पर किसी व्यक्ति का कानूनी अधिकार होना, दोनों अलग बातें हैं। अदालत ने अपने पुराने फैसले का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि उत्तराधिकार से प्राप्त संपत्ति की कानूनी प्रकृति को समझे बिना उसमें जन्मसिद्ध अधिकार का दावा नहीं किया जा सकता। हालांकि इस फैसले को सभी प्रकार की पैतृक संपत्तियों पर लागू मान लेना भी उचित नहीं होगा, क्योंकि संयुक्त हिंदू परिवार की वास्तविक सहदायिक संपत्ति के नियम अलग हो सकते हैं।

आज जरूरत इस बात की है कि परिवार संपत्ति के बंटवारे में पारदर्शिता रखें और कानूनी प्रक्रिया का पालन करें। जमीन-जायदाद के विवाद अक्सर रिश्तों में कड़वाहट पैदा करते हैं और वर्षों तक अदालतों में मुकदमे चलते रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला स्पष्ट करता है कि संपत्ति का अधिकार केवल पारिवारिक मान्यता से नहीं, बल्कि कानून और संपत्ति की वास्तविक स्थिति से तय होता है। इसलिए किसी भी संपत्ति विवाद में जल्दबाजी या धारणाओं के आधार पर दावा करने के बजाय कानूनी सलाह लेना जरूरी है। न्यायालय का संदेश साफ है–उत्तराधिकार के अधिकारों का सम्मान हो, लेकिन कानून से परे किसी को केवल रिश्ते के आधार पर संपत्ति का हकदार नहीं माना जा सकता।

प्रधान संपादक

अग्निवीर योजना का भविष्यः सैन्य सुधार या राजनीतिक समझौता?

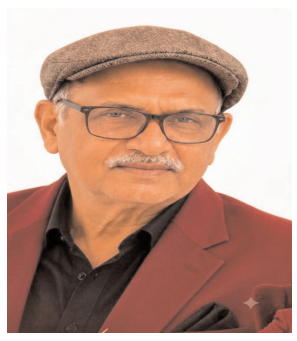

डॉ. विजय गर्ग



भारत की अग्निवीर योजना शुरू से ही चर्चा, समर्थन और विरोध का विषय रही है। वर्ष 2022 में शुरू की गई अग्निपथ योजना का उद्देश्य सेना में युवाओं की भर्ती प्रणाली को अधिक आधुनिक, युवा और गतिशील बनाना था। इसके तहत सेना में भर्ती होने वाले अग्निवीरों को चार वर्ष की सेवा का अवसर दिया जाता है। इनमें से अधिकतम 25 प्रतिशत को नियमित सेवा में बनाए रखने का प्रावधान है, जबकि शेष सैनिकों को सेवा पूरी होने पर निर्धारित आर्थिक पैकेज और प्रमाणपत्र देकर विदा किया जाता है।

सरकार का तर्क रहा है कि इस व्यवस्था से सेना की औसत आयु कम होगी, युवाओं में अनुशासन और सैन्य प्रशिक्षण बढ़ेगा तथा रक्षा क्षेत्र में वेतन और पेंशन संबंधी खर्चों को संतुलित करने में मदद मिलेगी। दूसरी ओर, इस योजना को लेकर युवाओं, पूर्व सैनिकों और रक्षा विशेषज्ञों के बीच कई सवाल उठते रहे हैं।

इस योजना की सबसे बड़ी चुनौती चार वर्ष की सेवा के बाद युवाओं के भविष्य से जुड़ी है। सेना में भर्ती होने वाला युवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि सम्मान, स्थिरता और जीवनभर की सुरक्षा की उम्मीद भी रखता है। चार वर्ष बाद अधिकांश अग्निवीरों को सेना से बाहर होना पड़ता है। ऐसे में उनके सामने रोजगार, परिवार की जिम्मेदारियों और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा का प्रश्न खड़ा हो जाता है।

सरकार ने अग्निवीरों के लिए कौशल प्रमाणपत्र, स्वरोजगार और विभिन्न सरकारी सेवाओं में अवसरों की व्यवस्था करने की पहल की है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और कुछ अन्य सेवाओं में पूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षण तथा आयु संबंधी छूट के प्रावधान भी किए गए हैं। लेकिन इन अवसरों का वास्तविक लाभ कितने युवाओं तक पहुंचता है, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है।

किसी भी देश की सेना केवल आधुनिक हथियारों और तकनीक से मजबूत नहीं होती, बल्कि उसके सैनिकों के अनुभव, प्रशिक्षण, समर्पण और मनोबल से भी उसकी शक्ति निर्धारित होती है। सैन्य सेवा में अनुभव का विशेष महत्व है। सीमाओं पर कठिन परिस्थितियों में काम करने वाले सैनिकों को तकनीकी दक्षता के साथ व्यावहारिक अनुभव की भी आवश्यकता होती है।

अग्निवीर योजना के समर्थकों का मानना है कि युवा सैनिक सेना में नई ऊर्जा, तकनीकी समझ और शारीरिक क्षमता लेकर आएंगे। वहीं आलोचकों की चिंता है कि कम अवधि की सेवा के कारण अनुभवी सैनिकों की संख्या और दीर्घकालीन सैन्य दक्षता प्रभावित हो सकती है। इसलिए इस योजना का मूल्यांकन केवल भर्ती की संख्या या आर्थिक बचत के आधार पर नहीं, बल्कि युद्धक क्षमता, प्रशिक्षण की गुणवत्ता और सैनिकों के मनोबल के आधार पर भी होना चाहिए।

किसी भी बड़ी नीति को समय के साथ अनुभवों के आधार पर सुधारना लोकतांत्रिक शासन की स्वाभाविक प्रक्रिया है। यदि योजना के क्रियान्वयन में कमियां सामने आती हैं, तो उनका समाधान करना सरकार और सेना दोनों की जिम्मेदारी है।

चार वर्ष की सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों के लिए रोजगार के अधिक ठोस अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए। सरकारी विभागों, पुलिस, अर्धसैनिक बलों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में उनकी नियुक्ति के लिए प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। निजी क्षेत्र को भी प्रशिक्षित पूर्व अग्निवीरों को रोजगार देने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, नियमित सैनिक के रूप में बनाए जाने वाले अग्निवीरों का प्रतिशत, सेवा अवधि और भविष्य की सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी व्यापक विचार-विमर्श होना चाहिए। इन बदलावों का आधार राजनीतिक लाभ नहीं, बल्कि सेना की वास्तविक आवश्यकताएं और युवाओं के हित होने चाहिए।

जब किसी नीति को लेकर लगातार सवाल उठते हैं और उसमें संशोधन की मांग होती है, तो यह स्वाभाविक है कि उसके पीछे के कारणों पर चर्चा हो। कुछ लोग बदलाव की मांग को युवाओं की चिंताओं और नीति की व्यावहारिक कमियों से जोड़ते हैं, जबकि कुछ इसे राजनीतिक दबाव के संदर्भ में देखते हैं।

लेकिन किसी भी बदलाव को केवल चुनावी दबाव या राजनीतिक समझौते के रूप में देखना उचित नहीं होगा। यदि समीक्षा से सेना की क्षमता बढ़ती है और युवाओं का भविष्य सुरक्षित होता है, तो सुधार का स्वागत किया जाना चाहिए। साथ ही, किसी भी संशोधन का मूल्यांकन उसके वास्तविक परिणामों से होना चाहिए, न कि केवल उसकी घोषणा से अग्निवीर योजना का भविष्य भारत की रक्षा व्यवस्था और युवा पीढ़ी दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

जलवायु परिवर्तन की मार से संकट में दार्जिलिंग और असम का चाय उद्योग

यूथ इंडिया



उत्तर-पूर्व भारत और दार्जिलिंग की हरी-भरी पहाड़ियों से निकलने वाली चाय की खुशबू पर अब जलवायु परिवर्तन का असर साफ दिखाई देने लगा है। बढ़ते तापमान, अनियमित बारिश, लंबे सूखे और अचानक आने वाली बाढ़ ने देश के चाय उद्योग के सामने गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। कभी अपनी खास खुशबू और स्वाद के लिए दुनिया भर में पहचान रखने वाली दार्जिलिंग चाय का उत्पादन लगातार घट रहा है। इसका असर केवल चाय उद्योग तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे लाखों श्रमिकों की आजीविका और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

पिछले तीन दशकों में दार्जिलिंग चाय के उत्पादन में लगभग दो-तिहाई की गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 1990 में यहां करीब 1.45 करोड़ किलोग्राम चाय का उत्पादन होता था, जो 2025 तक घटकर लगभग 56 लाख किलोग्राम रह गया। असम और उत्तर-पूर्व के दूसरे चाय उत्पादक क्षेत्रों में भी मौसम के बदलते मिजाज का असर दिखाई दे रहा है। तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचने पर तेज गर्मी और धूप के कारण नई कोपलें प्रभावित होती हैं। इससे चाय के पौधों की वृद्धि और उत्पादन क्षमता पर प्रतिकूल असर पड़ता है।

शोध अध्ययनों में भी चाय उत्पादन और बदलती जलवायु के बीच संबंध सामने आया है। वर्ष 2016 में असम पर किए गए एक अध्ययन में लंबे समय तक बारिश न होने और तापमान बढ़ने को उत्पादन में गिरावट का प्रमुख कारण बताया गया। वहीं, वर्ष 2021 में प्रकाशित एक सर्वेक्षण में चाय उत्पादकों ने लंबे सूखे, कम समय में अत्यधिक बारिश, चरम तापमान और नए कीट-रोगों को फसल के लिए बड़ी चुनौती बताया। दार्जिलिंग पर वर्ष 2024 में प्रकाशित शोध में भी तापमान वृद्धि और चाय की पैदावार के बीच नकारात्मक संबंध सामने आया। वर्ष 2026 में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन के मुताबिक, तापमान में प्रत्येक एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से चाय की उपज में लगभग 0.087 टन प्रति हेक्टेयर की कमी हो सकती है।

असम की ब्रह्मपुत्र घाटी में अचानक आने वाली बाढ़ और जलभराव से चाय के पौधों की जड़ों को नुकसान पहुंच रहा है। वहीं तापमान और नमी के असंतुलन से कीटों तथा रोगों का प्रकोप बढ़ रहा है। उत्पादन घटने और लागत बढ़ने के कारण कई चाय बागान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, करीब आठ प्रमुख बागान बंद हो चुके हैं। बागानों के बंद होने से वहां काम करने वाले श्रमिकों के सामने रोजगार और आजीविका का संकट खड़ा हो रहा है।

इसका असर चाय की गुणवत्ता, बाजार और कीमतों पर भी पड़ रहा है। दार्जिलिंग की मशहूर 'फर्स्ट फ्लश' और 'सेकंड फ्लश' चाय, जिसे उसकी विशिष्ट गुणवत्ता के कारण 'चाय की शैंपेन' कहा जाता है, की उपलब्धता प्रभावित हो रही है। उच्च गुणवत्ता वाली चाय की आपूर्ति कम होने से इसकी कीमतें बढ़ रही हैं और आम उपभोक्ताओं के लिए इसे खरीदना कठिन होता जा रहा है।

चाय उद्योग को इस संकट से निकालने के लिए दीर्घकालिक रणनीति अपनाने की जरूरत है। कृषि वैज्ञानिकों को सूखा और अधिक तापमान सहन करने वाली चाय की नई किस्मों पर काम करना होगा। बागानों में वर्षा जल संचयन, ड्रिप सिंचाई और बेहतर जल निकासी की व्यवस्था विकसित करनी होगी, ताकि पौधों को सूखे और जलभराव दोनों से बचाया जा सके। जैविक खाद, मल्चिंग और छायादार पेड़ों का रोपण भी तापमान के प्रभाव को कम करने में सहायक हो सकता है।

इसके साथ ही मौसम आधारित पूर्व चेतावनी प्रणाली और एकीकृत कीट प्रबंधन को बढ़ावा देना जरूरी है। सरकार, बागान प्रबंधन और संबंधित संस्थाओं को मिलकर श्रमिकों की आजीविका सुरक्षित रखने के उपाय भी करने होंगे। समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो जलवायु परिवर्तन की मार से दार्जिलिंग और उत्तर-पूर्व की चाय उद्योग से जुड़ी पहचान, परंपरा और अर्थव्यवस्था को गहरा नुकसान पहुंच सकता है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

डिजिटल क्रांति के बीच कायम नकदी का आकर्षण



डॉ. प्रियंका सौरभ



भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में 8 नवंबर 2016 की रात एक ऐसा निर्णय लिया गया, जिसने देश के आर्थिक, सामाजिक और व्यावसायिक जीवन को गहराई से प्रभावित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 500 और 1000 रुपये के पुराने नोटों को प्रचलन से बाहर करने की घोषणा केवल मुद्रा परिवर्तन नहीं थी, बल्कि इसे काले धन, नकली नोटों, भ्रष्टाचार और आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण पर प्रहार के रूप में प्रस्तुत किया गया था। उस समय प्रचलित मुद्रा के कुल मूल्य का लगभग 86 प्रतिशत हिस्सा इन दोनों नोटों में था।

आज दस वर्ष बाद जब इस फैसले का मूल्यांकन किया जा रहा है, तब एक महत्वपूर्ण विरोधाभास सामने आता है। देश में डिजिटल भुगतान का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है, लेकिन नकदी का प्रचलन भी लगातार बढ़ा है। यही विरोधाभास नोटबंदी की वास्तविक उपलब्धियों और सीमाओं को समझने की कुंजी है।

नोटबंदी के बाद सामने आया सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में देखने को मिला। हालांकि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की शुरुआत अप्रैल 2016 में नोटबंदी से पहले ही हो चुकी थी, लेकिन नोटों की अचानक कमी ने लोगों को डिजिटल भुगतान के विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया। मोबाइल वॉलेट, इंटरनेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड और क्यूआर कोड आधारित भुगतान धीरे-धीरे आम जीवन का हिस्सा बन गए।

वित्त वर्ष 2025-26 में यूपीआई के माध्यम से लगभग 241 अरब से अधिक लेन-देन दर्ज किए गए। छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी संचालकों, सेवा प्रदाताओं और आम उपभोक्ताओं के बीच इसकी स्वीकार्यता ने भारतीय भुगतान व्यवस्था में व्यापक बदलाव को दर्शाया है। यह कहना उचित होगा कि नोटबंदी ने डिजिटल भुगतान को अपनाने की प्रक्रिया को गति प्रदान की।

इस फैसले का एक अन्य परिणाम बैंकिंग व्यवस्था में जमा राशि की अस्थायी वृद्धि के रूप में सामने आया। पुराने नोट बैंकों में जमा होने से बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ी और वित्तीय संस्थाओं को असामान्य लेन-देन की पहचान करने के अवसर मिले। पहले बैंकिंग व्यवस्था से बाहर रहने वाली कई नकदी जमाओं का विवरण उपलब्ध हुआ।

इससे आयकर विभाग को संदिग्ध लेन-देन की जांच, कर चोरी की पहचान और वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने में सहायता मिली। इसके अतिरिक्त पुराने मूल्यवर्ग के नकली नोट तत्काल अमान्य हो गए। इससे मौजूदा नकली मुद्रा नेटवर्क को झटका लगा। नोटबंदी ने बैंकिंग सेवाओं, इलेक्ट्रॉनिक भुगतान और वित्तीय जागरूकता के विस्तार को भी प्रोत्साहित किया।

हालांकि इन उपलब्धियों के बावजूद नोटबंदी के आर्थिक परिणाम कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करते हैं। सबसे बड़ा प्रश्न काले धन की वापसी और उसकी वास्तविक रोकथाम से जुड़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, विमुद्रीकृत मुद्रा का लगभग 99.3 प्रतिशत हिस्सा वापस बैंकिंग प्रणाली में आ गया।

लगभग 15.41 लाख करोड़ रुपये की अमान्य घोषित मुद्रा में से करीब 15.31 लाख करोड़ रुपये बैंकों में लौट आए। यह आंकड़ा उस अपेक्षा के विपरीत था, जिसके अनुसार बड़ी मात्रा में काला धन नकदी के रूप में होने के कारण स्वतः समाप्त हो जाएगा। यह जरूर है कि बैंक में जमा हुई पूरी राशि को वैध नहीं माना जा सकता, लेकिन इससे स्पष्ट हुआ कि नोटबंदी के माध्यम से स्थायी रूप से समाप्त हुई नकदी अपेक्षाकृत बहुत कम थी।

इसका मूल कारण यह है कि काला धन केवल नकदी के रूप में नहीं रखा जाता। उसका बड़ा हिस्सा अचल संपत्ति, सोना, बेनामी संपत्तियों, विदेशों में जमा धन, फर्जी कंपनियों और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों में निवेशित रहता है। इसलिए केवल बड़े नोटों को प्रचलन से बाहर कर देना काले धन की पूरी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। इसके लिए कर व्यवस्था में पारदर्शिता, संपत्ति के लेन-देन की निगरानी और भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है।

नकदी पर निर्भरता का बने रहना भी नोटबंदी की सीमाओं को उजागर करता है। नवंबर 2016 के आसपास प्रचलन में मुद्रा लगभग 17.77 लाख करोड़ रुपये थी, जबकि अक्टूबर 2026 तक यह बढ़कर लगभग 43.16 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। यह वृद्धि इस बात का संकेत है कि डिजिटल भुगतान के विस्तार के बावजूद नकदी भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण माध्यम बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों, छोटे कारोबारियों, दैनिक मजदूरों और सीमित इंटरनेट सुविधा वाले लोगों के लिए नकदी आज भी आवश्यक है। इसका अर्थ यह नहीं कि डिजिटल भुगतान असफल रहा, बल्कि यह स्पष्ट करता है कि भारत की अर्थव्यवस्था में नकदी और डिजिटल माध्यम दोनों की अपनी उपयोगिता है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

अमेरिका की संसद में दीपावली को सरकारी छुट्टी बनाने दिवाली डे एक्ट पेश



एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया



वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति सनातन परंपरा और आध्यात्मिक विरासत का प्रभाव लगातार व्यापक होता दिखाई दे रहा है।दीपावली अब केवल भारत का धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्व नहीं रह गई है, बल्कि यह विश्व के अनेक देशों में शांति, सद्भाव, पारिवारिक एकता, सकारात्मकता और अंधकार पर प्रकाश की विजय का अंतरराष्ट्रीय प्रतीक बन चुकी है। वर्ष 2026 में दीपावली के अवसर पर अमेरिका से आई एक महत्वपूर्ण राजनीतिक एवं सांस्कृतिक खबर ने विश्वभर के भारतवंशियों का ध्यान आकर्षित किया है।

अमेरिका में दीपावली को संघीय अवकाश घोषित करने के उद्देश्य से दिवाली डे एक्ट को प्रतिनिधि सभा में दोबारा पेश किया गया है।9 नवंबर 2026 को अमेरिकी कांग्रेस सदस्य ग्रेस मेंग ने इस विधेयक को फिर से प्रस्तुत किया, जिसे 19 अन्य अमेरिकी सांसदों का सह- प्रायोजन प्राप्त है।

मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहूंगा कि इनमें भारतीय मूल के पांच प्रमुख सांसद राजा कृष्णमूर्ति,सुहास सुब्रमण्यम, श्री थानेदार, रो खन्ना और एमी बेरा भी शामिल हैं।यदि यह विधेयक अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों से पारित होकर कानून बन जाता है, तो दीपावली अमेरिका का 12वां संघीय अवकाश बन जाएगी। यह घटनाक्रम केवल एक छुट्टी घोषित करने की मांग नहीं, बल्कि बहुसांस्कृतिक समाज में भारतीय मूल की परंपराओं को संस्थागत पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

साथियों बात अगर हम दीपावली का छह दिवसीय वैश्विक उत्सव और अमेरिकी संसद तक पहुंची भारतीय संस्कृति की गूंज को समझने की करें तो,वर्ष 2026 की दीपावली ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि भारतीय संस्कृति की सीमाएंभौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं हैं।भारत से लेकर अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड,सिंगापुर, मॉरीशस, फिजी और खाड़ी देशों तक भारतीय समुदायों ने दीपावली को धार्मिक श्रद्धा, पारिवारिक मिलन और सामाजिक उल्लास के साथ मनाया।

दीपों की रोशनी, रंगोली,लक्ष्मी-गणेश पूजन, मंदिरों में विशेष आराधना,सांस्कृतिककार्यक्रमों और सामूहिक उत्सवों ने विश्व के अनेक शहरों को भारतीय परंपराओं के रंग में रंग दिया।दीपावली का संदेश केवल धन-संपदा की कामना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मनुष्य को अपने भीतर के अज्ञान, अहंकार, नकारात्मकता और अन्याय के अंधकार को दूर करके ज्ञान, सदाचार और सद्भाव का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा देता है। इसी सांस्कृतिक यात्रा में गोवर्धन पूजा और अन्नकूट प्रकृति, पर्यावरण, कृषि, गौ-संरक्षण तथा सामूहिक सहभागिता का संदेश देते हैं।

वहीं भाई दूज भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और पारिवारिक संबंधों की मधुरता को मजबूत करने वाला पर्व है। इन पर्वों का सामूहिक संदेश यह है कि भारतीय त्योहार केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की ऐसी सांस्कृतिक व्यवस्था हैं, जिसमें परिवार, समाज, प्रकृति और मानवता सभी का महत्व है।दुनिया के अलग- अलग देशों में बसे भारत वंशियों ने इन परंपराओं को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाकर अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवंत रखा है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

विश्व निमोनिया दिवसः समय पर उपचार और बचाव से बच सकती हैं अनमोल जिंदगियाँ

सुनील कुमार वाजपेयी शिवम



विश्व निमोनिया दिवस प्रत्येक वर्ष 12 नवंबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य निमोनिया जैसी गंभीर संक्रामक बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करना, इसके कारणों, लक्षणों, उपचार और बचाव के उपायों की जानकारी देना तथा बच्चों और बुजुर्गों को इस बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए समाज को प्रेरित करना है। निमोनिया ऐसी बीमारी है, जिसे समय रहते पहचान लिया जाए और उचित उपचार मिल जाए तो इससे होने वाली अनेक मौतों को रोका जा सकता है। इसके बावजूद दुनिया के अनेक देशों में यह बीमारी आज भी जनस्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है।

निमोनिया फेफड़ों में होने वाला एक प्रकार का संक्रमण है। हमारे फेफड़ों में छोटी-छोटी वायुकोषिकाएं होती हैं, जिनके माध्यम से शरीर को ऑक्सीजन मिलती है। जब फेफड़ों में संक्रमण होता है तो इन वायुकोषिकाओं में सूजन आ जाती है और उनमें तरल पदार्थ अथवा मवाद भर सकता है। इसके कारण सांस लेने में परेशानी होती है तथा शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। यह बीमारी मुख्य रूप से जीवाणु, विषाणु और कुछ विशेष प्रकार के कवक के संक्रमण से होती है। कई बार सर्दी-जुकाम या श्वसन संक्रमण के बाद भी निमोनिया विकसित हो सकता है। यह बीमारी किसी भी आयु वर्ग के व्यक्ति को हो सकती है, लेकिन पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों, बुजुर्गों, कुपोषित व्यक्तियों और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों के लिए अधिक खतरनाक होती है।

विश्व निमोनिया दिवस मनाने की शुरुआत वर्ष 2009 में हुई थी। इसका प्रमुख उद्देश्य बच्चों में निमोनिया से होने वाली मौतों को कम करना और इस बीमारी के प्रति वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ाना था। बाद में यह दिवस सभी आयु वर्गों में निमोनिया की रोकथाम, पहचान और उपचार के महत्व को सामने लाने का माध्यम बन गया। इस दिवस के माध्यम से सरकारों, स्वास्थ्य संगठनों, चिकित्सकों, सामाजिक संस्थाओं और आम नागरिकों को यह संदेश दिया जाता है कि निमोनिया केवल एक सामान्य खांसी-बुखार की बीमारी नहीं है। इसकी अनदेखी जानलेवा साबित हो सकती है।

समय पर जांच, सही दवाएं, टीकाकरण, पौष्टिक भोजन और स्वच्छ वातावरण से इस बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। निमोनिया होने के कई कारण हो सकते हैं। इनमें प्रमुख हैं- जीवाणु संक्रमण स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया नामक जीवाणु बच्चों में जीवाणुजनित निमोनिया का प्रमुख कारण है। विषाणु संक्रमण ; इन्फ्लुएंजा, श्वसन तंत्र के अन्य विषाणु और श्वसन सिंशियल विषाणु फेफड़ों को संक्रमित कर सकते हैं। कवक संक्रमण ; कुछ विशेष प्रकार के कवक भी कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों में निमोनिया पैदा कर सकते हैं। वायु प्रदूषण ; धुआं, धूल, रासायनिक कण और जहरीली गैसें फेफड़ों को नुकसान पहुंचाकर संक्रमण का खतरा बढ़ाती हैं। धूम्रपान ; स्वयं धूम्रपान करना और दूसरों के धुएं के संपर्क में रहना भी निमोनिया की आशंका बढ़ाता है। कुपोषण एवं कमजोर प्रतिरोधक क्षमता ; पर्याप्त पोषण न मिलने से शरीर की संक्रमण से लड़ने की क्षमता कमजोर हो जाती है। इसके अतिरिक्त भीड़भाड़ वाले स्थानों पर रहना, घरों में उचित हवा का आवागमन न होना तथा स्वच्छता की कमी बीमारी के प्रसार में सहायक हो सकती है। निमोनिया के शुरुआती लक्षण सामान्य सर्दी-जुकाम जैसे दिखाई दे सकते हैं। इसलिए कई बार लोग इसे मामूली बीमारी समझकर अनदेखा कर देते हैं। इसके प्रमुख लक्षण हैं- लगातार खांसी आना और कभी-कभी बलगम निकलना। तेज बुखार तथा ठंड लगना। सांस लेने में परेशानी और सांस का तेज चलना। सीने में दर्द, विशेषकर खांसने या गहरी सांस लेने पर।अत्यधिक थकान, कमजोरी और भूख न लगना। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण होंठ अथवा नाखूनों का नीला पड़ना। गंभीर स्थिति में भ्रम, बेहोशी या चेतना में कमी आना। छोटे बच्चों में पसलियों के नीचे छाती का अंदर की ओर धंसना, दूध पीने में कठिनाई, असामान्य सुस्ती और सांस लेने में परेशानी विशेष रूप से चिंताजनक संकेत हैं।

यदि किसी व्यक्ति को सांस लेने में गंभीर कठिनाई हो, होंठ नीले पड़ जाएं अथवा चेतना प्रभावित हो तो तत्काल अस्पताल पहुंचाना चाहिए। उपचार में देरी जानलेवा हो सकती है। निमोनिया का सबसे अधिक खतरा पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को होता है। विशेषकर नवजात शिशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह विकसित नहीं होती। कुपोषण, समय से पहले जन्म और मां का दूध पर्याप्त मात्रा में न मिलना भी जोखिम बढ़ाते हैं। इसी प्रकार 65 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों में भी निमोनिया गंभीर रूप ले सकता है। मधुमेह, हृदय रोग, गुर्दे की बीमारी, दमा और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2019 में पांच वर्ष से कम उम्र के लगभग 7 लाख 40 हजार बच्चों की मृत्यु निमोनिया के कारण हुई थी। वहीं यूनिसेफ के नवीन आंकड़ों के अनुसार दुनिया में प्रतिवर्ष सात लाख से अधिक बच्चों की मृत्यु इस बीमारी से होती है। यह आंकड़ा बताता है कि चिकित्सा विज्ञान में प्रगति के बावजूद बच्चों को इस बीमारी से बचाने के लिए अभी बहुत काम किया जाना बाकी है।

निमोनिया से बचाव के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता से लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था तक सभी स्तरों पर प्रयास आवश्यक हैं। इसके प्रमुख उपाय हैं। पहला टीकाकरण , निमोनिया से बचाव में टीकाकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। न्यूमोकोकल टीका, हिब टीका, खसरा, काली खांसी और इन्फ्लुएंजा के टीके संबंधित संक्रमणों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। बच्चों का टीकाकरण निर्धारित समय पर अवश्य कराना चाहिए। बुजुर्गों और अन्य जोखिम वाले व्यक्तियों को भी चिकित्सक की सलाह के अनुसार टीके लगवाने चाहिए।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

संदिग्ध अवस्था में पेड़ से लटकती मिली युवक की लाश, जांच में जुटी पुलिस

यूथ इंडिया, कोठी-बाराबंकी



कोठी थाना क्षेत्र के सादुल्लापुर गांव में एक 25 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही गांव के लोग मौके पर एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कोठी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान सर्वेश कुमार (25) पुत्र स्वर्गीय चंद्रिका प्रसाद रावत निवासी ग्राम सादुल्लापुर के रूप में हुई है। बताया गया कि बुधवार को ग्रामीणों ने गांव के पास चिलबिल के पेड़ पर उसका शव देखा। इसके बाद परिजनों और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे हल्का इंचार्ज देव प्रकाश शुक्ला ने अपने हमराहियों अमर बहादुर चंदेल, श्याम सिंह और प्रमोद कुमार मौर्य के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर अपने कब्जे में लिया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक के भाई संग्राम ने बताया कि सर्वेश की ससुराल असदरा थाना क्षेत्र के लतपुरवा गांव में है। करीब पांच महीने पहले उसकी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद वह उसे छोड़कर मायके चली गई थी। परिजनों के मुताबिक, इस घटना के बाद से सर्वेश परेशान रहता था।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मासूम की मौत, परिजनों में मातम

जैदपुर-बाराबंकी। जैदपुर थाना क्षेत्र के भिटौरा लखन गांव में मंगलवार की देर शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। घर के बाहर खेल रहे 12 वर्षीय किशोर को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर बुधवार को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। लेकिन परिजनों की तरफ से अभी तक तहरीर नही निलने से केस नही दर्ज हुआ है। भिटौरा लखन निवासी अंकित कुमार के पुत्र अर्पित (12) मंगलवार को देर शाम में घर के बाहर खेल रहे थे। तभी अचानक सिद्धौर की तरफ से जैदपुर की पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह सड़क पर गिर गया और मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। कुछ देर बाद जब घर वालों को घटना की जानकारी हुई तो वह मौके पर पहुंचे। लेकिन तब तक अर्पित की मौत हो चुकी थी।

वैज्ञानिक चेतना और भारतीय ज्ञान परंपरा के समन्वय से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करती है विद्या भारती-हेमचंद्र

यूथ इंडिया, सुलतानपुर



विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र द्वारा आयोजित तीन दिवसीय क्षेत्रीय विज्ञान, गणित एवं संस्कृति महोत्सव-2026 का शुभारंभ 12 नवंबर को सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ज्ञान कुंज, विवेकानंद नगर, सुलतानपुर में होगा। 14 नवंबर को समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। इस महोत्सव में क्षेत्र की आठ समितियों एवं चार प्रांतों के सभी 49 जनपदों से लगभग 1200 विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे।

महोत्सव की पूर्व संध्या पर आयोजित पत्रकार-वार्ता को संबोधित करते हुए विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री हेमचंद्र जी ने कहा कि वैज्ञानिक चेतना और भारतीय ज्ञान परंपरा के समन्वय से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना विद्या भारती का प्रमुख उद्देश्य है। प्राण, मन, बुद्धि और आत्मा का विकास विभिन्न ज्ञानेंद्रियों एवं अनुभवों के माध्यम से होता है। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर विद्या भारती विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न पाठ्य सहगामी प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में इन प्रतियोगिताओं का महत्व निरंतर बढ़ रहा है। शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ विद्यार्थी, आचार्य, अभिभावक और संगठन सभी इन गतिविधियों के प्रति सजग हुए हैं। प्रतिस्पर्धा में वृद्धि भी हमें इन आयोजनों को और अधिक सकारात्मक, रचनात्मक एवं प्रभावी बनाने के लिए प्रेरित करती है। हेमचंद्र जी ने कहा कि विद्या भारती का उद्देश्य विद्यार्थियों में अपनी संस्कृति के गौरवशाली इतिहास के प्रति भावनात्मक लगाव विकसित करना है।

विद्यार्थी ज्ञानवान, तर्कशील, चरित्रवान और राष्ट्रभक्त नागरिक बनकर राष्ट्रसेवा के लिए तत्पर हों। हमारा लक्ष्य ऐसी युवा पीढ़ी का निर्माण करना है, जो शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक रूप से सुदृढ़ हो तथा जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सके। उन्होंने कहा कि इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, तार्किक क्षमता और भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति गौरव का भाव विकसित करने के साथ ही वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का भी संचार करना है।

पत्रकार-वार्ता को कार्यक्रम के संयोजक, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के सदस्य डॉ. विनोद कुमार सिंह, मेडिकल कॉलेज सुलतानपुर के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं प्रबंधक डॉ. पवन सिंह तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने भी संबोधित किया।

किशोरी की ट्यूबेल में मिली लाश, परिजनों में कोहराम

यूथ इंडिया, कोठी-बाराबंकी



कोठी थाना क्षेत्र के सरायमीर गांव में एक दर्दनाक हादसे में 25 वर्षीय युवती की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। युवती अपने पिता के साथ खेत में काम करने गई थी। इसी दौरान खेत के पास स्थित सरकारी ट्यूबवेल के गहरे साइफन में पैर फिसल जाने से वह पानी में डूब गई।

काफी देर तक पुत्री के दिखाई न देने पर पिता ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। कुछ समय बाद एक ग्रामीण ने साइफन में युवती का शव उतराता हुआ देखा और शोर मचाकर लोगों को घटना की जानकारी दी। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, सरायमीर निवासी हौसला प्रसाद की 25 वर्षीय पुत्री ज्योति अपने पिता के साथ खेत में कुछ काम करने गई थी। खेत के पास ही सरकारी ट्यूबवेल लगा हुआ है, जिसमें गहरा साइफन बना है। बताया जाता है कि काम के दौरान ज्योति का अचानक पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चली गई। खेत में काम कर रहे पिता हौसला प्रसाद को जब पुत्री ज्योति दिखाई नहीं दी तो उन्होंने आसपास तलाश शुरू कर दी। काफी खोजबीन के बावजूद ज्योति का कोई सुराग नहीं मिला। पिता और परिजन उसकी तलाश में जुटे हुए थे, इसी दौरान एक ग्रामीण अपने खेत की ओर जा रहा था। तभी उसकी नजर ट्यूबवेल के गहरे साइफन में उतराते हुए एक युवती के शव पर पड़ी।

बांसगांव में आयोजित शिव भंडारा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

यूथ इंडिया, सुलतानपुर



बांसगांव में आयोजित शिव भंडारा में सुबह से ही बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। भंडारा में लोगों का आना-जाना लगातार जारी रहा। आयोजन को लेकर क्षेत्र के लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला।

आयोजकों के प्रयास और ग्रामीणों के सहयोग से शिव भंडारा का आयोजन किया गया। भंडारा में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर इसका लाभ उठाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों का विशेष योगदान रहा। आयोजन में मुख्य रूप से ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य (बीडीसी) एवं अन्य गणमान्य लोगों की सहभागिता रही। इस अवसर पर कई स्थानीय लोग एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजन में प्रमुख रूप से पिंटू सिंह, शिवम सिंह, हवलदार सिंह, रामबहल सिंह, पंकज सिंह, अखिलेश सिंह, गोविंद सिंह, सत्येंद्र सिंह, प्रेम प्रकाश सिंह, शुभम सिंह, राजकांत सिंह, शिवाकांत सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पिस्टल और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

यूथ इंडिया, जौनपुर

जफराबाद थाना क्षेत्र के हौज तिराहे के पास मंगलवार की रात पुलिस ने घेराबंदी कर एक युवक को अवैध पिस्टल और कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को उसकी काफी दिनों से तलाश थी।

मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर चौकी प्रभारी राधेश्याम सिंह हमराहियों के साथ हौज तिराहे पर पहुंचे। कुछ देर बाद वहां एक युवक आता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे रोककर तलाशी ली तो उसके पास से एक पिस्टल और एक कारतूस बरामद हुआ।

गिरफ्तार युवक की पहचान आकाश उर्फ कल्लू चौहान पुत्र राजदेव चौहान निवासी मसूदपुर कबुलपुर, थाना जलालपुर के रूप में हुई। थानाध्यक्ष कमलनयन दूबे ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई करते हुए उसका चालान न्यायालय भेज दिया गया।

बक्शा ब्लॉक में विधिक सेवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, ग्रामीणों को दी गई कानूनी अधिकारों की जानकारी

- **निःशुल्क कानूनी सहायता और न्याय पाने के तरीकों से कराया गया अवगत, अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने लिया जागरूकता फैलाने का संकल्प**

यूथ इंडिया, जौनपुर(बक्शा)



राष्ट्रीय विधिक सेवा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार, 11 नवंबर को विकास खंड बक्शा परिसर में विधिक सेवा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एडीओ (आरडी) संजय श्रीवास्तव ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संजय श्रीवास्तव ने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपने कानूनी अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी होना बेहद जरूरी है। विशेष रूप से गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों तक निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी पहुंचाना तथा उन्हें न्याय पाने के प्रति जागरूक करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि विधिक जागरूकता से ही लोग अपने अधिकारों के प्रति सजग होंगे और आवश्यकता पड़ने पर कानूनी सहायता प्राप्त कर सकेंगे।

कार्यक्रम में विकास खंड के अधिकारी एवं कर्मचारी, सफाईकर्मी, ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। इस दौरान केशरी प्रसाद, रविंद्र प्रताप सहित अन्य लोगों ने भी सहभागिता की।

कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को निःशुल्क कानूनी सहायता, विधिक सेवाओं और न्याय प्राप्त करने के उपलब्ध माध्यमों की जानकारी दी गई। साथ ही उपस्थित लोगों ने विधिक जागरूकता का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाने में सहयोग करने का संकल्प लिया।

छठ पूजा को लेकर घाट पर तैयारियां तेज

- **बीडीओ और एडीओ पंचायत ने किया निरीक्षण, दो दिन में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के दिए निर्देश**

यूथ इंडिया, जौनपुर(मुंगराबादशाहपुर)



क्षेत्र के प्रसिद्ध शक्तिपीठ दौलतिया हनुमान मंदिर स्थित छठ घाट पर लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियां तेज हो गई हैं। घाट की साफ-सफाई रंगाई-पुताई प्रकाश व्यवस्था और जलभराव सहित अन्य कार्यों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बुधवार को खंड विकास अधिकारी सूर्यकांत पांडेय और एडीओ पंचायत भूपेंद्र तिवारी ने घाट का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दो दिन के भीतर पूरी करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने कहा कि छठ पूजा के दौरान व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके लिए घाट पर स्वच्छ जल भरने का कार्य शुरू करा दिया गया है। चेंजिंग रूम, टायलट व अन्य जरूरी कार्य किया जा रहा है।

घाट के तीन तरफ पक्के घाट का निर्माण कराया गया है। वहीं परिसर में भगवान शिव के भव्य मंदिर का निर्माण भी जारी है। नवयुवक दल छठ पूजा समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस पर्व में हर वर्ष दस हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचते हैं। समिति के अध्यक्ष एवं संस्थापक संदीप कसेरा ने बताया कि 14 तारीख से 51 से अधिक महिलाएं पारंपरिक रूप से वेदी बनाने का कार्य शुरू करेंगी। 15 अक्टूबर को व्रती महिलाएं अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य देंगी जबकि 16 अक्टूबर को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाएगा।

छठ पर्व में खरना का विशेष महत्व है। इस दिन व्रती महिलाएं पूरे दिन उपवास रखकर शाम को गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद तैयार करती हैं। सूर्यदेव को भोग लगाने के बाद प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही व्रत का पारण किया जाता है। पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है।

घाटमपुर थौरी में आयोजित हुआ पीडीए चैपाल



लम्भुआ/सुलतानपुर। सपा सरकार बनाने के अभियान के अनुक्रम में विकास खण्ड लम्भुआ के थौरी घाटमपुर में दिनेश कुमार मौर्य के नेतृत्व में पीडीए चैपाल का आयोजन किया गया।

चैपाल में मुख्य वक्ता शिक्षक श्यामलाल निषाद गुरूजी (विधानसभा-190 लम्भुआ) ने कहा कि वोटों की सौदेबाजी के कारण चुनाव-दर चुनाव वोट देने के बावजूद समाज की समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं, पैसे के दम पर लोकतन्त्र को रौंदने वालों का प्रतिरोध व समाज के वोटों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए लोकतन्त्र पसंद साथियों को आगे आना होगा।

उक्त अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य छोटेलाल निषाद, जीशान अहमद, गुरू प्रसाद निषाद सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

डालमिया चीनी मिल के नए पेराई सत्र का विधायक सलोना कुशवाह ने किया शुभारंभ



यूथ इंडिया, शाहजहांपुर

तिलहर विधायक सलोना कुशवाह ने निगोही स्थित डालमिया चीनी मिल के नवीन पेराई सत्र का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने नारियल तोड़कर पेराई कार्य की शुरुआत की। इस अवसर पर एक किसान को माला पहनाकर सम्मानित किया और उपहार भेंट किया।

कार्यक्रम के दौरान विधायक ने किसानों और युवाओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। किसानों ने गन्ना तौल में पारदर्शिता, समय से भुगतान, पर्चियों की उपलब्धता और सुरक्षा से जुड़े मुद्दे उठाए। इस पर विधायक ने मिल प्रबंधन से वार्ता कर समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए।

उन्होंने किसानों के रात्रि विश्राम, ठंड से बचाव और अन्य जरूरी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था करने को कहा। विधायक ने स्पष्ट किया कि किसानों को किसी भी स्तर पर परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों का हित सर्वोपरि है और अन्नदाताओं की समस्याओं का समाधान कराना उनकी प्राथमिकता है। गन्ना आपूर्ति से लेकर भुगतान तक किसानों को सहूलियत मिलनी चाहिए।

एनएच-731 पर अवैध कट बन रहे मौत का कारण, तीन स्थानों पर सबसे अधिक हादसे

- **बधवारेबीर मई मोड़, शंभूगंज आदर्श इंटर कॉलेज के पीछे और कुल्हनामऊ पेट्रोल पंप के पास अवैध कट से गुजरना पड़ रहा भारी**

यूथ इंडिया, जौनपुर(बक्शा)



स्थानीय थाना क्षेत्र से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-731 पर बने अवैध कट लगातार सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। इन कटों से सड़क पार करने के दौरान कई लोग हादसों का शिकार हो चुके हैं, जिनमें कई लोगों की जान भी जा चुकी है। इसके बावजूद संबंधित विभाग की ओर से अब तक इन अवैध कटों को बंद कराने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

क्षेत्र में सबसे अधिक दुर्घटनाएं बधवारेबीर मई मोड़, शंभूगंज आदर्श इंटर कॉलेज के पीछे तथा कुल्हनामऊ पेट्रोल पंप के पास बने अवैध कटों पर होने की बात सामने आ रही है। इन स्थानों पर लोग आए दिन एक तरफ से दूसरी तरफ जाने के लिए हाईवे पार करते नजर आते हैं।

तेज रफ्तार वाहनों के बीच सड़क पार करना जानलेवा साबित हो रहा है। पुलिस प्रशासन की ओर से लगातार लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद लोग अवैध कटों से सड़क पार करने से बाज नहीं आ रहे हैं। वहीं, एनएचएआई के अधिकारियों और कर्मचारियों की ओर से इन कटों को बंद कराने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है।

बक्शा थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-731 पर अवैध कटों से सड़क पार करने के दौरान अत्यधिक दुर्घटनाएं होती हैं। इन अवैध कटों को बंद करा दिया जाए तो सड़क सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एनएचएआई विभाग को इस दिशा में गंभीरता से ध्यान देने और अवैध कटों को बंद कराने की आवश्यकता है।

वहीं, क्षेत्रीय ग्रामीणों ने भी अवैध कटों का विरोध जताते हुए इन्हें तत्काल बंद कराने की मांग की है। युवा नेता आशुतोष उपाध्याय ने भी एनएचएआई के अधिकारियों से अपील की है कि हाईवे पर बने अवैध कटों को प्रभावी ढंग से बंद कराया जाए, ताकि लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके और लोगों की जान बचाई जा सके।

लगातार हो रही दुर्घटनाओं को लेकर जब पत्रकार पंकज विश्वकर्मा ने राष्ट्रीय राजमार्ग-731 का जायजा लिया तो कई स्थानों पर लोग अवैध कटों से सड़क पार करते नजर आए। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर दुर्घटनाओं और लोगों की मौत के बाद भी जिम्मेदार विभाग कब जागेगा? स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और एनएचएआई से मांग की है कि जनहित में इन अवैध कटों को जल्द से जल्द बंद कराकर सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

तेज रफ्तार बस की टक्कर से बाइक सवार दंपती हादसे का शिकार, पत्नी की मौत, पति गंभीर

यूथ इंडिया, जौनपुर। (बक्शा)

स्थानीय थाना क्षेत्र के फतेहगंज बाजार स्थित पुलिया के पास तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार दंपती को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार शहनाज (35) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनके पति असगर गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, दंपती बाइक से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान फतेहगंज बाजार स्थित पुलिया के पास तेज रफ्तार बस ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई।

स्थानीय लोगों की मदद से घायल असगर को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, दुर्घटना के बाद बस चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस फरार बस चालक और वाहन की तलाश में जुटी है। उधर, शहनाज की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जमीरुद्दीन हाशमी ने शीर्ष नेतृत्व का जताया आभार

सुल्तानपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल (गुरुजी), जिलाध्यक्ष रघुवीर यादव एवं जिला महासचिव सलाउद्दीन अहमद के निर्देश पर जमीरुद्दीन हाशमी को जनपद सुल्तानपुर की 188 विधानसभा का अध्यक्ष नामित किया गया है।

इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर जमीरुद्दीन हाशमी ने पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व सहित समस्त वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और शुभचिंतकों के प्रति हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

पुरानी रंजिश में युवक की पीट-पीटकर हत्या, चार आरोपी गिरफ्तार

यूथ इंडिया, शाहजहांपुर, परशुरामपुरी



मिर्जापुर थाना क्षेत्र के ग्राम उईला थाथरमई में पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट में गंभीर रूप से घायल युवक महिपाल सिंह की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। मामले में पुलिस ने हत्या की धारा बढ़ाते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम उईला थाथरमई निवासी कुनेन्द्रपाल सिंह खेत में मकान बनाकर रहते हैं। दिनांक 8 नवंबर की रात करीब साढ़े आठ बजे उन्हें फोन पर सूचना मिली कि उनके भाई महिपाल सिंह को गांव के ही कुछ लोगों ने घेरकर लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया है। सूचना मिलते ही कुनेन्द्रपाल गांव पहुंचे तो महिपाल लहू लुहान हालत में जमीन पर पड़े मिले। उनके सिर में गंभीर चोटें थीं।

आरोप है कि मौके पर पहुंचकर विरोध करने पर हमलावरों ने कुनेन्द्रपाल के साथ भी गाली-गलौज और मारपीट की। इसके बाद जान से मारने की धमकी देते हुए आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजन गंभीर रूप से घायल महिपाल को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई।

पुलिस ने शुरुआत में मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। महिपाल की मौत के बाद मुकदमे में हत्या की धारा बढ़ा दी गई। इसके बाद 11 नवंबर को मिर्जापुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गांव से करीब 500 मीटर पहले घेराबंदी कर चार आरोपियों राजीव उम्र (46)वर्ष अवनीश उम्र(35) बर्ष दिनेश उम्र (38) वर्ष पुत्र अजयपाल तथा रक्षपाल उम्र (48)वर्ष पुत्र मुलायम सिंह, निवासी ग्राम उईला थाथरमई को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल की गई चार लाठियां भी बरामद की हैं। पुलिस ने गिरफ्तार चारों आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्यवाही पूरी करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया है।पुलिस अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। घटना के बाद से गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

16 नवंबर 2026 से यूपीसीए के विभिन्न आयु वर्गों के क्रिकेट पंजीकरण होंगे ऑनलाइन

यूथ इंडिया, शाहजहांपुर

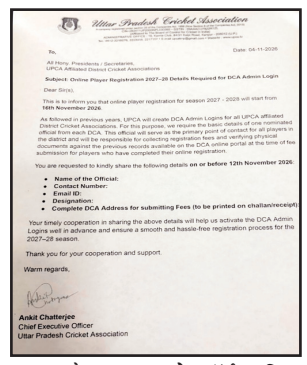
Uttar Pradesh Cricket Association

To,
All Hony. Presidents / Secretaries,
UPCA Affiliated District Cricket Associations

Date: 04-11-2026

Subject: Online Player Registration 2027–28 Details Required for DCA Admin Login

Dear Sirs,

This is to inform you that online player registration for season 2027 – 2028 will start from 16th November 2026.

As followed in previous years, UPCA will create DCA Admin Logins for all UPCA affiliated District Cricket Associations. For this purpose, we require the basic details of one nominated official from each DCA. This official will serve as the primary point of contact for all players in the district and will be responsible for collecting registration fees and verifying physical documents as well as against the previous records available on the DCA online portal at the time of fee submission for players who have completed their online registration.

You are requested to kindly share the following details on or before 12th November 2026:

- Name of the Official:
- Contact Number:
- Email ID:
- Designation:
- Complete DCA Address for submitting Fees (to be printed on challan/receipt)

Your timely cooperation in sharing the above details will help us activate the DCA Admin Logins well in advance and ensure a smooth and hassle-free registration process for the 2027–28 season.

Thank you for your cooperation and support.

Warm regards,

Ankit Chatterjee
Chief Executive Officer
Uttar Pradesh Cricket Association

प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से विभिन्न आयु वर्गों के क्रिकेट खिलाड़ियों के पंजीकरण की प्रक्रिया 16 नवंबर से शुरू की जाएगी। इसके तहत अंडर-14, अंडर-16, अंडर-19, अंडर-23 के साथ ही सीनियर पुरुष एवं महिला वर्ग के पंजीकरण फॉर्म ऑनलाइन उपलब्ध होंगे।

पंजीकरण के इच्छुक खिलाड़ी ऑनलाइन फॉर्म भरने के बाद निर्धारित शुल्क के साथ अपने फॉर्म कटिया टोला स्थित अन्नपूर्णा कार्यालय में जमा कर सकेंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष विष्णु भूषण जौहरी के पास पंजीकरण फॉर्म एवं निर्धारित फीस जमा करने की व्यवस्था की गई है।

इस संबंध में शाहजहांपुर क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव आलोक मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि 16 नवंबर से पंजीकरण प्रक्रिया प्रारंभ होगी। उन्होंने इच्छुक खिलाड़ियों से समय रहते अपना पंजीकरण कराने की अपील की।

आटा थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पार कर रही महिला ट्रेन की चपेट में आई, दर्दनाक हादसे में हुई मौत

यूथ इंडिया। आटा (जालौन)

जनपद के आटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम इटौरा गुरु में एक दर्दनाक हादसा हो गया। रेलवे ट्रैक पार कर रही 46 वर्षीय महिला अचानक कानपुर की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।



घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इटौरा गुरु गांव निवासी 46 वर्षीय सुनीता देवी मंगलवार शाम को किसी कार्य से आटा आई हुई थीं। शाम करीब पांच बजे जब वह रेलवे ट्रैक पार कर रही थीं, तभी वह ट्रेन की चपेट में आ गईं। परिजनों ने बताया कि महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी।

हादसे की सूचना पाकर तत्काल स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए उरई भिजवाया। मृतका के परिवार में पति के अलावा दो बेटे और एक बेटी हैं। उनके पति मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। मां की इस तरह अचानक और असमय मौत से बच्चों तथा परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

डबल डेकर बसों का बेखौफ संचालन, सुरक्षा दांव पर

यूथ इंडिया। बांगरमऊ

नगर में निजी कंपनियों की डबल डेकर बसों का संचालन यात्रियों की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। इन बसों में कथित तौर पर क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने के साथ छत पर मोटरसाइकिल और भारी सामान लादकर ले जाया जा रहा है। नियमों को ताक पर रखकर हो रहे इस संचालन से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही है।

नगर के लखनऊ रोड से लेकर संडीला रोड और हरदोई-उन्नाव रोड, बिल्हौर तिराहे से निजी कंपनियों की कई डबल डेकर बसें लगातार फर्राटा भर रही हैं। बस संचालकों ने नगर में जगह-जगह अपने कार्यालय खोल रखे हैं, जहां एजेंटों के माध्यम से यात्रियों को बसों में बैठाया जाता है। आरोप है कि बेहतर सीट और सुविधाओं का भरोसा देकर बसों में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां भरी जाती हैं। ये बसें अलग-अलग प्रदेशों जैसे दिल्ली, पंजाब, चंडीगढ़ को यात्रियों को लाने और ले जाने का काम कर रही हैं।

सबसे गंभीर स्थिति बसों की छत पर मोटरसाइकिल और भारी सामान लादकर ले जाने की है। इससे बसों का संतुलन प्रभावित होने के साथ सड़क पर चलने वाले अन्य वाहनों के लिए भी खतरा पैदा हो सकता है। वहीं, रास्ते में जगह-जगह बसें खड़ी कर सवारियों को उतारने और बैठाने से यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होती है। व्यस्त मार्गों पर इस तरह बसों का रुकना दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ा रहा है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर पूर्व में हुए बस हादसों के बाद भी निजी बसों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठते रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर में लंबे समय से इन बसों का संचालन हो रहा है, लेकिन परिवहन विभाग और आरटीओ की ओर से नियमित जांच को लेकर कोई प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं देती। लोगों ने सवाल उठाया कि क्या इन बसों के परमिट, फिटनेस, निर्धारित यात्री क्षमता और सुरक्षा मानकों की जांच की जा रही है?

शॉर्ट सर्किट से कच्चे मकान में लगी भीषण आग

कदौरा (जालौन)। जनपद के कदौरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बड़ागांव में मंगलवार की रात शॉर्ट सर्किट के चलते एक कच्चे मकान में अचानक भीषण आग लग गई। आग ने कुछ ही पलों में विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे पूरा मकान आग के गोले में तब्दील हो गया। इस दर्दनाक हादसे में घर में रखी पचास हजार रुपये की नकदी और तीन कुंतल गेहूं व पचास किलो चने समेत पूरी गृहस्थी जलकर खाक हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बड़ागांव निवासी परी किन्नर के कच्चे मकान में संदिग्ध परिस्थितियों में उठी चिंगारी से आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को भी घर में रखा सामान सुरक्षित बाहर निकालने का मौका नहीं मिल सका। मकान से उठती ऊंची लपटों को देखकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर दौड़े और अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। बाद में सूचना पाकर पहुंची दमकल गाड़ियों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। कदौरा थाना प्रभारी परमेंद्र सिंह ने बताया कि दमकल कर्मियों की मदद से आग को बुझा लिया गया है। इस अग्निकांड में गृहस्थी का अधिकांश सामान क्षतिग्रस्त हुआ है। इस अचानक हुए हादसे के बाद पीड़ित परिवार के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है, जिससे उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

हर्षोल्लास के साथ स्थापित हुई साईं बाबा की मूर्ति



फतेहपुर चौरासी (उन्नाव)। स्थानीय क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा के मोहल्ला नेहरू नगर में स्थित गौरीशंकर महादेव मंदिर परिसर में स्थित मंदिर साई बाबा की मूर्ति स्थापना बड़े हर्षोल्लास के साथ स्थापित की गई। कस्बा फतेहपुर चौरासी के मोहल्ला नेहरू नगर में गौरी शंकर मंदिर परिसर में स्थित मंदिर में आज साईं बाबा की मूर्ति की स्थापना विधि विधान से आचार्य गणों के मंत्रोच्चारण के साथ की गई। मूर्ति की स्थापना कृष्णकांत दीक्षित के संयोजन में हुई। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र राज्य में शिरडी से वह मूर्ति यहां लाकर स्थापित कराई। हवन पूजन के बाद नगर तथा क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने भंडारे का प्रसाद भी ग्रहण किया।

खाटू श्याम महोत्सव को लेकर हुआ भूमि पूजन

कोंच (जालौन)। नगर में आगामी 18 नवंबर को आयोजित होने वाले सातवें श्री खाटू श्याम महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। बुधवार को नगर के एसआरपी इंटर कॉलेज ग्राउंड में महोत्सव के आयोजन को लेकर विधि-विधान के साथ भूमि पूजन संपन्न हुआ। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन, पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता और कार्यक्रम अध्यक्ष पुष्पेंद्र उर्फ पिंकू फुलैला ने संयुक्त रूप से पूजन कर कार्यक्रम की सफलता की कामना की। श्री खाटू श्याम महोत्सव मंडल के सदस्यों ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह वार्षिक उत्सव पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। विधायक और पालिकाध्यक्ष ने जानकारी दी कि 18 नवंबर 2026 को होने वाले इस भव्य महोत्सव में प्रसिद्ध भजन गायक सरदार हरमिंदर सिंह रोमी, गौरी शरण, अपर्णा अनंत मिश्रा और प्रवीण जैन अपनी मधुर आवाज़ में भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। महोत्सव के लिए एसआरपी इंटर कॉलेज मैदान में एक विशाल और आकर्षक पंडाल तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही बाबा श्याम का विशेष पुष्पों से भव्य श्रृंगार कर छप्पन प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया जाएगा। आयोजन के तहत 18 नवंबर को सुबह 9 बजे नगर के मुरली मनोहर मंदिर से भव्य पालकी निशान यात्रा निकाली जाएगी, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए एसआरपी इंटर कॉलेज ग्राउंड पहुंचेगी, जहां प्रसाद वितरण के बाद शाम 6 बजे से भव्य भजन संध्या का शुभारंभ होगा। इस अवसर पर डॉ. आलोक निरंजन, राजू दतिया वाले, बॉबी पचीपुरा, कुलदीप सोनी, दिवाकर सोनी, अभय सोनी, रोनू पटवा, देवेंद्र पाठक सहित तमाम मंडल के सदस्य व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भैया दूज पर हर्षोल्लास के साथ पूजी गईं दौज

कोंच (जालौन)। बुंदेलखंड और ब्रज क्षेत्र में भाई दूज के पावन पर्व पर दौज महारानी की पूजा करने की पारंपरिक परंपरा पूरी श्रद्धा के साथ निभाई गई। महिलाओं ने घरों के द्वारों पर गोबर से दौज महारानी की आकृति बनाकर विधि-विधान से पूजन किया और कथा सुनी। इसके साथ ही दीपावली के अवकाश के बाद शहर के व्यापारिक प्रतिष्ठानों के कपाट भी खुल गए, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद नया व्यावसायिक कार्य शुरू हुआ। बुधवार को भैया दूज के पर्व के साथ ही पांच दिवसीय प्रकाश पर्व का समापन हो गया। महिलाओं ने अपनी बहुओं और बेटियों के साथ मिलकर घरों के दरवाजों पर गोबर से दौज महारानी बनाई और पारंपरिक अनुष्ठान पूरा किया। मान्यता के अनुसार इस पूजा में गोबर पर कटैया रखकर मूसल से कुचला जाता है, और इस दौरान पुरुषों का उपस्थित रहना या कथा सुनना पूरी तरह वर्जित माना गया है। दूसरी ओर, दीपावली पूजन के बाद दो दिनों से बंद पड़े बाजार और व्यापारिक प्रतिष्ठान बुधवार को रौनक से भर गए। कारोबारियों ने अपनी दुकानों व प्रतिष्ठानों में वाणिज्यिक उपकरणों के साथ भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की तथा ग्राहकों को प्रसाद वितरित कर नए व्यावसायिक सत्र की शुरुआत की।

भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक भाई दूज पर्व धूमधाम से संपन्न, बहनों ने की भाइयों की लंबी उम्र की कामना

कोंच (जालौन)। भाई-बहन के आत्मीय और पवित्र रिश्तों का प्रतीक भाई दूज का पर्व जनपद में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर रोली और अक्षत का तिलक लगाकर उनकी दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इसके बदले भाइयों ने भी अपनी बहनों की हर परिस्थिति में रक्षा करने का संकल्प लेते हुए सामर्थ्यानुसार उपहार भेंट किए। पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन बहनें अपने भाइयों को तिलक करने के बाद सूखा नारियल प्रदान करती हैं। इस पर्व से जुड़ी पौराणिक कथा के अनुसार, इसी दिन यमराज अपनी बहन यमुना के घर गए थे, जहां यमुना जी ने उनका आदर-सत्कार कर भोजन कराया था। इससे प्रसन्न होकर यमराज ने वरदान दिया था कि जो भाई इस दिन अपनी बहन से टीका करवाएगा, उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहेगा। इसी धार्मिक आस्था के चलते भाई-बहन के इस पवित्र रिश्ते का यह पर्व शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक पूरे उत्साह के साथ मनाया गया।

आज से शुरू होगा 74वां श्रीकृष्ण लीला महोत्सव

बांगरमऊ। नगर में श्री दुर्गेश्वर कृष्ण लीला समिति के तत्वावधान में गुरुवार (12 नवंबर) से 74वें श्रीकृष्ण लीला महोत्सव का शुभारंभ होगा। महोत्सव का आयोजन नानामऊ मार्ग स्थित श्री दुर्गेश्वर महादेव मंदिर के समीप श्रीकृष्ण लीला मैदान में किया जाएगा। आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस बार महोत्सव में वृंदावन के स्वर्गीय हीरालाल शर्मा लीला मंडल के व्यवस्थापक नंदकिशोर शर्मा के निर्देशन में बाल कलाकार भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न बाल लीलाओं का सजीव मंचन करेंगे। लीला मंडल की ओर से प्रतिदिन सुबह आठ बजे से 11 बजे तक श्रीराम लीलाओं का मंचन किया जाएगा।

धूमधाम से मनाया भैया दूज का पर्व

यूथ इंडिया। फतेहपुर चौरासी (उन्नाव)



भैया दूज का पर्व नगर एवं समूचे क्षेत्र में आज बुधवार को बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने अपने भाइयों की पूजा अर्चना के साथ ही अपने भैया के टीका लगाकर उनकी दीर्घायु कामना की और इस के साथ ही बहनो को भाइयों ने उपहार भी भेंट किया।

दीपावली त्यौहार के अन्तर्गत आज यम द्वितीया के दिन भाई बहन के पर्व भैया दूज का पर्व मनाया गया। भैया दूज पर आज टीका लगाने का शुभ मुहूर्त रहा। भाई-बहन के पवित्र प्यार के इस त्योहार को लेकर बहनों ने सुबह से ही तैयारियां पूरी कर ली थी। भैया दूज त्योहार पर घरों में बहनों ने आकर्षक रंगोली सजाई । इसके बाद पूजा अर्चना कर भैया के टीका लगाकर उनकी लम्बी उम्र की कामना करती हैं। उधर भाइयों ने भी अपनी प्यारी बहना के लिए उपहार खरीदे करके भेट किये ।

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान सूर्य नारायण की पत्नी का नाम छाया था। उनकी कोख से यमराज तथा यमुना का जन्म हुआ था। यमुना यमराज से बड़ा स्नेह करती थी। वह उससे बराबर निवेदन करती कि इष्ट मित्रों सहित उसके घर आकर भोजन करो। अपने कार्य में व्यस्त यमराज बात को टालता रहा। कार्तिक शुक्ला का दिन आया। यमुना ने उस दिन फिर यमराज को भोजन के लिए निमंत्रण देकर, उसे अपने घर आने के लिए वचनबद्ध कर लिया। यमराज ने सोचा कि मैं तो प्राणों को हरने वाला हूं। मुझे कोई भी अपने घर नहीं बुलाना चाहता।

बहन जिस सद्भावना से मुझे बुला रही है, उसका पालन करना मेरा धर्म है। बहन के घर आते समय यमराज ने नरक निवास करने वाले जीवों को मुक्त कर दिया। यमराज को अपने घर आया देखकर यमुना की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने स्नान कर पूजन करके व्यंजन परोसकर भोजन कराया। यमुना द्वारा किए गए आतिथ्य से यमराज ने प्रसन्न होकर बहन को वर मांगने का आदेश दिया।

यमुना ने कहा कि भैया आप प्रति वर्ष इसी दिन मेरे घर आया करो। मेरी तरह जो बहन इस दिन अपने भाई को आदर सत्कार करके टीका करे, उसे तुम्हारा भय न रहे। यमराज ने तथास्तु कहकर यमुना को अमूल्य वस्त्राभूषण देकर यमलोक की राह की। इसी दिन से पर्व की परम्परा बनी।

28 नवंबर से साकेतधाम रामलीला मैदान में गूंजेगी श्रीमद्भागवत कथा की अमृतवर्षा

- वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर सुनाएंगे श्रीमद्भागवत कथा, शुभारंभ पर निकलेगी भव्य कलश यात्रा; दो हजार कलशों की होगी व्यवस्था

यूथ इंडिया। उन्नाव



शहर में आगामी श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन को भव्य और दिव्य स्वरूप देने की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में आईबीपी चौराहा स्थित कैंप कार्यालय में सदर विधायक पंकज गुप्ता ने आयोजन को लेकर तैयारी बैठक की। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा, व्यवस्थाओं और आयोजन को सफल बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

सदर विधायक पंकज गुप्ता ने बताया कि 28 नवंबर से साकेतधाम रामलीला मैदान में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। इसमें वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर अपने श्रीमुख से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराएंगे। कथा के शुभारंभ अवसर पर सुबह 10 बजे हनुमान मंदिर में विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया जाएगा। इसके बाद आईबीपी चौराहा स्थित कैंप कार्यालय से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी।

कलश यात्रा को भव्य स्वरूप देने के लिए आयोजकों की ओर से दो हजार कलशों की व्यवस्था की गई है। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। विधायक ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का उद्देश्य लोगों को धर्म और आध्यात्म से जोड़ना तथा भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं, आदर्शों और उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना है।

बैठक में आयोजन को लेकर सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने और श्रद्धालुओं की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। इस दौरान ब्लाक प्रमुख नीरज गुप्ता, नर सेवा-नारायण सेवा समिति के विमल द्विवेदी, प्रदीप सिंह, पवन सिंह, सभासद बृजेश पांडेय, सभासद मुन्ना सिंह, नवीन सिन्हा, रामबोध शुक्ला, जीएस भदौरिया और मनीष सेंगर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

यातायात जागरूकता अभियान में 445 वाहनों के ई-चालान, अतिक्रमण भी हटवाया

यूथ इंडिया। उन्नाव



यातायात जागरूकता माह-नवंबर 2026 के तहत उन्नाव पुलिस ने यातायात नियमों का पालन कराने और शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष प्रवर्तन एवं जनजागरूकता अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी यातायात प्रदीप कुमार मौर्य के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक यातायात सुनील कुमार सिंह ने यातायात पुलिस टीम के साथ अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले 445 वाहन चालकों के ई-चालान किए। इसके साथ ही सड़क किनारे किए गए अवैध अतिक्रमण को हटवाकर यातायात बाधाओं को दूर कराया गया।

अभियान के दौरान आईबीपी चौराहे से बड़ा चौराहा तक सड़क के दोनों ओर ठेले और दुकानदारों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को हटवाया गया। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराना और आवागमन को सुगम बनाना रहा। वहीं, भैया दूज पर्व के मद्देनजर शहर के प्रमुख चौराहों और तिराहों पर यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती गई। निर्धारित स्थानों पर चार पहिया वाहनों और ई-रिक्शों का आवश्यकतानुसार डायवर्जन कर भीड़भाड़ और जाम की स्थिति से निपटने के इंतजाम किए गए।

प्रभारी निरीक्षक यातायात सुनील कुमार सिंह ने टीम के साथ बड़ा चौराहा पर वाहन चालकों को रोककर यातायात नियमों की जानकारी दी। इस दौरान पंपलेट वितरित कर दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करने और अन्य यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की गई।

वहीं, सघन चेकिंग अभियान के दौरान दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी बैठाने, बिना हेलमेट वाहन चलाने, चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट का प्रयोग न करने समेत अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुल 445 वाहनों के ई-चालान किए गए।

इस अभियान में प्रभारी परिवार परामर्श समिति डॉ. आशीष श्रीवास्तव का भी सराहनीय सहयोग रहा। इस दौरान उपनिरीक्षक तिलक सिंह, उपनिरीक्षक अनिल कुमार, उपनिरीक्षक विनय प्रजापति,मुख्य आरक्षी महेश प्रसाद पांडेय, आरक्षी मुकेश राजपूत और होमगार्ड सुजीत कुमार सहित यातायात पुलिस टीम मौजूद रही।

भैया दूज पर यमुना के विभिन्न घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

यूथ इंडिया। कालपी (जालौन)



धर्मनगरी कालपी में भैया दूज एवं यम द्वितीया का पर्व पूरी श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर यमुना नदी के प्रसिद्ध बिहारी घाट, राधा-माधव घाट, पीला घाट और डोढ़ेश्वर मंदिर तट पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंच कर आस्था की डुबकी लगाई। सुबह से ही यमुना तटों पर गूंजते धार्मिक जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय नजर आया।

बुधवार तड़के से ही स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। महिलाओं और पुरुषों ने पवित्र यमुना जल में स्नान कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा ब्राह्मणों व जरूरतमंदों को दान-पुण्य कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पंडित अशोक बाजपेई ने पर्व के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यम द्वितीया के दिन यमुना स्नान और बहन के यहां तिलक कराने से अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति मिलती है।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। दीपावली के दिन हुई एक दुर्घटना के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी सदानंद सिंह और एसडीएम विनय कुमार मौर्य के मार्गदर्शन में भारी पुलिस बल तैनात रहा। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने पुलिस टीम के साथ घाटों पर लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और श्रद्धालुओं को सतर्क रहने की हिदायत दी।

दुर्गा मंदिर चौराहे पर फोरलेन हाईवे का अनाधिकृत कट बना हादसों का सबब

यूथ इंडिया। कालपी (जालौन)



स्थानीय नगर के अत्यंत व्यस्त और भीड़भाड़ वाले दुर्गा मंदिर चौराहे के समीप झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 27 के फोरलेन मार्ग के बीच में बनाए गए अनाधिकृत कट से सड़क हादसों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इस अवैध कट के कारण आए दिन वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय नागरिकों ने इस पर गंभीर चिंता जताते हुए संबंधित उच्चाधिकारियों से इसे तत्काल बंद कराने की मांग की है। दुर्गा मंदिर चौराहा नगर का एक प्रमुख और व्यस्ततम केंद्र है, जहां चारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठान, आवासीय बस्तियां और मंदिर स्थित होने के कारण दिनभर भारी आवाजाही बनी रहती है।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि हाईवे के मीडियन में किसी अनाधिकृत स्थान पर कट होने के कारण वाहन चालक अचानक अपनी दिशा बदल देते हैं, जिससे तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आने से दोपहिया चालकों और पैदल राहगीरों के लिए गंभीर दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

नागरिकों ने मांग की है कि जनसुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना प्रबंधक और संबंधित अधिकारियों को इस अनाधिकृत कट का स्थलीय निरीक्षण करना चाहिए तथा इसे तुरंत बंद करवाना चाहिए। साथ ही चौराहे पर आवश्यक यातायात संकेतक और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने की मांग की गई है ताकि किसी बड़े हादसे को टाला जा सके।

भाई दूज पर रोडवेज बस स्टैंड पर उमड़ी भीड़, सीटों के लिए यात्रियों में धक्कामुक्की

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



भाई दूज के पर्व पर बुधवार को फर्रुखाबाद रोडवेज बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही हरदोई, एटा, बरेली और सांडी सहित विभिन्न मार्गों पर जाने वाले यात्री बसों के इंतजार में परेशान होते रहे। बसों की कमी और जाम के चलते यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा। बस पहुंचते ही सीट पाने के लिए यात्रियों में धक्कामुक्की शुरू हो गई।

शाम करीब चार बजे हरदोई और एटा जाने वाली बसों की घोषणा होते ही यात्रियों में पहले बस में चढ़ने की होड़ लग गई। स्थिति यह रही कि कुछ लोग बच्चों को बस की खिड़कियों से अंदर चढ़ाकर सीट पर कब्जा कराने का प्रयास करते दिखाई दिए। इससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रही। बस स्टैंड के बाहर सड़क किनारे खड़ी निजी बसों में भी यात्रियों को बैठाया जा रहा था। यात्रियों ने निजी बस संचालकों पर मनमाना किराया वसूलने का आरोप लगाया।

बस के इंतजार में खड़े सुरेश चंद्र ने बताया कि उन्हें हरदोई जाना है और वह पिछले दो घंटे से बस स्टैंड पर खड़े हैं, लेकिन अभी तक बस नहीं मिली। वहीं बरेली जाने वाले गौरव ने बताया कि उन्होंने जनरथ बस में रिजर्वेशन कराया था, इसके बावजूद दो घंटे से इंतजार करना पड़ रहा है। बस का निर्धारित समय निकल जाने के बाद पूछताछ में जाम में फंसे होने की जानकारी दी गई। दूसरी बस भी उपलब्ध नहीं थी।

सांडी जाने वाले जितेंद्र राठौर ने बताया कि वह एक घंटे से बस का इंतजार कर रहे हैं। यात्रियों को बसों के रूट को लेकर भी असमंजस का सामना करना पड़ रहा है। पहले फर्रुखाबाद डिपो की बस को हरदोई जाने की जानकारी दी गई, लेकिन यात्रियों के बैठने के बाद उसे एटा भेजने की बात कही गई। इससे यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी।

भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों की सुरक्षा के लिए बस स्टैंड पर पुलिसकर्मियों के साथ महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती रही। पुलिसकर्मी लगातार भीड़ पर नजर रखते हुए व्यवस्था संभालते दिखाई दिए।

इस संबंध में एआरएम राजेश कुमार ने बताया कि फर्रुखाबाद डिपो की 116 बसें विभिन्न मार्गों पर संचालित की जा रही हैं। जिस मार्ग पर यात्रियों की संख्या अधिक होती है, वहां बसों को भेजा जाता है। उन्होंने स्वीकार किया कि एटा और हरदोई मार्ग पर परेशानी आ रही है। दोनों तरफ जाम होने के कारण बसें समय पर डिपो नहीं पहुंच पा रही हैं, जिससे संचालन प्रभावित हो रहा है।

बेतवा नदी में नहाने गया 21 वर्षीय युवक गहरे पानी में डूबा, एसडीआरएफ की टीम तलाश में जुटी

यूथ इंडिया। उरई (जालौन)



जनपद के डकोर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत बेतवा नदी में नहाने के दौरान बुधवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। दोस्तों के साथ नदी में स्नान करने पहुंचा 21 वर्षीय युवक अचानक गहरे पानी में चले जाने से डूब गया। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया और मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम गोताखोरों के साथ मिलकर युवक की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उरई कोतवाली क्षेत्र के राहिया गांव निवासी 21 वर्षीय बॉबी बुधवार दोपहर को अपने कुछ दोस्तों के साथ डकोर कोतवाली क्षेत्र के टीकर गांव के पास बेतवा नदी पर नहाने गया था।

दोपहर करीब दो बजे सभी दोस्त नदी में स्नान कर रहे थे, तभी बॉबी गहरे पानी की तरफ चला गया। पानी की गहराई का अंदाजा न होने के कारण वह अचानक डूबने लगा। साथ मौजूद दोस्तों ने उसे बचाने का काफी प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लेते हुए उच्चाधिकारियों को अवगत कराया।

इसके बाद एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया, जो लगातार नदी की धारा में उतरकर सर्च ऑपरेशन चला रही है। इस अप्रत्याशित हादसे के बाद से युवक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। समाचार लिखे जाने तक युवक का कोई सुराग नहीं मिल सका था।

नाम पूछा, पुष्टि होते ही दुकानदार पर झोंक दिया फायर, जानलेवा हमले में हिमांशु केसरवानी पर मुकदमा दर्ज

यूथ इंडिया, नैनी/ प्रयागराज



नैनी कोतवाली क्षेत्र के खान चौराहे पर चाय दुकानदार को गोली मारने की कोशिश के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। भुक्तभोगी सोनू गुप्ता की तहरीर पर डांडी निवासी हिमांशु केसरवानी पुत्र जमुना केसरवानी के खिलाफ जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज किया गया है। दिनदहाड़े नहीं, बल्कि मंगलवार देर रात हुई इस वारदात में दुकानदार बाल-बाल बच गया। गोली चलाकर हमलावर मौके से फरार हो गया था। अब मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

जानकारी के मुताबिक नैनी के खान चौराहा निवासी सोनू गुप्ता पुत्र राजू गुप्ता अपने घर पर ही चाय की दुकान चलाते हैं। मंगलवार की रात वह दुकान पर बैठे थे। बताया जाता है कि घटना से कुछ देर पहले उनके मोबाइल पर किसी का फोन आया था। इसके बाद लाल रंग की स्कूटी पर सवार एक युवक वहां पहुंचा। युवक ने चेहरे पर लाल गमछा बांध रखा था। दुकान पर पहुंचते ही उसने पहले सोनू का नाम पूछा। नाम की पुष्टि होते ही उसने अचानक तमंचे से फायर झोंक दिया। गनीमत रही कि गोली उन्हें नहीं लगी और उनकी जान बच गई। वारदात के बाद आरोपी स्कूटी लेकर फरार हो गया।

गोली की आवाज सुनते ही चौराहे पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के दुकानदार और स्थानीय लोग दहशत में आ गए। सूचना पर एग्रीकल्चर चौकी प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। कुछ ही देर में एसीपी करछना कुंजलता भी मौके पर पहुंचीं। उन्होंने पीड़ित से घटना की जानकारी ली और पुलिसकर्मियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

घटना के बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। बताया जा रहा है कि फुटेज में लाल रंग की स्कूटी से पहुंचे और चेहरे पर लाल गमछा बांधे युवक की तस्वीर सामने आई है। इसी आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

हैरानी की बात यह है कि सोनू गुप्ता की इसी चाय की दुकान पर कई साल पहले भी गोली चलने की घटना हो चुकी है। उस समय करेली निवासी एक युवक को निशाना बनाया गया था। उस मामले में भी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी को पकड़ा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि दुकान देर रात तक खुली रहती है। हालांकि इस बार फायरिंग के पीछे की असली वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

एसीपी करछना कुंजलता ने बताया कि भुक्तभोगी सोनू गुप्ता की तहरीर पर हिमांशु केसरवानी पुत्र जमुना केसरवानी निवासी डांडी, नैनी के खिलाफ जानलेवा हमले के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच और आगे की कार्रवाई में जुटी है।

विधायक के कार्यों की गूंज नूरीगंज में सम्मान समारोह में उमड़ा जनसैलाब

यूथ इंडिया, भटनी,देवरिया



भटनी से रामपुर कारखाना तक विकास कार्यों को लेकर विधायक सुरेंद्र चौरसिया की चर्चा तेज है। छोटी गंडक नदी पर नूरीगंज के समीप पक्के दीर्घ सेतु की स्वीकृति मिलने पर आयोजित स्वागत एवं सम्मान समारोह में उनके प्रथम आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय जनता ने फूल मालाओं से जोरदार अभिनंदन किया। इस पुल के लिए शासन ने 28 करोड़ 43 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं। जिसमें वित्तीय वर्ष 2026-27 में 9 करोड़ 95 लाख 5 हजार रुपये अवमुक्त किए गए हैं।

इससे यूपी-बिहार के हजारों लोगों का आवागमन आसान होगा। विधायक सुरेंद्र चौरसिया ने कहा कि भटनी फ्लाईओवर आगामी दो से तीन महीने में तैयार होने की उम्मीद है। बलुआ अफगान,सड़क का जाल बिछाकर, बिजली,आवास योजना, भरहे चौरा में पुल निर्माण और नोनापार सहित विभिन्न क्षेत्रों में सड़क निर्माण के कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विकास जारी है। चेयरमैन विजय कुमार गुप्ता ने इसे ऐतिहासिक सौगात बताया। मंडल अध्यक्ष रोहित मिश्रा ने विकास कार्यों की सराहना की। पूर्व चेयरमैन रमेशचंद्र वर्मा ने इसे क्षेत्र की तस्वीर बदलने वाला कदम बताया। अशोक गुप्ता ने हजारों परिवारों के लिए इसे बड़ी उपलब्धि कहा। दीपक वर्मा ने पीपा पुल की जगह पक्के पुल की स्वीकृति को बड़ी सौगात बताया।

कुंदन सिंह ने यूपी-बिहार के संपर्क को मजबूती मिलने की बात कही। शेषनाथ कुशवाहा, शिव शंकर मौर्य, सलीम अली और लालबिहारी प्रजापति ने भी विधायक के प्रयासों की सराहना की। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष योगेश प्रजापति, जिला पंचायत सदस्य अजीत सिंह, अशोक कुमार वर्मा, आशीष पासवान, अजय तिवारी, शिव शंकर मौर्य, लालबिहारी प्रजापति, अनिल कुमार शर्मा, शेषनाथ कुशवाहा, सलीम अली, विनय सिंह, पवन मद्धेशिया, सुभाष वर्मा, चंचल शुक्ला, जयचन साहनी, सौरभ सिंह, नंदजी मद्धेशिया, पिंटू मद्धेशिया, संजय, रमेश सहदेव, बाजीलाल, विशम्बर, ओमनाथ, टुनटुन, मनोज, उमेश, राजेश, रियाज अंसारी, शिवनाथ प्रसाद, रोशन, धर्मेंद्र साहनी, अमित, इरशाद अली, साजिद अली, रिशु तिवारी और रवि साहनी मौजूद रहे। संचालन अधिवक्ता प्रतीक मिश्रा ने किया।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत अमेठी के 61 मृतक किसानों के आश्रितों को मिली 2.90 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता

यूथ इंडिया, अमेठी



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हॉल से मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत प्रदेश के 4300 लाभार्थियों को कुल 215 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता राशि वितरित की। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से राजस्व विभाग के लिए नवचयनित 1146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

उक्त कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद अमेठी में तहसील गौरीगंज स्थित एनआईसी में किया गया। इस अवसर पर विधायक गौरीगंज राकेश प्रताप सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक अमृता सिंह, उप जिलाधिकारी गौरीगंज दिशा श्रीवास्तव सहित मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लाभार्थी एवं अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

सभी ने मुख्यमंत्री जी के संबोधन एवं कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा और सुना। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों एवं उनके परिवारों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

खेती-किसानी के दौरान किसी दुर्घटना में किसान की मृत्यु अथवा दिव्यांगता की स्थिति में उसके परिवार को आर्थिक संकट से बचाने के लिए मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सरकार का प्रयास है कि संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को समयबद्ध तरीके से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें संबल प्रदान किया जाए।

उन्होंने कहा कि युवाओं को पारदर्शी एवं निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता, योग्यता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करते हुए युवाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम के उपरांत विधायक गौरीगंज राकेश प्रताप सिंह द्वारा जनपद अमेठी में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत स्वीकृत सहायता राशि के प्रतीकात्मक चेक 61 मृतक किसानों के निकटतम विधिक वारिसानों को वितरित किए गए।

पोखरे में गिरी कार, छठ मनाने गांव जा रहा परिवार बाल-बाल बचा

यूथ इंडिया, भटनी,देवरिया



भटनी से रामपुर कारखाना तक विकास कार्यों को लेकर विधायक सुरेंद्र चौरसिया की चर्चा तेज है। छोटी गंडक नदी पर नूरीगंज के समीप पक्के दीर्घ सेतु की स्वीकृति मिलने पर आयोजित स्वागत एवं सम्मान समारोह में उनके प्रथम आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय जनता ने फूल मालाओं से जोरदार अभिनंदन किया। इस पुल के लिए शासन ने 28 करोड़ 43 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं। जिसमें वित्तीय वर्ष 2026-27 में 9 करोड़ 95 लाख 5 हजार रुपये अवमुक्त किए गए हैं।

इससे यूपी-बिहार के हजारों लोगों का आवागमन आसान होगा। विधायक सुरेंद्र चौरसिया ने कहा कि भटनी फ्लाईओवर आगामी दो से तीन महीने में तैयार होने की उम्मीद है। बलुआ अफगान,सड़क का जाल बिछाकर, बिजली,आवास योजना, भरहे चौरा में पुल निर्माण और नोनापार सहित विभिन्न क्षेत्रों में सड़क निर्माण के कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विकास जारी है। चेयरमैन विजय कुमार गुप्ता ने इसे ऐतिहासिक सौगात बताया। मंडल अध्यक्ष रोहित मिश्रा ने विकास कार्यों की सराहना की। पूर्व चेयरमैन रमेशचंद्र वर्मा ने इसे क्षेत्र की तस्वीर बदलने वाला कदम बताया। अशोक गुप्ता ने हजारों परिवारों के लिए इसे बड़ी उपलब्धि कहा। दीपक वर्मा ने पीपा पुल की जगह पक्के पुल की स्वीकृति को बड़ी सौगात बताया।

कुंदन सिंह ने यूपी-बिहार के संपर्क को मजबूती मिलने की बात कही। शेषनाथ कुशवाहा, शिव शंकर मौर्य, सलीम अली और लालबिहारी प्रजापति ने भी विधायक के प्रयासों की सराहना की। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष योगेश प्रजापति, जिला पंचायत सदस्य अजीत सिंह, अशोक कुमार वर्मा, आशीष पासवान, अजय तिवारी, शिव शंकर मौर्य, लालबिहारी प्रजापति, अनिल कुमार शर्मा, शेषनाथ कुशवाहा, सलीम अली, विनय सिंह, पवन मद्धेशिया, सुभाष वर्मा, चंचल शुक्ला, जयचन साहनी, सौरभ सिंह, नंदजी मद्धेशिया, पिंटू मद्धेशिया, संजय, रमेश सहदेव, बाजीलाल, विशम्बर, रवि साहनी मौजूद रहे।

चिकित्सा सेवाओं मे उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं डा.रोहित वैसवार-पी.के.तिवारी

कमरौली,अमेठी। औद्योगिक क्षेत्र जगदीशपुर स्थित आधुनिक सुविधाओं से लैस इंडेरामा जन सेवा ट्रस्ट हॉस्पिटल में कार्यरत वरिष्ठ चिकित्सक डा.रोहित वैसवार (एमडी) से कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान के प्रबंधक एवं समाजसेवी पी.के.तिवारी ने शिष्टाचार मुलाकात कर विभिन्न सामाजिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की,मुलाकात के दौरान समाजसेवी पी.के.तिवारी ने डा.रोहित वैसवार द्वारा चिकित्सा के क्षेत्र में दिए जा रहे उत्कृष्ट योगदान की सराहना करते हुए कहा कि चिकित्सक समाज के महत्वपूर्ण स्तंभ होते हैं, उनके समर्पण,सेवाभाव एवं अनुभव से न केवल मरीजों को बेहतर उपचार मिलता है बल्कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है, औद्योगिक क्षेत्र जगदीशपुर मे इंडेरामा जन सेवा ट्रस्ट हॉस्पिटल जैसी चिकित्सा संस्थाओं का होना क्षेत्रवासियों के लिए महत्वपूर्ण है।

थाने के बैरक में नहीं रहते उपनिरीक्षक व सिपाही

यूथ इंडिया, बरहज, देवरिया

बरहज थाने का पुराना बैरक जर्जर हो गया है, जिसमें रहना जोखिम भरा हो गया है। इस कारण यहां तैनात ज्यादातर सिपाही और उपनिरीक्षक अपने निजी आवास व किराए के कमरे में रहते हैं।

कुछ पुलिसकर्मी ही नए बैरक में रहते हैं, जहां पेयजल व्यवस्था सहित सुरक्षा के पूरे इंतजाम हैं।

पुराने बैरक की छत और दीवारें काफी कमजोर हो चुकी हैं। बरसात के दिनों में पुलिसकर्मियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी कारण अधिकांश पुलिसकर्मियों ने बाहर रहना शुरू कर दिया है।

थाने में बने नए बैरक में सुविधा तो है, लेकिन जगह कम होने के कारण सभी पुलिसकर्मी वहां नहीं रह पाते।

इस संबंध में पूछे जाने पर थानाध्यक्ष विशाल कुमार उपाध्याय ने बताया कि किसी भी बैरक से पानी नहीं टपकता है। ज्यादातर लोग अपने किराए के कमरे में रहते हैं। जो बैरक है, वह ठीक है।

लार बाईपास पर दर्दनाक सड़क हादसा

- **अनियंत्रित बाइक कार से टकराई, तीन युवक गंभीर रूप से घायल**

यूथ इंडिया, लार/देवरिया।

लार बाजार के बाईपास रोड पर स्थित आरा मशीन के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे का मामला सामने आया है, जहां एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सामने से आ रही एक कार से जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण टक्कर में बाइक पर सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने मानवता का परिचय देते हुए आनन-फानन में सभी घायलों को इलाज के लिए स्थानीय सरकारी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन तीनों युवकों की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें तुरंत बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल, देवरिया रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार, घायलों में से एक युवक की हालत अत्यधिक गंभीर बनी हुई है, जिसके चलते उसे आगे के इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्घटना का शिकार हुए तीनों युवक लार बाजार के ही हरिजन बस्ती के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घायलों की पहचान अभय, शिवम और अनुज के रूप में हुई है। इस अचानक हुई दुर्घटना से युवकों के परिवारों में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना की सूचना मिलते ही लार चौकी प्रभारी कमलेश यादव पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति का जायजा लेते हुए दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों (कार और बाइक) को अपने कब्जे में ले लिया है और उन्हें थाने ले जाया गया है।

चौकी प्रभारी कमलेश यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को इस संबंध में अभी तक किसी भी पक्ष से लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। तहरीर मिलने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

शिव मंदिर तक जर्जर सड़क बनवाने की ग्रामीणों ने की मांग

यूथ इंडिया, फूलपुर, प्रयागराज



फूलपुर विकासखंड के तारडीह गांव में करुणा शंकर शुक्ला के घर के पास बने प्राचीन शिव मंदिर तक आने-जाने के लिए बने रास्ते में कीचड़ व खड़ंजा मार्ग जर्जर हो जाने के कारण ग्रामीणों को आने जाने में सुविधा का सामना करना पड़ रहा है। सड़क बनवाने के लिए क्षेत्रीय ग्रामीणों सहित करुणा शंकर शुक्ला ने जिला अधिकारी सहित क्षेत्रीय सांसद विधायक से मार्ग बनवाने की मांग किया है।

फूलपुर विकासखंड के सबसे अधिक आबादी वाले व क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़े गांव तारडीह में प्राचीन शिव मंदिर तक पहुंचने के लिए जर्जर मार्ग खाड़ंजा की ईंटें उखड जाने से तथा बीच में कच्चा रास्ता जो की पूर्व में बनवाया गया था,कीचड़ युक्त हो जाने के कारण लोगों को बरसात सहित अन्य दिनों में आवागमन करने में परेशानी उठानी पड़ती है। रास्ता बनवाने के लिए गांव के ही करुणा शंकर शुक्ला ने लेखपाल सहित तहसील स्तरीय अधिकारियों की आख्या रिपोर्ट के साथ जनप्रतिनिधियों से मार्ग बनवाने के लिए मांग की है। अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। गांव के ही अनूप द्विवेदी, अवनीश कुमार, धर्मेंद्र शुक्ला, रोहित तिवारी, राघवेंद्र कुमार,अशोक कुमार, उमाकांत, राम मनोरथ, राम कैलाश, राजेश तिवारी, चंद्र प्रकाश मिश्रा करुणा शंकर शुक्ला सहित दर्जनों ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री सहित उच्च अधिकारियों को मार्ग बनवाने की मांग की है।

फोटो है

छह महीने से सीसीटीवी कैमरे बंद, एडीए चौकी की सुरक्षा रामभरोसे

यूथ इंडिया, नैनी/ प्रयागराज

आज के दौर में सीसीटीवी कैमरे अपराध नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की जांच प्रक्रिया की महत्वपूर्ण कड़ी बन चुके हैं। किसी भी मारपीट, विवाद अथवा आपराधिक घटना में कैमरों की फुटेज अहम साक्ष्य साबित होती है। लेकिन नैनी की एडीए कॉलोनी स्थित मदर टेरेसा चौराहे की सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरे पिछले छह महीने से अधिक समय से खराब पड़े हैं। कैमरों के साथ डीवीआर भी काम नहीं कर रहा है। ऐसे में चौकी के अंदर और बाहर होने वाली गतिविधियों के साथ चौराहे से गुजरने वाले लोगों और वाहनों की निगरानी भी प्रभावित हो रही है।

हैरानी की बात यह है कि इतने लंबे समय से निगरानी व्यवस्था ठप होने के बावजूद कैमरों को दुरुस्त कराने की दिशा में कोई ठोस पहल सामने नहीं आई। आखिर चौकी के अंदर और बाहर सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण कैमरे बंद पड़े हैं, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है, चौकी इंचार्ज से लेकर वहां तैनात पुलिसकर्मियों और संबंधित अधिकारियों की नजर इस गंभीर समस्या पर क्यों नहीं पड़ी। यह स्थिति पुलिस की कार्यशैली और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर रही है।

स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि छह महीने से भी अधिक समय बीत चुका है, लेकिन कैमरों और डीवीआर की मरम्मत नहीं कराई गई। जबकि यह व्यवस्था पुलिस चौकी के भीतर होने वाली गतिविधियों के अलावा चौकी के बाहर और मदर टेरेसा चौराहे पर आने-जाने वाले लोगों तथा वाहनों पर नजर रखने के लिए लगाई गई थी। ऐसे में सीसीटीवी कैमरों का बंद रहना केवल तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि सुरक्षा और साक्ष्य संकलन से जुड़ा गंभीर विषय है।

गौरतलब है कि कुछ महीने पहले इसी पुलिस चौकी के अंदर दो गुटों के बीच मारपीट की घटना सामने आई थी। चर्चा के मुताबिक, इस दौरान एक पक्ष के लोगों ने पुलिस के डंडे से दूसरे पक्ष के लोगों पर हमला कर उन्हें चोटिल कर दिया था। घटना के बाद जब मारपीट में शामिल लोगों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगालने की जरूरत पड़ी तो कैमरे खराब होने के कारण कोई मदद नहीं मिल सकी। नतीजतन, घटना से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाने में पुलिस को परेशानी का सामना करना पड़ा।

सवाल यह है कि जब पुलिस चौकी के भीतर ही मारपीट जैसी घटना हो चुकी है और कैमरों की उपयोगिता भी सामने आ चुकी है, तो इसके बावजूद निगरानी व्यवस्था को दुरुस्त कराने में इतनी देरी क्यों हुई क्या जिम्मेदार अधिकारी किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहे हैं।

मामले में एसीपी करछना कुंजलता ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की खराबी को संज्ञान में लेकर तत्काल ठीक कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरा सुरक्षा व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी है और इसकी मरम्मत की प्रक्रिया जल्द पूरी कराई जाएगी।

अब देखना यह है कि एसीपी के संज्ञान लेने के बाद छह महीने से अधिक समय से बंद पड़े कैमरे और डीवीआर कब तक चालू होते हैं।

विवाहिता के शिकायत के बाद भी मनचले दारोगा के खिलाफ नहीं हुई कार्रवाई

यूथ इंडिया, उत्सराव, प्रयागराज

उतरांव के चुम्मा बाज दरोगा के खिलाफ विवाहिता द्वारा शिकायत करने के बावजूद भी मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। विवाहिता मुख्यमंत्री से मिलकर कार्यवाही की मांग की बात कही है। आपको बताते चले की क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली विवाहिता का उसके ससुराल वालों से विवाद था।

शिकायत कर अक्सर थाने पर आते जाते विवाहिता पर थाने का एक वरिष्ठ सब इंस्पेक्टर फिदा हो गया। वह अक्सर विवाहिता के फोन पर बातें करने लगा। विवाहिता से फोन पर बात करके वह उसे अपने कमरे पर बुलाने का कई बार प्रयास किया। दिल फेंक दरोगा यहां तक की जब विवाहिता ने कमरे पर बुलाने का कारण पूछा तो वह साफ शब्दों में फोन पर कहा कि वह उसे चुम्मा लेने के लिए बुलाया था।

जिसका विवाहिता ने एक दूसरे फोन से वीडियो बना लिया। जो सोशल मीडिया पर तैर रहा है। विवाहिता 2 अक्टूबर को थाने पर आ रही थी दरोगा जी को जानकारी हुई तो अपनी बाइक से बलीपुर बाजार से बैठाकर उसे थाने के पास निजी कमरे पर ले जाने की कोशिश और दुष्कर्म करने का असफल प्रयास किया गया। गनीमत रहा कि विवाहिता बाइक से कूदकर भाग गई।

बाइक पर बैठने की विवाहिता ने वीडियो भी बनाया है। इस संबंध में विवाहिता ने दरोगा जी के खिलाफ 28 अक्टूबर को रजिस्टर्ड डाक द्वारा पुलिस आयुक्त को पत्र भेजकर कार्रवाई की जहां मांग की वही 6 नवंबर को भी पुलिस उपायुक्त से सराय इनायत थाने में पहुंचकर प्रार्थना पत्र देकर चुम्मा बाज दरोगा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। लेकिन अभी तक दरोगा के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया गया।

पुरानी रंजिश में मारपीट के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

यूथ इंडिया, सौरिख



थाना क्षेत्र के बहादुरपुर मझिगवां गांव में पुरानी रंजिश को लेकर हुए मारपीट के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों पर धारदार हथियारों से हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजने की कार्रवाई की है।

पुलिस के अनुसार, बहादुरपुर मझिगवां गांव निवासी अरुण प्रताप सिंह पुत्र राधाकृष्ण ने 11 नवंबर को थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव के ही दिलीप, जितेंद्र, मनोज, सरोज, शिवकुमार, विजय उर्फ मोहन और अजय ने पुरानी रंजिश को लेकर एकराय होकर उनका रास्ता रोक लिया। इसके बाद गाली-गलौज करते हुए उनके और परिजनों के साथ धारदार हथियारों से हमला कर मारपीट की। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने सात नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

मामले की विवेचना के दौरान बुधवार को थानाध्यक्ष नागेंद्र सिंह चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी शिवकुमार पुत्र बलराम (29) और मनोज पुत्र सुखनंदन (26), निवासी बहादुरपुर मझिगवां को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष नागेंद्र सिंह चौधरी, उपनिरीक्षक रणवीर सिंह चंदेल, हेड कांस्टेबल ललित कुमार, कांस्टेबल सुभाषचंद्र, सूरज कुमार और आशीष कुमार शामिल रहे।

भाई दूज पर जिला कारागार में उमड़ा बहनों का प्यार, 750 बहनों ने भाइयों को लगाया तिलक

- **पांच शिफ्टों में हुई मुलाकात, 311 बच्चों ने भी की अपने परिजनों से भेंट, जेल प्रशासन ने सुरक्षा के बीच कराया पर्व का आयोजन**

यूथ इंडिया, नैनी/ प्रयागराज



भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व भाई दूज बुधवार को जिला कारागार नैनी, प्रयागराज में भी पूरे उल्लास और भावनात्मक माहौल में मनाया गया। जेल की सलाखों के पीछे बंद भाइयों और बहनों के लिए यह दिन खास रहा। अपने परिवार से दूर बंद बंदियों के चेहरे उस समय खिल उठे, जब उनकी बहनें उनसे मिलने पहुंचीं और भाई दूज की परंपरा निभाते हुए स्नेह और आशीर्वाद दिया।

जिला कारागार प्रशासन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक बुधवार को भाई दूज के अवसर पर मुलाकात की विशेष व्यवस्था की गई थी। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच पांच शिफ्टों में करीब 750 बहनें और 11 भाई अपने निरुद्ध परिजनों से मुलाकात करने पहुंचे। इनके साथ 311 बच्चे भी कारागार पहुंचे और अपने परिवार के सदस्यों से मिले।

इस दौरान जेल प्रशासन की ओर से मुलाकातियों के लिए जरूरी व्यवस्थाएं की गई थीं। पूरे कार्यक्रम को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया गया। अपनों से मिलकर कई बंदियों की आंखें नम हो गईं, वहीं बहनों ने भी अपने भाइयों की सलामती और बेहतर भविष्य की कामना की।

भाई दूज का यह आयोजन वरिष्ठ जेल अधीक्षक अमिता दुबे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इसमें जेलर अनिल कुमार विश्वकर्मा, उप जेलर अभिलाषा, उप जेलर सौरभ सिंह यादव, उप जेलर विजय प्रसाद, उप जेलर अमर सिंह सहित कारागार के अन्य अधिकारी और कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर जेल की चारदीवारी के भीतर भी भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और अपनापन देखने को मिला।

चित्रगुप्त पूजनोत्सव पर समाज की एकता और सहयोग का संदेश

यूथ इंडिया, नैनी/ प्रयागराज

भगवान श्री चित्रगुप्त जी के पावन पूजनोत्सव पर केपी ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष प्रत्याशी रजनीकांत श्रीवास्तव ने चित्रांश समाज को शुभकामनाएं देते हुए समाज में एकता, संगठन और आपसी सहयोग को मजबूत बनाने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि समाज को अपने गौरवशाली इतिहास और महान विभूतियों के योगदान को जानना चाहिए। विशेष रूप से कश्मीर के महान सम्राट ललितादित्य मुक्तापीड के पराक्रम और इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की जरूरत है। उन्होंने समाज की प्रतिभाओं का सम्मान करने, शिक्षा और संगठन को बढ़ावा देने तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव आगे रहने की अपील की।

रजनीकांत श्रीवास्तव ने कहा कि समाज का कोई भी व्यक्ति खुद को अकेला महसूस न करे। सक्षम और प्रतिष्ठित लोगों को समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों के सहयोग और मार्गदर्शन की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। इस अवसर पर अवनीश कुमार श्रीवास्तव, पवन श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव (डब्बू), अनूप श्रीवास्तव, हर्ष श्रीवास्तव, यश श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव, जीत श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में चित्रांश बंधु मौजूद रहे। सभी ने समाज की सुख-समृद्धि, एकता और उन्नति की कामना की।

योगी सरकार के दीपोत्सव में 220 टन रेत से रचा गया 'राम दरबार', बना विश्व रिकार्ड

- सरयू की रेत से तैयार हुआ 58 फीट लंबा और 20 फीट ऊंचा भव्य राम दरबार व राम मंदिर की विशाल कलाकृति

यूथ इंडिया, अयोध्या/लखनऊ

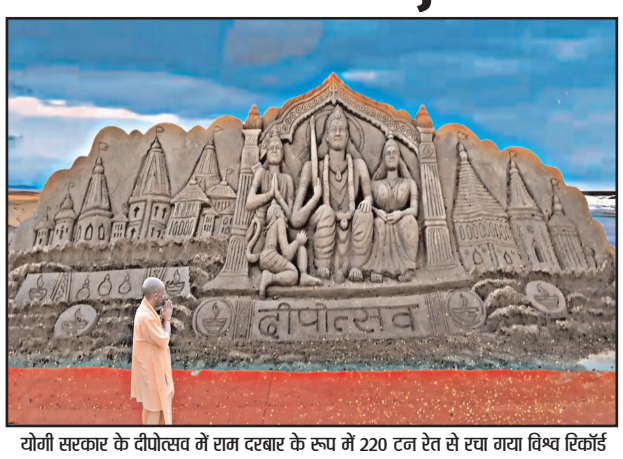

योगी सरकार के दीपोत्सव में राम दरबार के रूप में 220 टन रेत से रचा गया विश्व रिकॉर्ड

योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा आयोजित दीपोत्सव 2026 में अंतरराष्ट्रीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। अयोध्या में सरयू नदी के तट पर स्थित राम कथा पार्क में उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ 220 टन सरयू की रेत से 58 फीट लंबा और 20 फीट ऊंचा भव्य राम दरबार एवं राम मंदिर की विशाल कलाकृति तैयार की। यह कलाकृति विश्व शांति, मानवता और भाईचारे का संदेश देती है। योगी सरकार के पर्यटन विभाग के आमंत्रण पर तैयार इस कृति को 'बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज कर लिया गया है।

30 अक्टूबर से शुरू हुआ निर्माण कार्य सात दिनों की निरंतर मेहनत के बाद 7 नवंबर को पूरा हुआ। मधुरेंद्र कुमार ने बताया कि यह उनकी इस तरह की पहली और विश्व की सबसे लंबी रेत निर्मित राम दरबार कलाकृति है। दीपोत्सव के भव्य उद्घाटन समारोह के दौरान उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस कलाकृति का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में सृजित ऐसी ऐतिहासिक कला को शहर कभी नहीं भूलेगा और कलाकार को विश्व रिकॉर्ड पर बधाई दी। उपराष्ट्रपति ने 'वेल डन' कहकर सराहना की।

मधुरेंद्र कुमार ने 30 अक्टूबर को बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड को सूचना भेजी थी। 7 नवंबर को बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने ईमेल के माध्यम से स्वीकृति दी। रिकॉर्ड संख्या IND/2026/001810 के तहत इसे दर्ज किया गया और डिजिटल प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। गिनीज की प्रक्रिया अभी जारी है। यह कलाकृति योगी सरकार के दीपोत्सव के अंतर्गत उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के सहयोग से बनी, जो अयोध्या को वैश्विक पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र बनाने की दिशा में सरकार के प्रयासों का हिस्सा है।

बिहार के पूर्वी चंपारण निवासी मधुरेंद्र कुमार ने अब तक 25 से अधिक देशों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और 12 से अधिक विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। रेत, कोयला राख, पत्ते, फल-सब्जी और पुनर्चक्रण सामग्री से हजारों कलाकृतियां बना चुके इस कलाकार ने अमेरिका इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी से रेत कला में मानद डॉक्टरेट भी प्राप्त किया है।

उनकी कलाकृतियां पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, नशामुक्ति और विश्व शांति जैसे विषयों पर केंद्रित रहती हैं। अयोध्या की इस कृति ने योगी सरकार के सांस्कृतिक उत्थान और राम मंदिर केंद्रित विकास मॉडल को और मजबूती दी है।

धर्मांतरण के मामलों से मचा हड़कंप, केजीएमयू से लेकर चंगाई सभाओं तक जांच के घेरे में कई मामले, पूर्व डीजीपी बृजलाल और हिंदू संगठनों ने उठाए सवाल

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजधानी लखनऊ में पिछले कुछ महीनों के दौरान धर्मांतरण से जुड़े कई मामले सामने आने के बाद यह मुद्दा चर्चा में है। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में सामने आए कथित धर्मांतरण मामले से लेकर राजाजीपुरम, निगोहां और मोहनलालगंज में आयोजित धार्मिक सभाओं तक पुलिस और जांच एजेंसियां अलग-अलग पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं। इन मामलों में कहीं प्रेम संबंधों के जरिए महिलाओं पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने तो कहीं आर्थिक मदद, बीमारी ठीक करने और पारिवारिक समस्याओं के समाधान का भरोसा देकर लोगों को धार्मिक सभाओं से जोड़ने के आरोप लगाए गए हैं।

हिंदू संगठनों का आरोप है कि कुछ मुस्लिम युवक हिंदू युवतियों और महिलाओं को प्रेम संबंधों में फंसाकर बाद में उन पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाते हैं। वहीं, कुछ ईसाई मिशनरियों और संगठनों पर गरीब और जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता तथा बीमारी ठीक करने का भरोसा देकर धर्मांतरण कराने के आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, इन सभी मामलों में आरोपों और जांच में प्रमाणित तथ्यों के बीच अंतर है। हर मामले की वास्तविक स्थिति संबंधित पुलिस जांच और न्यायिक प्रक्रिया से ही स्पष्ट होगी।

केजीएमयू में सामने आया कथित धर्मांतरण मामला इस पूरे विवाद का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। पुलिस और एसटीएफ की जांच में आरोपी डॉक्टर रमीजुद्दीन उर्फ रमीज तथा उससे जुड़े लोगों की भूमिका की पड़ताल की गई। उपलब्ध विवरण के अनुसार, जांच में कुछ महिला डॉक्टरों, छात्राओं और नर्सिंग स्टाफ को प्रेम संबंधों के जरिए प्रभावित करने और उन पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने के आरोप सामने आए। मामले में अलग-अलग लोगों की भूमिका को लेकर भी जांच की गई है। एसटीएफ की रिपोर्ट में 13 डॉक्टरों के नाम सामने आने की बात कही गई है।

इस मामले में आरोपी डॉक्टर रमीज को 9 जनवरी 2026 को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस की ओर से दाखिल चार्जशीट में आरोपी के माता-पिता की भूमिका को लेकर भी आरोप लगाए गए हैं। शिकायतों में महिला डॉक्टरों के कथित शोषण, दबाव और जबरन गर्भपात जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। इन आरोपों की कानूनी स्थिति का निर्धारण अदालत में साक्ष्यों और सुनवाई के आधार पर होगा।

हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने केजीएमयू के मामले पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान में हिंदू महिला डॉक्टरों और कर्मचारियों को निशाना बनाए जाने के आरोप बेहद गंभीर हैं। उन्होंने चलरू प्रशासन में बैठे जिम्मेदार लोगों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

धर्मांतरण के मामलों को लेकर पूर्व डीजीपी बृजलाल ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कथित लव जिहाद और धर्मांतरण के मामलों को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ते हुए गंभीर आरोप लगाए। उनका दावा है कि कुछ संगठित गतिविधियों के जरिए देश विरोधी विचारधारा को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है।

प्रेम संबंधों के विवाद के बाद युवक की मौत, महिला मित्र के खिलाफ दर्ज कराया गया मुकदमा

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजधानी लखनऊ के बाजारखाला थाना क्षेत्र में प्रेम संबंधों से जुड़े विवाद के बाद एक 22 वर्षीय युवक की मौत का मामला सामने आया है। परिजनों के अनुसार, युवक का अपनी महिला मित्र के साथ करीब दो वर्षों से संपर्क था। दोनों शादी करना चाहते थे और परिवार भी इस रिश्ते के लिए तैयार बताया जा रहा था। हालांकि, हाल के दिनों में दोनों के बीच किसी अन्य युवक से संपर्क को लेकर विवाद होने की बात सामने आई है।

घटना 10 नवंबर की रात करीब 10 से 10:30 बजे के बीच की बताई जा रही है। मृतक की पहचान भरतपुरी बी निवासी आकांक्ष (22) के रूप में हुई है। पिता ओमप्रकाश की शिकायत के आधार पर पुलिस ने महिला मित्र सलोनी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है।

मृतक के पिता ओमप्रकाश ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उनका बेटा आकांक्ष राजाजीपुरम के डबल पुलिया निवासी सलोनी के संपर्क में था। दोनों के बीच करीब दो वर्षों से दोस्ती थी। पिता का आरोप है कि महिला मित्र द्वारा कथित रूप से प्रताड़ित किए जाने के कारण उनका बेटा मानसिक रूप से परेशान था।

मृतक के भाई साहिल के अनुसार, आकांक्ष सलोनी से शादी करना चाहता था और परिवार भी इस रिश्ते के लिए सहमत था। घर में दादी के निधन के कारण शादी से संबंधित कार्यक्रम दिवाली के बाद आयोजित करने की तैयारी की जा रही थी। इसी बीच आकांक्ष को जानकारी मिली कि सलोनी किसी अन्य युवक के भी संपर्क में है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। परिवार का कहना है कि इस विवाद के बाद से आकांक्ष परेशान रहने लगा था।

परिजनों के मुताबिक, घटना से पहले आकांक्ष ने अपनी महिला मित्र को एक तस्वीर भेजी थी। मंगलवार रात भोजन करने के बाद वह घर की छत पर गया था। कुछ समय बाद परिजनों को घटना की जानकारी हुई। परिवार के लोग उसे बचाने का प्रयास करते रहे, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी।

बाजारखाला पुलिस के अनुसार, मृतक के पिता की तहरीर के आधार पर सलोनी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है।

हिस्ट्रीशीटर की ईंट से सिर कुचलकर हत्या, रातभर दोस्तों के साथ छत पर चल रही थी शराब पार्टी, सुबह खून से लथपथ मिला शव

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजधानी के मानकनगर इलाके में एक हिस्ट्रीशीटर की बेरहमी से हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मंगलवार सुबह उसका खून से लथपथ शव घर की छत पर मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान रमाशंकर उर्फ छोटू कालिया (55) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह सोमवार रात अपने दोस्तों के साथ घर की छत पर शराब पार्टी कर रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ और ईंट से सिर पर कई वार कर उसकी हत्या कर दी गई।

परिजनों के मुताबिक, सोमवार रात करीब 10 से 11 बजे के बीच रमाशंकर अपने दोस्त वीरेश बहादुर सिंह उर्फ किंकी और चार-पांच अन्य लोगों के साथ छत पर मौजूद था। देर रात तक छत से शोर-शराबे और ईंट चलने जैसी आवाजें आती रहीं। घरवालों ने आवाजें सुनकर भी शुरुआत में इसे शराब के नशे में हो रहा हंगामा समझा। उन्हें अंदाजा नहीं था कि छत पर चल रहे विवाद का अंजाम इतनी बड़ी वारदात के रूप में सामने आएगा।

मृतक के बेटे आशु ने पुलिस को बताया कि मंगलवार सुबह करीब 10 बजे परिवार के लोग छत पर पहुंचे तो उनके पिता खून से लथपथ हालत में पड़े मिले। उनके सिर पर ईंट से कई वार किए गए थे। यह दृश्य देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गई। इसके बाद तत्काल मानकनगर पुलिस को घटना की सूचना दी गई। हत्या की खबर फैलते ही घर के आसपास पड़ोसियों और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।

सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। एडीसीपी जितेंद्र दुबे के मुताबिक, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से खून के नमूने और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस हत्या के पीछे की वजह और वारदात में शामिल लोगों की पहचान करने में जुटी है।

कार से टक्कर मारकर युवक पर जानलेवा हमले का आरोप, फेसबुक पर दी धमकी

यूथ इंडिया, लखनऊ



दुबग्गा इलाके में एक युवक को कार से टक्कर मारकर जानलेवा हमला करने और बाद में सोशल मीडिया के जरिए दोबारा हत्या की धमकी देने का मामला सामने आया है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवक ने चार लोगों के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने पहले फेसबुक पर गाली-गलौज करते हुए धमकी भरे संदेश भेजे और फिर फोन कॉल के जरिए उसे और उसके पूरे परिवार को चेतावनी दी।

शिकायत के मुताबिक, फेसबुक पर युवक को लगातार 17 संदेश भेजे गए। इन संदेशों में कथित तौर पर हाथ-पैर तोड़ने और जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित का यह भी आरोप है कि आरोपियों ने करीब 16 मिनट तक फोन पर बातचीत कर उसे डराया-धमकाया और पूरे परिवार को नुकसान पहुंचाने की चेतावनी दी।

युवक ने पुलिस को दी शिकायत में कार से टक्कर मारकर हमला किए जाने की घटना का भी उल्लेख किया है। उसका आरोप है कि हमले के बाद भी आरोपी उसे लगातार धमका रहे हैं और सोशल मीडिया तथा फोन के माध्यम से दबाव बना रहे हैं। पीड़ित ने चार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल उपलब्ध समाचार में घटना की पूरी जानकारी, आरोपियों की पहचान और पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई का विवरण नहीं है।

लखनऊ में 68,500 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का आंदोलन तेज, 72 दिनों स ईको गार्डन में धरना जारी

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजधानी के ईको गार्डन में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का आंदोलन लगातार जारी है। नियुक्ति की मांग को लेकर पिछले 72 दिनों से धरने पर बैठे अभ्यर्थियों ने अब भूख हड़ताल भी शुरू कर दी है। लंबे समय से घर-परिवार से दूर रह रहे अभ्यर्थियों ने भाई दूज का त्योहार भी धरनास्थल पर ही मनाया। घर नहीं जा पाने के कारण कई अभ्यर्थियों ने वीडियो कॉल के जरिए अपनी बहनों से बात कर त्योहार मनाया।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार और अधिकारियों की कथित लापरवाही के कारण उन्हें अपने घर-परिवार और निजी जीवन को छोड़कर आंदोलन करना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि वर्षों से नियुक्ति की उम्मीद लगाए बैठे अभ्यर्थियों को अब तक न्याय नहीं मिला है। अभ्यर्थियों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा।

मुरादाबाद से आए प्रदर्शनकारी नवीन चौधरी ने बताया कि वह करीब तीन महीने से घर छोड़कर ईको गार्डन में रह रहे हैं। रक्षाबंधन, दशहरा और दिवाली के बाद अब भाई दूज भी उन्हें धरनास्थल पर ही मनाना पड़ा। उन्होंने बताया कि उनके बुजुर्ग माता-पिता घर पर अकेले हैं। जब माता-पिता फोन करके पूछते हैं कि घर कब लौटोगे और नौकरी कब मिलेगी, तो उनके पास कोई जवाब नहीं होता। नवीन के मुताबिक, परिवार से दूर रहना बेहद मुश्किल है, लेकिन नियुक्ति की मांग को लेकर संघर्ष जारी रखेंगे।

प्रदर्शनकारी आशुतोष ने बताया कि दशहरा, दिवाली और भाई दूज जैसे त्योहार अब वीडियो कॉल के सहारे ही मनाने पड़ रहे हैं। आंदोलन के चलते परिवार से संपर्क बनाए रखने का यही एक माध्यम बचा है। उन्होंने बताया कि 10 सितंबर को अभ्यर्थियों की मुलाकात बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी से हुई थी। बैठक में विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे। अभ्यर्थियों का दावा है कि बैठक के दौरान भर्ती में गड़बड़ी की बात स्वीकार की गई थी। उनका सवाल है कि जब आयोगों और अधिकारियों के स्तर पर आरक्षण संबंधी गड़बड़ियों का मुद्दा उठाया जा चुका है, तो अब तक नियुक्ति की प्रक्रिया आगे क्यों नहीं बढ़ाई गई।

वहीं, प्रदर्शनकारी उत्कर्ष ने कहा कि वर्ष 2018 में निकली 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के लिए उन्होंने आवेदन किया था। इसके बाद से अभ्यर्थी लगातार नौकरी की उम्मीद में संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण संबंधी बड़े स्तर पर अनियमितताओं का आरोप लगाया। उनका कहना है कि राज्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी आरक्षण से जुड़ी गड़बड़ियों का संज्ञान लेते हुए नियमों के पालन का निर्देश दिया है।

अभ्यर्थियों की मांग है कि आयोगों के आदेशों का पालन करते हुए भर्ती से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जाए और पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी जाए। उनका कहना है कि आठ साल से नौकरी की उम्मीद लगाए बैठे अभ्यर्थियों के लिए त्योहारों पर भी धरना देना मजबूरी बन गया है।

बच्चा चोरी के शक में महिला को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा, चार दिन तक कार्यवाही न करने का आरोप, वीडियो वायरल होने पर मचा हड़कंप

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजधानी के इंदिरानगर थाना क्षेत्र में बच्चा चोरी के शक में एक महिला के साथ बर्बरता किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला को पकड़कर उसके हाथ-पैर बांध दिए गए और उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। महिला की छाती पर लात मारी गई और डंडे से हमला किया गया। घटना का वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पीड़ित परिवार ने स्थानीय पुलिस पर शिकायत के बावजूद चार दिन तक कार्रवाई नहीं करने और मामले को दबाने का आरोप लगाया है।

जानकारी के मुताबिक, सुगामऊ इलाके में रहने वाली महिला छह नवंबर की सुबह करीब पांच बजे टहलने निकली थी। इसी दौरान मानस ग्रीन रोड के पास एक झुग्गी बस्ती में रहने वाला बच्चा सड़क पर मौजूद था। तभी वहां से एक चार पहिया वाहन गुजर रहा था। आरोप है कि बच्चे को वाहन से चोट लगने की आशंका के चलते महिला ने उसे सड़क के किनारे कर दिया। इसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि झुग्गी में रहने वाले कुछ लोगों ने महिला को पकड़ लिया और अंदर ले जाकर उसके साथ मारपीट की।

पीड़ित परिवार के मुताबिक, महिला के हाथ-पैर बांधकर उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। उसे डंडों से पीटा गया और छाती पर लात मारी गई। घटना के दौरान महिला के कान का बुंदा और पायल भी छीनने का आरोप लगाया गया है। मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद घटना की गंभीरता को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया।

महिला के पति ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर वह मौके पर पहुंचे और विरोध किया तो आरोपियों ने उनका मोबाइल फोन छीनकर तोड़ दिया। एक स्थानीय युवक ने फोन कर बताया था कि उनकी पत्नी चौकी पर है। जब वह वहां पहुंचे तो पत्नी बेहोशी की हालत में मिली। इसके बाद वह उसे बलरामपुर अस्पताल ले गए, जहां उपचार के बाद उसे होश आया। पीड़िता ने पति को बताया कि बच्चे को सड़क से किनारे करने के बाद उसके साथ मारपीट की गई थी।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना के बाद वे न्याय की गुहार लेकर मानस चौकी और इंदिरानगर थाने पहुंचे, लेकिन उनकी शिकायत पर तत्काल कार्रवाई नहीं की गई। परिवार ने इंस्पेक्टर अजय नारायण सिंह, मानस चौकी प्रभारी अर्जुन सिंह और थाने में तैनात एसआई गौरव पर सुनवाई नहीं करने तथा समझौते का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि पुलिसकर्मियों ने उनकी शिकायत को गंभीरता से लेने के बजाय उन्हें वापस भेज दिया। परिवार ने पुलिस के रवैये से परेशान होकर चुप रहने की बात भी कही है। स्थानीय निवासी सूरज कुमार ने बताया कि घटना वाले दिन ही शिकायत दी गई थी। उनका आरोप है कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और महिला को तत्काल उचित चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजने के बजाय घर जाने दिया। पीड़ित परिवार का यह भी आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने मेडिकल खर्च के पैसे लेकर चुप रहने की सलाह दी थी।

तमंचा लहराकर बच्चों को डराया, ग्रामीणों को दी जान से मारने की धमकी

यूथ इंडिया, लखनऊ

राजधानी के सरोजनीनगर इलाके में मंगलवार रात तमंचा लहराकर बच्चों को डराने और ग्रामीणों को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। युवक की हरकतों से इलाके में दहशत का माहौल बन गया। हालांकि, ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाते हुए आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात एक युवक गांव में तमंचा लहराते हुए घूम रहा था। आरोप है कि उसने वहां मौजूद बच्चों को हथियार दिखाकर डराया। इसके बाद ग्रामीणों के साथ गाली-गलौज करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। युवक की हरकतों से नाराज ग्रामीणों ने एकजुट होकर उसे पकड़ लिया और मामले की सूचना पुलिस को दी।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी तमंचा और 315 बोर के पांच जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने बरामद हथियार और कारतूस को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

घटना के बाद इलाके में कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। ग्रामीणों का कहना है कि सार्वजनिक स्थान पर हथियार लहराकर बच्चों को डराना और लोगों को धमकी देना गंभीर मामला है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

दीपावली मिलन समारोह, क्षेत्र प्रचारक बोले- संघर्षो के बावजूद पर्वो ने देश को एकजुट रखा, कार्यक्रम में जुटे करीब 1300 लोग

यूथ इंडिया, लखनऊ



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) लखनऊ महानगर की ओर से मंगलवार को सीएमएस, गोमती नगर विस्तार परिसर में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करीब 1300 लोगों ने हिस्सा लिया। समारोह में सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक परंपराओं और भारतीय पर्वों की एकजुटता में महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि भारत ने इतिहास में अनेक संघर्षों और चुनौतियों का सामना किया है, लेकिन यहां के पर्व और सांस्कृतिक परंपराएं समाज को जोड़ने का काम करती रही हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अंडमान-निकोबार के उपराज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा शामिल हुए। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी, सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। समारोह का उद्देश्य दीपावली के अवसर पर आपसी मेलजोल बढ़ाना और सामाजिक एकता का संदेश देना रहा।

कार्यक्रम में क्षेत्र प्रचारक ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में त्योहारों का विशेष महत्व है। दीपावली जैसे पर्व केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये समाज के अलग-अलग वर्गों को एक साथ आने और आपसी संबंध मजबूत करने का अवसर देते हैं। उन्होंने कहा कि देश ने लंबे समय तक अनेक कठिनाइयों और संघर्षों का सामना किया, लेकिन भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना और पर्वों की परंपरा ने लोगों को एकजुट बनाए रखा। वक्ताओं ने कहा कि दीपावली प्रकाश, सकारात्मकता और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज में आपसी सहयोग, भाईचारे और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपने त्योहारों को सामाजिक सहभागिता और पारस्परिक सद्भाव के साथ मनाने का आह्वान किया।

शान-ए-अवध इकाई का चुनाव निर्विरोध संपन्न

यूथ इंडिया, लखनऊ



यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की उत्तर प्रदेश राज्य शाखा के अंतर्गत शान-ए-अवध इकाई का त्रैवार्षिक चुनाव इंदिरा नगर में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में निर्विरोध संपन्न हुआ। चुनाव में पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया। इस दौरान पंकज श्रीवास्तव ने लगातार छठी बार सचिव पद की जिम्मेदारी हासिल की।

चुनाव प्रक्रिया के दौरान संगठन के सदस्यों ने आपसी सहमति से नई कार्यकारिणी का चयन किया। गोपेन्द्र कुमार वर्मा को इकाई का अध्यक्ष और एसएन लाल को चेयरमैन चुना गया। वहीं, पंकज श्रीवास्तव को लगातार छठी बार सचिव चुने जाने पर संगठन के सदस्यों ने उन्हें बधाई दी। निर्विरोध चुनाव संपन्न होने पर सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की और संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर एसोसिएशन के उद्देश्यों, युवाओं में पर्यटन के प्रति जागरूकता बढ़ाने, आपसी भाईचारे को मजबूत करने और सामाजिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया गया।

सदस्यों ने उम्मीद जताई कि नई कार्यकारिणी संगठन के कार्यक्रमों को और अधिक सक्रियता के साथ आगे बढ़ाएगी तथा युवाओं को पर्यटन, प्रकृति और सामाजिक सहभागिता से जोड़ने के लिए नए प्रयास करेगी।

शान-ए-अवध इकाई का चुनाव निर्विरोध संपन्न होना संगठन के सदस्यों के बीच आपसी सहमति और समन्वय को दर्शाता है।

मॉर्टिन से कमरे में लगी आग, झुलसे दो मासूम भाई, एक की हो गई मौत, परिवार में कोहराम

शादी समारोह में शामिल होने गए थे माता पिता, घर में सो रहे थे दोनों बच्चे

यूथ इंडिया, कंपिल



घर के कमरे में जल रही मॉर्टिन से अचानक आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। कमरे में सो रहे दो मासूम भाई आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। आनन-फानन में परिजन दोनों बच्चों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज लेकर पहुंचे। जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए फर्रुखाबाद के डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालत अधिक गंभीर होने पर पांच वर्षीय बच्चे को सैफई अस्पताल भेजा गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। शव घर पहुंचने पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

जानकारी के अनुसार, कंपिल थाना क्षेत्र के गांव निजामुद्दीनपुर निवासी सलमान मंगलवार रात अपनी पत्नी गुलशन बानो के साथ पांच वर्षीय बेटे अल्तमश और नौ माह के बेटे अदनान को कमरे में सुलाकर पड़ोस में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने चले गए थे। बताया गया कि कमरे में मॉर्टिन जल रही थी। इसी दौरान रात में किसी समय कमरे में आग लग गई। आग की लपटें और धुआं उठता देखकर आसपास के लोगों में चीख-पुकार मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए।

कड़ी मशक्कत के बाद दोनों मासूम बच्चों को आग से घिरे कमरे से बाहर निकाला गया। आग की चपेट में आने से अल्तमश और अदनान गंभीर रूप से झुलस गए। कमरे में रखा गृहस्थी का सामान भी जलकर क्षतिग्रस्त हो गया। बच्चों की हालत देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन में दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए लोहिया अस्पताल फर्रुखाबाद रेफर कर दिया।

अल्तमश की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे सैफई अस्पताल भेज दिया। वहां उपचार के दौरान मंगलवार देर रात पांच वर्षीय अल्तमश ने दम तोड़ दिया। मासूम की मौत की खबर सुनते ही परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। बुधवार शाम तक परिजन बच्चे का शव लेकर घर पहुंचे। शव देखते ही मां गुलशन बानो और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पूरे गांव में शोक का माहौल छा गया। मामले में थाना प्रभारी नितिन चौधरी ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं मिली है।

खुदागंज बाजार में जाम में फंसी एंबुलेंस, लोगों ने हटवाए वाहन

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद जनपद के कमालगंज थाना क्षेत्र के खुदागंज गांव में बुधवार को बाजार में लगे जाम के कारण एक एंबुलेंस फंस गई। व्यस्त बाजार में वाहनों की भीड़ के चलते एंबुलेंस को निकलने का रास्ता नहीं मिल पा रहा था। एंबुलेंस को जाम में फंसा देखकर आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाई और सड़क पर खड़े वाहनों को हटवाना शुरू कर दिया। काफी प्रयास के बाद लोगों ने एंबुलेंस के निकलने के लिए रास्ता खुलवाया।

जानकारी के अनुसार, बुधवार को खुदागंज बाजार में रोजाना की तरह काफी भीड़भाड़ थी। बाजार में आने-जाने वाले वाहनों के कारण सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। इसी दौरान वहां से गुजर रही एक एंबुलेंस जाम में फंस गई। एंबुलेंस को रास्ता नहीं मिलने से स्थिति गंभीर हो गई। बाजार में मौजूद लोगों ने समस्या को देखते हुए खुद ही मोर्चा संभाला और वाहनों को सड़क से हटवाकर रास्ता खाली कराया।

जिला कारागार में भाईदूज पर उमड़ा बहनों का सैलाब, भाईयों के माथे पर लगाया तिलक, जल्द रिहाई की मांगी दुआ

सुबह से जेल के बाहर लगी रहीं महिलाओं की लंबी लाइन

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक भाई दूज का पर्व बुधवार को फर्रुखाबाद जिला कारागार में भी भावुक माहौल के बीच मनाया गया। इस अवसर पर जेल में निरुद्ध अपने भाइयों से मुलाकात करने के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में बहनें जिला कारागार पहुंचने लगीं। देखते ही देखते जेल के बाहर महिलाओं की लंबी कतारें लग गईं। हर बहन के चेहरे पर अपने भाई से मिलने की उत्सुकता और उसके माथे पर तिलक लगाने की चाह साफ दिखाई दे रही थी।

भाई दूज के पर्व को देखते हुए जेल प्रशासन द्वारा महिला आगंतुकों के प्रवेश की व्यवस्था सुबह 8 बजे से शुरू की गई। इसके बाद क्रमवार महिलाओं को जेल परिसर में प्रवेश दिया गया। बहनें अपने साथ भाइयों के लिए मिठाई एवं पूजन सामग्री लेकर पहुंचीं और परंपरा के अनुसार उनका तिलक कर पर्व की खुशियां साझा कीं।

इस दौरान कई बहनों की आंखें अपने भाइयों से मिलकर नम हो गईं। किसी ने भाई के माथे पर तिलक लगाकर उसकी लंबी उम्र की कामना की तो किसी ने मिठाई खिलाकर भाई दूज की शुभकामनाएं दीं। बहनों ने अपने भाइयों को ढांढस बंधाया और जल्द ही उनके जेल से बाहर आने की दुआ मांगी।

जेल में निरुद्ध भाइयों के लिए यह दिन भी भावनात्मक रूप से खास रहा। परिवार से दूर रहने वाले बंदियों को भाई दूज पर अपनी बहनों से मिलने का अवसर मिला। मुलाकात के दौरान भाई-बहन के बीच स्नेह, अपनापन और भावनाओं का अनूठा संगम देखने को मिला।

भाई दूज के अवसर पर जिला कारागार के बाहर सुबह से ही चहल-पहल बनी रही। बड़ी संख्या में महिलाओं के पहुंचने से जेल परिसर के आसपास भी भीड़ का माहौल रहा। जेल प्रशासन द्वारा निर्धारित व्यवस्था के तहत महिला आगंतुकों को प्रवेश दिया गया।

भाई दूज के इस पावन पर्व पर जिला कारागार में देखने को मिला कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, भाई-बहन के प्रेम और रिश्तों की मिठास कम नहीं होती। बहनों की एक ही कामना थी कि उनके भाई जल्द अपने घर लौटें और परिवार के साथ खुशियों के पर्व मना सकें।

क्यूआर कोड मांगने पर पेट्रोल पंप पर युवक से मारपीट, सात घायल

फर्रुखाबाद। नवाबगंज थाना क्षेत्र के बलोखर गांव के पास स्थित एक पेट्रोल पंप पर क्यूआरकोड मांगने को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। घटना में पेट्रोल पंप कर्मचारी समेत सात लोग घायल हो गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में पेट्रोल पंप पर हुए विवाद और मारपीट के दृश्य दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, दैनिक भास्कर ने वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं की है। बताया गया है कि विवाद क्यूआर कोड मांगने को लेकर शुरू हुआ था। मारपीट में घायल हुए सात लोगों में पेट्रोल पंप का एक कर्मचारी भी है।

अलग-अलग सड़क हादसों में दस लोग घायल

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में कुल 10 लोग घायल हो गए। दुर्घटनाओं के बाद घायलों को अलग-अलग समय पर उपचार के लिए डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचाया गया। एक के बाद एक घायल मरीजों के अस्पताल पहुंचने से इमरजेंसी में अचानक मरीजों की संख्या बढ़ गई, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव देखने को मिला।

जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर जनपद के विभिन्न स्थानों पर सड़क दुर्घटनाएं हुईं। इन हादसों में कुल 10 लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद परिजन और स्थानीय लोग घायलों को लेकर तत्काल लोहिया अस्पताल पहुंचे। कुछ घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से तो कुछ को निजी वाहनों से अस्पताल लाया गया। इमरजेंसी में घायलों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहने से वहां काफी भीड़ एकत्र हो गई।

अचानक मरीजों की संख्या बढ़ने के कारण अस्पताल की इमरजेंसी में बेड की उपलब्धता को लेकर भी दबाव दिखाई दिया। स्थिति ऐसी हो गई कि कुछ मरीजों को स्ट्रेचर पर रखकर उपचार देना पड़ा, जबकि कुछ मरीजों को एक ही बेड पर दो-दो लोगों को लिटाकर इलाज किया गया। इमरजेंसी में एक साथ कई घायलों के पहुंचने से स्वास्थ्य कर्मियों को भी व्यवस्था संभालने में मशक्कत करनी पड़ी।

अस्पताल में मौजूद तीमारदार अपने परिजनों के उपचार को लेकर चिंतित दिखाई दिए। वहीं चिकित्सकीय टीम ने उपलब्ध संसाधनों के बीच घायलों को उपचार उपलब्ध कराया। हादसों में घायल हुए लोगों के अस्पताल पहुंचने से कुछ समय के लिए इमरजेंसी का माहौल काफी व्यस्त हो गया।

कार ने खड़ी दो एम्बुलेंसों व बाइक में मारी टक्कर

चार लोगों के आईं चोटें, आवास विकास तिराहे के पास देर रात हुआ हादसा

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



शहर में तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर देखने को मिला। मंगलवार देर रात करीब एक बजे आवास विकास तिराहे के पास एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़ी दो एंबुलेंस और एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। अचानक हुए इस हादसे से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना में चार लोग घायल हो गए, जिन्हें आनन-फानन में उपचार के लिए डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार मंगलवार देर रात आवास विकास तिराहे के पास दो एंबुलेंस और एक बाइक खड़ी थीं। इसी दौरान तेज गति से आ रही एक कार अनियंत्रित होकर वहां पहुंची और खड़े वाहनों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। हादसे के बाद आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े और घायलों की मदद में जुट गए।

दुर्घटना में चार लोग घायल हुए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल लोहिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया। घायलों में एक की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

रात के समय हुए इस हादसे के बाद आवास विकास तिराहे के आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। खड़ी एंबुलेंस और बाइक को कार द्वारा टक्कर मारे जाने की घटना चर्चा का विषय बनी रही। हादसे में वाहनों को भी नुकसान पहुंचा। फिलहाल घायलों का उपचार जारी है। दुर्घटना के कारणों और कार चालक के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

आवारा पशु से टकराई बाइक, तीन युवक गंभीर रूप से घायल, भर्ती

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



जनपद में सड़कों पर घूम रहे आवारा पशु वाहन चालकों के लिए मुसीबत बने हुए हैं। आए दिन इनके कारण सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। मंगलवार देर शाम राजेपुर थाना क्षेत्र के गाजीपुर गांव के पास एक आवारा पशु अचानक सड़क पर आ गया, जिससे तेज गति से जा रही बाइक उससे टकरा गई। हादसे में बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई।

जानकारी के अनुसार तीनों बाइक सवार फर्रुखाबाद से भटौली की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक राजेपुर थाना क्षेत्र के गाजीपुर गांव के पास पहुंची, तभी अचानक सड़क पर एक आवारा पशु आ गया। बाइक चालक संभल पाता, इससे पहले ही बाइक पशु से टकरा गई। टक्कर लगने के बाद बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

हादसे की आवाज सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए। सड़क पर घायल पड़े युवकों को देखकर लोगों ने तत्काल उनकी मदद शुरू की। कुछ ही देर में घटनास्थल पर काफी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को संभालते हुए उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की।

दुर्घटना में तीनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल बताए गए हैं। अचानक हुए इस हादसे से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना के बाद आवारा पशुओं की समस्या एक बार फिर चर्चा में आ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़कों और संपर्क मार्गों पर आवारा पशुओं की मौजूदगी के कारण वाहन चालकों को हमेशा दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

क्षेत्रीय लोगों ने प्रशासन से आवारा पशुओं को पकड़वाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने तथा प्रमुख मार्गों पर उचित व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

भैयादूज पर बसों के इंतजार में घंटों खड़ी रहीं बहनें, टेंपो और ईरिक्शा चालकों ने वसूला मनमाना किराया

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक भैया दूज का पर्व कायमगंज क्षेत्र में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर सुबह से ही घरों में उत्सव जैसा माहौल दिखाई दिया। बहनों ने अपने भाइयों की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए व्रत रखा। इसके बाद विधि-विधान से भाइयों के माथे पर तिलक लगाया, आरती उतारी और मिठाई खिलाकर पर्व की खुशियां साझा कीं।

त्योहार के चलते कायमगंज के बाजारों में भी खूब रौनक रही। मिठाई, उपहार और गिफ्ट की दुकानों पर सुबह से ही खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बहनों ने भाइयों के लिए मिठाइयों एवं उपहारों की खरीदारी की। दुकानदारों के यहां ग्राहकों की आवाजाही लगातार बनी रही और बाजार में काफी चहल-पहल देखने को मिली।

हालांकि त्योहार की खुशियों के बीच बहनों और अन्य यात्रियों को आवागमन के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। भैया दूज के अवसर पर बड़ी संख्या में लोग अपने भाइयों के घर जाने के लिए निकले, लेकिन पर्याप्त बसें उपलब्ध नहीं होने के कारण यात्रियों को घंटों सड़क किनारे खड़े होकर इंतजार करना पड़ा। बसों के इंतजार में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग परेशान दिखाई दिए। कई बहनों को समय से अपने गंतव्य तक पहुंचने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

बसों की कमी का फायदा उठाते हुए टेंपो और ई-रिक्शा चालकों द्वारा यात्रियों से मनमाना किराया वसूले जाने की शिकायतें भी सामने आईं। मजबूरी में यात्रियों को अधिक किराया देकर सफर करना पड़ा। त्योहार के दिन सार्वजनिक परिवहन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई। खासकर महिलाओं को वाहनों के इंतजार में काफी समय सड़क किनारे बिताना पड़ा।

सुबह से लेकर दोपहर तक बस स्टैंड और प्रमुख मार्गों पर यात्रियों की भीड़ बनी रही। बसों में जगह पाने के लिए लोग काफी देर तक इंतजार करते नजर आए। वहीं टेंपो और ई-रिक्शा में भी यात्रियों की संख्या अधिक होने के कारण आवागमन प्रभावित रहा।

भैया दूज जैसे महत्वपूर्ण पर्व पर जहां बहनें अपने भाइयों के घर पहुंचने के लिए उत्साहित थीं, वहीं परिवहन व्यवस्था की कमी ने उनकी राह मुश्किल कर दी। क्षेत्रीय लोगों ने त्योहारों के दौरान अतिरिक्त बसें संचालित कराने तथा टेंपो और ई-रिक्शा के किराये पर नियंत्रण रखने की मांग की, जिससे भविष्य में यात्रियों को इस तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

पैसों के विवाद में मारपीट, घायल महिला की मौत

घर में घुसकर लाठी डंडों से हमला करने का आरोप

यूथ इंडिया, मोहम्मदाबाद



थाना क्षेत्र के ग्राम जाजपुर बंजारा में खेत की जुताई के रुपये दोबारा मांगने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि एक युवक ने परिजनों के साथ मिलकर दूसरे पक्ष के घर पहुंचकर मारपीट की। घटना में घायल महिला की इलाज के लिए ले जाते समय मौत हो गई। महिला की मौत से गांव में सनसनी फैल गई, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार, नौ नवंबर 2026 को शाम करीब पांच बजे शशिकांत खेत की ओर जा रहा था। रास्ते में शैलेंद्र सिंह के पुत्र दीपक सिंह ने उसे रोक लिया और खेत की जुताई के रुपये दोबारा मांगने लगा। शशिकांत ने रुपये पहले ही देने की बात कहते हुए दोबारा पैसे देने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि दीपक ने फोन कर अपने पिता शैलेंद्र सिंह, मां मिथिलेश और पुत्री को बुला लिया। इसके बाद खेत के पास ही शशिकांत के साथ मारपीट की गई।

शशिकांत का आरोप है कि मारपीट के बाद वह बेहोश हो गया था। इसके बाद आरोपी उसके घर पहुंचे और उसकी पत्नी निर्मला देवी, पुत्रियों निकिता (18), अनामिका (16), गौरवी (14) तथा देवरानी कविता पत्नी माधौ सिंह के साथ लाठी-डंडों और लात-घूंसों से मारपीट की। घटना में सभी को चोटें आईं। इस संबंध में थाना पुलिस को तहरीर भी दी गई थी।

शशिकांत के मुताबिक, पत्नी निर्मला देवी की हालत बिगड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल राम मनोहर लोहिया ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शशिकांत ने यह भी आरोप लगाया कि मारपीट के बाद आरोपी उसकी अपाचे बाइक भी छीन ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उपनिरीक्षक लक्ष्मण सिंह ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। घटना के बाद गांव में तनाव और शोक का माहौल है। नोट- खबर में मारपीट और बाइक छीनने संबंधी बातें पीड़ित पक्ष के आरोपों के आधार पर लिखी गई हैं। पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

शेखपुर गुमटी के पास हुआ सड़क हादसा, घायलों को कराया गया भर्ती

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शेखपुर गुमटी के पास ओवरटेक करने के दौरान दो बाइक आमने-सामने टकरा गईं। इस हादसे में भोजपुर निवासी गुड्डू बाथम घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शेखपुर गुमटी के पास दो बाइक सवारों के बीच ओवरटेक के दौरान टक्कर हो गई। टक्कर के बाद एक बाइक सवार गुड्डू बाथम घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायल युवक की मदद की।

घायल गुड्डू बाथम को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें फर्रुखाबाद स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया।

इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की आवश्यकता को उजागर किया है। वाहन चालकों को ओवरटेक करते समय सामने से आने वाले वाहनों का विशेष ध्यान रखना चाहिए और यातायात नियमों का पालन करना चाहिए।

एनएचएम संविदा कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक प्रगति, स्थानांतरण नीति लागू

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ, उत्तर प्रदेश द्वारा एनएचएम संविदा कर्मचारियों की लंबित मांगों के समाधान हेतु किए जा रहे निरंतर प्रयासों के क्रम में दिनांक 08 अक्टूबर 2026 से 16 अक्टूबर 2026 तक चले धरना-प्रदर्शन एवं आंदोलन के उपरांत 16 अक्टूबर को संगठन एवं विभागीय अधिकारियों के मध्य हुई वार्ता तथा जारी कार्यवृत्त के अनुरूप विभिन्न मांगों पर सकारात्मक प्रगति हुई है। संगठन के अनुसार कर्मचारियों के हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विभागीय स्तर पर कार्यवाही आगे बढ़ी है, जिससे प्रदेशभर के एनएचएम संविदा कर्मचारियों में अपनी लंबित मांगों के समाधान की उम्मीद जगी है।

वार्ता एवं जारी कार्यवृत्त के अनुरूप ह्यारू संविदा कर्मचारियों के लिए स्थानांतरण नीति लागू कर दी गई है। यह कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित महत्वपूर्ण मांग थी। स्थानांतरण नीति लागू होने से कर्मचारियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

वहीं सामाजिक सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषय ईपीएफ, ग्रेच्युटी एवं स्वास्थ्य बीमा को लेकर भी सकारात्मक पहल की जानकारी सामने आई है। संगठन के अनुसार समस्त संविदा कर्मचारियों को ग्रेच्युटी, सभी कर्मचारियों को ईपीएफ का लाभ तथा प्रत्येक कर्मचारी एवं उसके परिवार के लिए ?5 लाख तक स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा बजट सत्र में राज्य बजट से वित्तीय व्यवस्था की गई है। हालांकि इन सुविधाओं के वास्तविक क्रियान्वयन के संबंध में विस्तृत आधिकारिक आदेश जारी होना अभी शेष है। इसके साथ ही ह्यारू संविदा कर्मचारियों को नियमित नियुक्तियों में अनुभव एवं सेवा अवधि के आधार पर वरीयता प्रदान किए जाने की मांग पर भी कार्यवाही आगे बढ़ी है। संगठन के अनुसार इस संबंध में गठित समिति की रिपोर्ट के उपरांत कैबिनेट में प्रस्ताव लाए जाने की संभावना है। प्रस्तावित व्यवस्था में अधिकतम 15 अंक तक वरीयता एवं 5 वर्ष की आयु सीमा में छूट का प्रावधान शामिल बताया गया है। यदि इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है तो वर्षों से स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं दे रहे संविदा कर्मचारियों को नियमित भर्तियों में लाभ मिलने की उम्मीद है।

वेतन नीति एवं समान कार्य-समान वेतन की मांग को लेकर भी कर्मचारियों की निगाहें शासन स्तर पर होने वाली आगामी कार्यवाही पर टिकी हुई हैं। संगठन का कहना है कि वेतन नीति के लिए गठित समिति से कर्मचारियों को सकारात्मक निर्णय की अपेक्षा है। संगठन की प्रमुख मांग समान कार्य-समान वेतन लागू करना है। संगठन का विश्वास है कि समिति कर्मचारियों के कार्यदायित्व, योग्यता, अनुभव एवं सेवा अवधि को ध्यान में रखते हुए न्यायसंगत वेतन नीति तैयार कर शीघ्र निर्णय लेगी। संगठन का मानना है कि वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे कर्मचारियों को उनके कार्य के अनुरूप सम्मानजनक वेतन एवं सुविधाएं मिलनी चाहिए।

संगठन द्वारा समस्त कार्मिकों के साथ विचार-विमर्श के उपरांत यह निर्णय लिया गया था कि वार्ता एवं जारी कार्यवृत्त के अनुरूप निर्धारित 30 कार्य दिवसों के भीतर, अर्थात नवंबर माह के अंतिम समय तक, यदि अपेक्षित कार्यवाही पूर्ण होती दिखाई नहीं देती है तो संगठन पुनः धरना-प्रदर्शन एवं आंदोलन की रणनीति बनाने के लिए बाध्य होगा।

अमृतपुर की मुख्य सड़क के गड्ढे में फंसी पिकअप, काफी मशक्कत के बाद भी नहीं निकल सका वाहन

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



अमृतपुर कस्बे की मुख्य सड़क की बदहाल स्थिति अब वाहन चालकों के लिए बड़ी परेशानी बनती जा रही है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढों के कारण आए दिन वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार शाम सड़क के एक गहरे गड्ढे में पिकअप वाहन फंस गया। चालक ने काफी प्रयास कर वाहन को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। इस घटना के बाद सड़क की खराब हालत एक बार फिर चर्चा में आ गई।

जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम एक पिकअप वाहन अमृतपुर कस्बे की मुख्य सड़क से गुजर रहा था। इसी दौरान सड़क पर बने गहरे गड्ढे में वाहन का पहिया फंस गया। चालक ने वाहन को बाहर निकालने के लिए कई बार प्रयास किया, लेकिन गड्ढे की स्थिति के कारण पिकअप आगे नहीं बढ़ सकी। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सड़क से गुजरने वाले अन्य वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अमृतपुर की मुख्य सड़क लंबे समय से बदहाल स्थिति में है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बने हुए हैं, जिनके कारण दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को संभलकर निकलना पड़ता है। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, राहगीर और वाहन चालक आवागमन करते हैं। सड़क की खराब स्थिति के कारण बच्चों को स्कूल आने-जाने में भी परेशानी होती है। कई बार वाहनों को गड्ढों से बचाकर निकालने के प्रयास में यातायात प्रभावित हो जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह समस्या किसी एक दिन की नहीं, बल्कि रोजाना की परेशानी बन चुकी है।

पिकअप के गड्ढे में फंसने की घटना ने एक बार फिर सड़क की मरम्मत की आवश्यकता को उजागर कर दिया है। क्षेत्रीय लोगों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मुख्य सड़क के गड्ढों को तत्काल भरवाने तथा पूरी सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि स्कूली बच्चों, राहगीरों और वाहन चालकों को राहत मिल सके और किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका से बचा जा सके।

दीपावली की खुशी में लाइसेंसी रिवाल्वर से की हर्ष फायरिंग, अधिवक्ता पुत्र समेत दो गिरफ्तार

● आलू के बोरे में छिपाया था हथियार

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

दीपावली के त्योहार पर खुशियां मनाने के नाम पर कानून की मर्यादा भूलकर लाइसेंसी रिवाल्वर से हवाई फायरिंग करना दो युवकों को भारी पड़ गया। ढाबे पर दोस्तों के साथ दावत कर रहे एक युवक ने अचानक रिवाल्वर से गोली चला दी। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों के सामने हुई इस घटना से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर फायरिंग में इस्तेमाल लाइसेंसी रिवाल्वर भी बरामद कर ली।

जानकारी के अनुसार, कोतवाली फतेहगढ़ क्षेत्र के सिविल लाइन बरगदिया घाट निवासी अखिलेंद्र प्रताप सिंह अपने साथी अभिमन्यु निवासी लोको रोड भोलेपुर के साथ नाला बघार और राजपूताना पुलिस चौकी के बीच स्थित एक ढाबे पर खाना खाने पहुंचे थे। दोनों दीपावली की खुशी में पार्टी कर रहे थे। इसी दौरान अखिलेंद्र प्रताप सिंह ने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर निकालकर फायरिंग कर दी। अचानक गोली चलने से ढाबे पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

संयोग से उसी समय जहानगंज थाने में तैनात सिपाही राजकुमार और देवेंद्र सिंह भी ढाबे पर खाना खा रहे थे। पुलिसकर्मियों के सामने ही हुई फायरिंग को उन्होंने गंभीरता से लिया और तत्काल इसकी जानकारी राजपूताना चौकी प्रभारी जसवीर सिंह को दी। सूचना मिलते ही जहानगंज थाना प्रभारी निरीक्षक बृजपाल सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए।

पुलिस को आता देखकर अखिलेंद्र प्रताप सिंह घबरा गया और उसने रिवाल्वर को ढाबे में रखे आलू के बोरों के नीचे छिपा दिया। हालांकि पुलिस की सतर्कता के चलते उसका यह प्रयास सफल नहीं हो सका। पुलिस ने पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर आलू के बोरे के नीचे छिपाई गई रिवाल्वर बरामद कर ली। जांच के दौरान रिवाल्वर के चेंबर में एक खोखा और 32 बोर के चार जिंदा कारतूस भी मिले।

पुलिस पूछताछ में अखिलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि रिवाल्वर उसका लाइसेंसी हथियार है। दीपावली पर पटाखे नहीं चलाने के बाद वह अपने दोस्त के साथ पार्टी करने ढाबे पर आया था। त्योहार की खुशी में उसने रिवाल्वर से फायर कर दिया। वहीं दूसरे युवक अभिमन्यु ने पूछताछ में बताया कि उसने ही अखिलेंद्र को हर्ष फायरिंग करने के लिए कहा था। पुलिस से बचने के इरादे से उसने रिवाल्वर को आलू के बोरे के नीचे छिपा दिया था।

जहानगंज थाना प्रभारी निरीक्षक बृजपाल सिंह ने बताया कि पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अभिमन्यु के पिता बृज नारायण सिंह अधिवक्ता हैं। दीपावली जैसे खुशियों के पर्व पर सार्वजनिक स्थान पर हथियार से फायरिंग करने की इस घटना ने एक बार फिर हर्ष फायरिंग के खतरनाक चलन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। त्योहार की खुशी में की गई जरा सी लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती थी। पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

भगवान चित्रगुप्त महाराज का प्राकट्य उत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

पक्का पुल में स्थित चित्रगुप्त भवन कायस्थ समाज ने भगवान चित्रगुप्त महाराज का प्राकट्य उत्सव परम्परागत बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया।भगवान चित्रगुप्त महाराज का पूजन-अर्चन, वंदन एवं यज्ञ के द्वारा संपन्न किया गया। इस अवसर पर परिवार, समाज के सुख-शांति, समृद्धि की मंगल कामना की गई।

महावीर प्रसाद श्रीवास्तव ने बताया कि आदि काल में ब्रह्मा की सृष्टि में भगवान चित्रगुप्त का प्राकट्य हुआ था। उसकी याद में समाज के द्वारा भगवान चित्रगुप्त महाराज की आराधना में परम्परागत सनातन काल से चली आ रही में दीपावली में कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया पर पूजन-अर्चन-वंदन करते हैं। महा आरती और प्रसाद का वितरण किया गया और सभी ने एक दूसरे को शुभकामना के साथ शुभकामनाएं दीं।यमराज के प्रमुख लेखाकार चित्रगुप्त महाराज के जन्म उत्सव विशेष पूजा

नगर के पांचाल घाट संकदेश्वर महाकाल मंदिर में कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया को यमराज धर्मराज के प्रमुख लेखक चित्रगुप्त महाराज के जन्म उत्सव पर मुख्य महंत साध्वी अर्चना दीक्षित ने दीप जलाकर फूलों से श्रृंगार कर आरती पूजन किया। इस दौरन भगवान चित्रगुप्त का पूजन चित्रगुप्त उनकी दो पत्नी एवं 12 पुत्रों की प्रतिमाओं को पूजन कर फल फूल मिष्ठान हलवा आदि व्यंजनों के भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया गया।इस दौरन विजय, सोनू, आलोक सक्सेना, अनु उपाध्याय, रश्मी सक्सेना, अभिषेक, गोपाल, रुद्रांश शिवांश, चंदन कटिहार, लालाराम श्रीवास्तव, रामबाबू चौरसिया आदि भक्तों ने भगवान चित्रगुप्त की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

भगवान चित्रगुप्त महाराज का प्राकट्य उत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



पक्का पुल में स्थित चित्रगुप्त भवन कायस्थ समाज ने भगवान चित्रगुप्त महाराज का प्राकट्य उत्सव परम्परागत बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया।भगवान चित्रगुप्त महाराज का पूजन-अर्चन, वंदन एवं यज्ञ के द्वारा संपन्न किया गया। इस अवसर पर परिवार, समाज के सुख-शांति, समृद्धि की मंगल कामना की गई।

महावीर प्रसाद श्रीवास्तव ने बताया कि आदि काल में ब्रह्मा की सृष्टि में भगवान चित्रगुप्त का प्राकट्य हुआ था। उसकी याद में समाज के द्वारा भगवान चित्रगुप्त महाराज की आराधना में परम्परागत सनातन काल से चली आ रही में दीपावली में कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया पर पूजन-अर्चन-वंदन करते हैं। महा आरती और प्रसाद का वितरण किया गया और सभी ने एक दूसरे को शुभकामना के साथ शुभकामनाएं दीं।यमराज के प्रमुख लेखाकार चित्रगुप्त महाराज के जन्म उत्सव विशेष पूजा

नगर के पांचाल घाट संकदेश्वर महाकाल मंदिर में कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया को यमराज धर्मराज के प्रमुख लेखक चित्रगुप्त महाराज के जन्म उत्सव पर मुख्य महंत साध्वी अर्चना दीक्षित ने दीप जलाकर फूलों से श्रृंगार कर आरती पूजन किया। इस दौरन भगवान चित्रगुप्त का पूजन चित्रगुप्त उनकी दो पत्नी एवं 12 पुत्रों की प्रतिमाओं को पूजन कर फल फूल मिष्ठान हलवा आदि व्यंजनों के भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया गया।इस दौरन विजय, सोनू, आलोक सक्सेना, अनु उपाध्याय, रश्मी सक्सेना, अभिषेक, गोपाल, रुद्रांश शिवांश, चंदन कटिहार, लालाराम श्रीवास्तव, रामबाबू चौरसिया आदि भक्तों ने भगवान चित्रगुप्त की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से महिला की मौत

फर्रुखाबाद। कादरी गेट थाना क्षेत्र में बुधवार को तेज रफ्तार कार की टक्कर से 50 वर्षीय महिला की मौत हो गई। महिला अपनी बेटी के घर से पैदल अपने घर लौट रही थीं। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है। जानकारी के अनुसार, मसेनी निवासी ऊषा देवी बुधवार सुबह चांदपुर स्थित अपनी बेटी के घर से वापस लौटने के लिए निकली थीं। करीब 11 बजे वह लकूला मार्ग पर एक मैरिज होम के पास पहुंचीं, तभी तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घायल ऊषा देवी को तत्काल लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। वहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. प्रदीप राजपूत ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। अस्पताल प्रशासन ने शव को मोर्चरी में रखवाकर थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। ऊषा देवी के बेटे सनी ने बताया कि उनकी मां अपनी बेटी के घर से पैदल वापस लौट रही थीं, तभी रास्ते में कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में उनकी जान चली गई।

पत्नी से विवाद के बाद पति ने डाई पी

कमालगंज (फर्रुखाबाद)। थाना क्षेत्र के नारायणपुर गढ़िया गांव में बुधवार को पत्नी से विवाद के बाद एक युवक ने घर में रखी डाई पी ली। हालत बिगड़ने पर परिजन और ग्रामीण उसे आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कमालगंज लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सक ने उसका प्राथमिक उपचार किया।

जानकारी के अनुसार, नारायणपुर गढ़िया गांव निवासी अनुज पुत्र रामबाबू का बुधवार को पत्नी से मायके जाने की बात को लेकर विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि अनुज अपनी पत्नी को मायके जाने से मना कर रहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। परिजनों के मुताबिक, विवाद के बाद अनुज शराब के नशे में था। इसी दौरान उसने घर में रखी डाई पी ली। कुछ ही देर में उसकी हालत बिगड़ने लगी। युवक की हालत देखकर परिवार में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी होने पर परिजन और ग्रामीण उसे तत्काल सीएचसी कमालगंज लेकर पहुंचे। वहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. विकास पटेल ने युवक का प्राथमिक उपचार किया। घटना के बाद गांव में भी मामले को लेकर चर्चा होती रही।

मारपीट व गाली-गलौज के मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद। थाना मेरापुर क्षेत्र के ग्राम प्रेमपुर निवासी राजवीर कुमार पुत्र जयसिंह के साथ गाली-गलौज और मारपीट किए जाने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित की तहरीर पर विकेश यादव पुत्र अजब सिंह निवासी ग्राम शिवगढ़पुर थाना मेरापुर सहित तीन लोगों के विरुद्ध मु0अ0सं0 154/26, धारा 115(2)/352 बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस द्वारा मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि माननीय न्यायालय के आदेशानुसार एनसीआर संख्या से मुकदमे में तरमीम की गई है।

रेलवे स्टेशन पर अचानक पहुंचे बड़े साहब, ई-रिक्शा की अव्यवस्था पर भड़के

● औचक निरीक्षण में यात्री सुविधाओं का लिया जायजा

यूथ इंडिया, हरदोई



रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था की हकीकत परखने के लिए बुधवार को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने औचक निरीक्षण किया। वह दोपहर करीब एक बजे 22454 राज्यरानी एक्सप्रेस से हरदोई स्टेशन पहुंचे। अचानक बड़े अधिकारी के पहुंचने से रेलवे कर्मचारियों में हलचल मच गई। उन्होंने प्लेटफॉर्म संख्या तीन से लेकर प्लेटफॉर्म संख्या एक तक पहुंचकर व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर की साफ-सफाई, शौचालयों, प्लेटफॉर्म और कैंटीन की स्थिति देखी। कैंटीन में खाद्य पदार्थों की रेट लिस्ट और डिजिटल भुगतान के लिए क्यूआर कोड लगे मिले। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से यात्री सुविधाओं के संबंध में जानकारी भी ली।

स्टेशन परिसर में ई-रिक्शा बेतरतीब ढंग से खड़े मिलने पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने नाराजगी जताई। उन्होंने रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ई-रिक्शा की पार्किंग निर्धारित और व्यवस्थित कराई जाए, जिससे यात्रियों को आने-जाने में परेशानी न हो।

निरीक्षण के दौरान फुट ओवरब्रिज की कमी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। प्लेटफॉर्म एक से तीन, चार और पांच पर जाने के लिए यात्रियों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। नया फुट ओवरब्रिज भी अभी निर्माणाधीन है। ऐसे में कई यात्री जल्दबाजी में रेलवे ट्रैक पार करने लगते हैं, जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है। इस समस्या के समाधान के लिए उन्होंने संयुक्त रिपोर्ट तैयार कर भेजने के निर्देश दिए। महेश यादव ने बताया कि स्टेशन की व्यवस्थाएं संतोषजनक मिली हैं। कुछ छोटी कमियां सामने आई हैं, जिन्हें दूर कराने के निर्देश दिए गए हैं।

गंगा एक्सप्रेसवे पर रफ्तार का कहर, भीषण हादसे में पति-पत्नी समेत तीन की मौत

● छठ पूजा पर प्रयागराज लौट रहा था परिवार हादसे का शिकार, सात वर्षिय बेटे ने भी तोड़ा दम

यूथ इंडिया, हरदोई



गंगा एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार का कहर एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन ले गया। सांडी थाना क्षेत्र के ग्राम अंटवा के निकट पिलर संख्या 317 पर ओवरस्पीड के चलते एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार पति-पत्नी और उनके सात वर्षीय बेटे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि डेढ़ वर्षीय दूसरा बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल मासूम को प्राथमिक उपचार के बाद हरदोई रेफर किया गया है।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान सौरभ उपाध्याय पुत्र जय गोविंद उपाध्याय, उनकी पत्नी मेनका उपाध्याय और सात वर्षीय बेटे व्योम उपाध्याय के रूप में हुई है। परिवार प्रयागराज के नीम सराय मुंडेरा स्थित ईबीएस आवास संख्या 431 का निवासी था। घायल बच्चे की पहचान डेढ़ वर्षीय शिवोम उपाध्याय के रूप में हुई है। बताया गया कि सौरभ गौतम बुद्ध नगर की एक निजी आईटी कंपनी में वाइस चेयरमैन के पद पर कार्यरत थे। छठ पूजा के अवसर पर वह अपनी पत्नी और दोनों बच्चों के साथ ब्लैक कलर की कार से अपने पैतृक निवास प्रयागराज जा रहे थे। इसी दौरान अंटवा के पास तेज रफ्तार के चलते कार बेकाबू होकर डिवाइडर से जा टकराई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलग्राम पहुंचाया, जहां से उसे हरदोई रेफर कर दिया गया। क्षेत्राधिकारी बिलग्राम रामसूरत सोनकर ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसा ओवरस्पीड के कारण हुआ। पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। छठ पूजा पर घर लौटने की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं।

रील्स देखने को लेकर पति-पत्नी में विवाद, आधी रात गांव पहुंची 35 लोगों की भीड़

यूथ इंडिया, हरदोई

मोबाइल पर रील्स देखने और खाना बनाने को लेकर पति-पत्नी के बीच शुरू हुआ मामूली विवाद आधी रात बड़े बवाल में तब्दील हो गया। कहासुनी के बाद पत्नी ने फोन कर मायके पक्ष के लोगों को बुला लिया। आरोप है कि सोमवार रात करीब 11:30 बजे मायके पक्ष के दो भाई 30 से 35 लोगों के साथ कार, टेंपो और बाइकों से गांव पहुंच गए। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई और गांव में अफरा-तफरी मच गई।

मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के झबरा पुरवा गांव का है। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच मोबाइल पर रील्स देखने को लेकर विवाद हुआ था। पति की ओर से खाना बनाने की बात कहने पर दोनों के बीच कहासुनी बढ़ गई। देखते ही देखते विवाद मारपीट तक पहुंच गया। इसके बाद पत्नी ने फोन पर अपने मायके वालों को घटना की जानकारी दी।

आरोप है कि सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग बड़ी संख्या में गांव पहुंच गए। दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते लाठी-डंडे चलने लगे। इस संघर्ष में पति के माता-पिता, बीच-बचाव करने पहुंचे एक पड़ोसी समेत दूसरे पक्ष के कई लोग घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवाया। बताया गया है कि दंपति की शादी करीब तीन वर्ष पहले हुई थी और उनका दो वर्षीय बेटा भी है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मारपीट में शामिल लोगों और घटना के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है।

गाली-गलौज के बाद मारपीट के मामले में चार लोगों पर मुकदमा दर्ज



फर्रुखाबाद। मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के रामकिशन नगला गांव में गाली-गलौज और मारपीट के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि अभियुक्तों ने वादी के परिजनों के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। जानकारी के अनुसार, मुख्य आरोपी सर्वेन्द्र उर्फ कुँवरपाल पुत्र फूलसिंह निवासी रामकिशन नगला समेत चार लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया गया है। इस मामले में पीड़ित कंचन सिंह पुत्र रामनरेश की तहरीर पर मोहम्मदाबाद कोतवाली पुलिस ने मुकदमा संख्या 384/26, धारा 115(2), 352 और 118(1) बीएनएस के तहत रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच-पड़ताल कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

धूमधाम से मनाया गया भाई बहन के अटूट प्रेम का पर्व भाईदूज

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक पर्व भाई दूज बुधवार को पूरे क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही नगर के बाजारों और गांवों में चहल-पहल रही। बहनें सज-धजकर मिठाई, फल और रोली-अक्षत की थाली लेकर भाइयों के घर पहुंचीं।

बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया, आरती उतारी और लंबी उम्र, सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने भी उपहार देकर जीवनभर रक्षा का वचन दिया। कई घरों में सामूहिक भोज का भी आयोजन हुआ।

मुख्य बाजार में मिठाई, फल, उपहार और कपड़ों की दुकानों पर दिनभर भीड़ रही। दूर-दराज से बहनों के आने से बस स्टैंड और चौराहों पर भी रौनक बनी रही।

इस दौरान सबलपुर निवासी अथर्व की 2 साल की बहन रिद्धि ने अपने भाई को तिलक लगाकर भाई दूज मनाई। वहीं कमालगंज कस्बा निवासी सार्थक को उसकी बहन दृष्टि ने भाई दूज खिलाकर भाई के स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की।

मान्यता है कि इस दिन यमराज अपनी बहन यमुना के घर भोजन करने गए थे। यमुना ने तिलक कर भोजन कराया, तब यमराज ने वरदान दिया कि इस दिन तिलक करने वाली बहन के भाई को अकाल मृत्यु का भय नहीं रहेगा। एक अन्य मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर वध के बाद बहन सुभद्रा के घर जाकर तिलक कराया था। त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था के लिए पुलिस भी मुस्तैद रही।

कार खड़ी करने को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, 8 घायल, हवाई फायर की चर्चा

यूथ इंडिया, हरदोई

मझिला थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव में बुधवार देर रात कार खड़ी करने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया और दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए। इसके बाद जमकर मारपीट और तोड़फोड़ हुई। इस दौरान दो मोटरसाइकिलों में आग लगा दी गई, जिससे गांव में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, घटना रात करीब 11 बजे की है। एक पक्ष के पांच और दूसरे पक्ष के तीन लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। विवाद के दौरान एक कार के पीछे का शीशा भी तोड़ दिया गया। वहीं, दो मोटरसाइकिलों को आग के हवाले किए जाने से मामला और तनावपूर्ण हो गया। घटना के दौरान फायरिंग होने की भी गांव में चर्चा हो रही है। , हालांकि पुलिस ने गोली चलने की घटना से इनकार किया है।

घटना की सूचना मिलते ही मझिला पुलिस मौके पर पहुंची और हालात संभालने में जुट गई। पुलिस बल गांव में मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए है। अचानक हुए इस संघर्ष के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

स्थानीय थाना प्रभारी वीरबहादुर ने बताया कि रात करीब 11 बजे कार खड़ी करने को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी। इस दौरान कार का पिछला शीशा टूट गया और दो मोटरसाइकिलों में आग लगाई गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना में शामिल लोगों और विवाद के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस जांच के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

एक बीघा खेत के विवाद में भतीजे ने चाचा को मारी गोली

● जमीन अपने नाम कराने का बना रहा था दबाव, इनकार करने पर तमंचे से किया फायर

● पैर में गोली लगने के बाद भूसे में छिपकर बचाई जान, भर्ती

यूथ इंडिया, हरदोई



लोनार थाना क्षेत्र के सुहेड़ी गांव में जमीन के विवाद को लेकर रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक बीघा खेत के विवाद में भतीजे पर अपने ही सगे चाचा को गोली मारने का आरोप लगा है। गोली लगने से घायल चाचा को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सुहेड़ी गांव निवासी दिनेश यादव पांच भाइयों में से एक हैं। उनके पिता के नाम कुल पांच बीघा कृषि भूमि थी। पारिवारिक बंटवारे के दौरान पांचों भाइयों के हिस्से में एक-एक बीघा जमीन आई थी। आरोप है कि दिनेश के भतीजे अखिलेश यादव की नजर अपने चाचा के हिस्से की जमीन पर थी। वह चाचा पर उनकी एक बीघा जमीन अपने नाम कराने का दबाव बना रहा था।

बताया जा रहा है कि दिनेश यादव ने जमीन देने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। आरोप है कि घटना के दौरान दिनेश गांव के बाहर स्थित अपने मकान में लेटे हुए थे। तभी भतीजे अखिलेश यादव ने तमंचे से उन पर गोली चला दी। गोली दिनेश के पैर में जा लगी। अचानक हुई फायरिंग से वह घबरा गए और अपनी जान बचाने के लिए मकान में रखे भूसे के ढेर में छिप गए।

घटना के बाद घायल को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई। लोनार पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ जांच और अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बिलग्राम में भीषण अग्निकांड, पप्पू की वर्षो की गृहस्थी जलकर राख

● अनाज से लेकर खेती के उपकरण तक आग की भेंट चढ़ें, लाखों रूपये का नुकसान

● विधायक आशीष सिंह आशू ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवार को दिया मदद का भरोसा

यूथ इंडिया, हरदोई



बिलग्राम क्षेत्र के शाहपुर मोड़ पर अचानक लगी आग ने एक परिवार की वर्षों की मेहनत और खुशियों को पलभर में राख कर दिया। अग्निकांड में पप्पू की पूरी गृहस्थी जलकर नष्ट हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि परिवार के सदस्यों को घर से जरूरी सामान तक निकालने का मौका नहीं मिल सका। देखते ही देखते घर में रखा अनाज, कपड़े और खेती-किसानी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण आग की लपटों में समा गए।

जानकारी के अनुसार पप्पू मूल रूप से रामेश्वरपुरवा गांव के निवासी हैं। उन्होंने शाहपुर मोड़ पर मकान बनाकर अपने परिवार के साथ रहना शुरू किया था। अचानक लगी आग ने उनकी वर्षों की मेहनत पर पानी फेर दिया। अग्निकांड में गेहूं, राई, कपड़े, पंपिंग सेट, भूसा, ठेलिया, साइकिल, सोलर पैनल और बैटरी समेत लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। परिवार के सामने अब रोजमर्रा की जरूरतों के साथ ही खेती-किसानी को लेकर भी संकट खड़ा हो गया है।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम, डायल 112 पुलिस और क्षेत्रीय लेखपाल मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आग पर काबू पाने के प्रयासों के साथ नुकसान का जायजा लिया। वहीं बिलग्राम विधायक आशीष सिंह आशू ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उनकी स्थिति की जानकारी ली।

अग्निकांड के बाद पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक सहायता दिलाए जाने की मांग की है, ताकि उजड़ी गृहस्थी को दोबारा बसाया जा सके।

सर्वाधिकार स्वामी एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 उ.प्र. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक- शरद कटियार द्वारा एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद 209602 30 उ. प्र. से मुद्रित एवं ई-417 मोतीझील, ऐशबाग लखनऊ-226004 से प्रकाशित। सम्पादक- शरद कटियार दूरभाष - 09452411978 Email-youthindiaheadoffice@gmail.com RNI No- UPHIN/2016/68199
समस्त समाचारों का चयन एवं सम्पादन हेतु T-R-V Act के अन्तर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन होंगे।